RNI NO. HARHIN/2018/75109
वर्ष 7 अंक 41
फरीदाबाद, शुक्रवार, 15 मार्च, 2024
पृष्ठ 12, मूल्य 3 रुपये
नगर संस्करण

फरीदाबाद, नई दिल्ली, लखनऊ और रायपुर से प्रकाशित

पायनियर

ई-पेपर www.pioneerhindi.com पर पढ़िए YouTube सब्सक्राइब करें Pioneer Haryana

मुंबई ने रिकॉर्ड 42वीं बार रणजी ट्रॉफी खिताब जीता
पेज - 12

बाजार

सेंसेक्स	73097	▲	335
निफ्टी	22146	▲	148
सोना	65605	▼	292 /10 gm
चांदी	75362	▲	192 /kg

मौसम फरीदाबाद

अधिकतम 29.00°C
न्यूनतम 15.00°C

क्विक न्यूज

एचएनएलसी के हथियार और गोला-बारूद जब्त किए

शिलांग। मेघालय के री-भोई जिले में प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन हाइनीवट्रेप नेशनल लिबरेशन काउंसिल (एचएनएलसी) संगठन के हथियार और गोला-बारूद जब्त किए गए हैं। एचएनएलसी संगठन से जुड़े चार लोगों द्वारा दी गई जानकारी के आधार पर पुलिस ने हथियार और गोला-बारूद बरामद किए हैं। इन चारों को पुलिस ने शिलांग के विवादित पंजाबी लेन इलाके में आईईडी विस्फोट के सिलसिले में गिरफ्तार किया था। पुलिस अधीक्षक जगपाल धनोआ सिंह ने बताया, बुधवार को री-भोई जिले में एचएनएलसी के झंडे के साथ हथियार, जिलेटिन की छड़ें, विस्फोटक आदि बरामद किए गए।

पूर्व एसजीपीसी प्रमुख कौर की शिअद में वापसी

चंडीगढ़। कथित तौर पर पार्टी विरोधी गतिविधियों के लिए निष्कासित किए जाने के लगभग 15 महीने बाद एसजीपीसी की पूर्व प्रमुख जागीर कौर बृहस्पतिवार को फिर से शिरोमणि अकाली दल में शामिल हो गईं। यह घटनाक्रम सुखदेव सिंह ढींढसा द्वारा उनके शिरोमणि अकाली दल (संयुक्त) का सुखबीर सिंह बादल के नेतृत्व वाले शिरोमणि अकाली दल (शिअद) में विलय करने के कुछ दिनों सामने आया है। सुखबीर सिंह बादल और दलजीत सिंह चीमा, आदेश प्रताप सिंह कैरों, शरणजीत सिंह ढिल्लों और सुरजीत सिंह रखड़ा सहित अन्य वरिष्ठ नेता, कौर के फिर से पार्टी में शामिल होने के अवसर पर कपूरथला जिले के बेगोवाल पहुंचे। पूर्व अकाली मंत्री जागीर कौर वर्ष 1999, 2004 और 2020 में शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक समिति (एसजीपीसी) की अध्यक्ष थीं।

भाजपा में शामिल हुईं पटियाला सांसद परनीत

नई दिल्ली। पूर्व केंद्रीय मंत्री और पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह की पत्नी परनीत कौर बृहस्पतिवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हो गईं। पिछले साल फरवरी महीने में उन्हें पार्टी विरोधी गतिविधियों के आरोप में कांग्रेस से निलंबित कर दिया गया था। पटियाला से सांसद परनीत कौर ने यहां भाजपा मुख्यालय में पार्टी महासचिव विनोद तावड़े, तरुण चुघ, अरुण सिंह, पंजाब इकाई के अध्यक्ष सुनील जाखड़ और राज्य के प्रभारी व गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी की मौजूदगी में भगवा दल की सदस्यता ग्रहण की। इस अवसर पर तावड़े ने कहा कि परनीत कौर जैसे जनप्रतिनिधि के भाजपा में आने से पंजाब में भाजपा मजबूत होगी। परनीत कौर ने भाजपा में शामिल होने पर खुशी जताई है।

हिंडनबर्ग रिपोर्ट ने भारत की शासन प्रणाली को बदनाम किया: अडाणी

रिपोर्ट में अडाणी समूह पर शेयरों के भाव में हेराफेरी का आरोप लगाया गया था

एजेंसी। मुंबई

अडाणी समूह के चेयरमैन गौतम अडाणी ने बृहस्पतिवार को कहा कि पिछले साल जनवरी में आई अमेरिकी फर्म हिंडनबर्ग रिसर्च की रिपोर्ट न केवल विभिन्न क्षेत्रों में कारोबार वाले समूह को अस्थिर करने बल्कि भारत की शासन (गवर्नेंस) प्रणाली को राजनीतिक रूप से बदनाम करने के लिए भी लाई गई थी। शॉर्ट-सेलर एवं निवेश शोध फर्म हिंडनबर्ग ने अडाणी समूह पर शेयरों के भाव में हेराफेरी और वित्तीय गड़बड़ियों का आरोप लगाते हुए एक रिपोर्ट प्रकाशित की थी। उस समय समूह ने सभी आरोपों से इनकार किया था। इस साल उसे उच्चतम न्यायालय से भी राहत मिली जब न्यायाधीशों ने फैसला सुनाया कि उसे अतिरिक्त जांच का सामना करने की जरूरत नहीं है।

हालांकि, यह रिपोर्ट आने के बाद अडाणी समूह के शेयरों में 150 अरब डॉलर से अधिक की बिकवाली हुई थी। इसका असर यह हुआ था कि 2023 की शुरुआत में दुनिया के दूसरे सबसे अमीर उद्यमी के रूप में सूचीबद्ध गौतम अडाणी शीर्ष 20 से भी बाहर हो गए। बाद में समूह ने इस नुकसान की काफी हद तक भरपाई कर ली है।

अडाणी ने यहां एक निजी कार्यक्रम में कहा, पिछले साल 24 जनवरी को हमपर एक अमेरिकी शॉर्ट सेलर ने बड़े पैमाने पर हमला किया था। इसका उद्देश्य सिर्फ हमें अस्थिर करना नहीं था बल्कि भारत की शासन प्रथाओं को राजनीतिक रूप से बदनाम करना भी था। उन्होंने कहा, हमारी नींव हिलाने की कोशिशों के बावजूद हम मजबूती से खड़े रहे और हमने न केवल अपनी प्रतिष्ठा की रक्षा की बल्कि यह भी सुनिश्चित किया कि हम अपने कार्यों पर ध्यान केंद्रित रखें। अडाणी समूह के मुखिया ने कहा कि इस प्रकरण ने कई बिंदुओं पर ध्यान देने के लिए भी प्रेरित किया। उन्होंने कहा, इस प्रकरण ने हमें अपनी जुझारू क्षमता पर भी विश्वास दिलाया। हमारा पुनरुद्धार मजबूत होकर वापसी करने के सार को उजागर करता है, जो हर गिरावट के बाद उठने की भावना का प्रतीक है।

पीएम मोदी ने सिख नव वर्ष पर बधाई दी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बृहस्पतिवार को सिख नववर्ष की शुरुआत पर लोगों को बधाई दी और कामना की कि सिख गुरुओं की शिक्षा का प्रकाश पूरे विश्व को जगमग करता रहे।

सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा, सिख नव वर्ष की शुरुआत पर शुभकामनाएं। वाहेगुरु की असीम कृपा सभी जीव-जगत को कल्याण और समृद्धि प्रदान करे। गुरु साहिब का ज्ञान हमारे समाज को उज्ज्वल मार्गदर्शन से प्रज्जवलित करता रहे।

अश्लील कंटेंट दिखाने वाले 18 ओटीटी प्लेटफॉर्म बैन

19 वेबसाइट्स 10 ऐप्स और 57 सोशल मीडिया हैंडल ब्लॉक

सोशल मीडिया अकाउंट्स पर कुल मिलाकर 32 लाख से अधिक यूजर्स

एक करोड़ से ज्यादा डाउनलोड हुए हैं आपत्तिजनक ओटीटी वीडियो

एजेंसी। नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने गुरुवार को अश्लील कंटेंट प्रसारित करने वाले 18 ओटीटी प्लेटफॉर्म पर बैन लगा दिया। इसके साथ 19 वेबसाइट्स 10 ऐप्स और 57 सोशल मीडिया हैंडल्स भी ब्लॉक कर दिए हैं। ये ऐप, ओटीटी प्लेटफॉर्म और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एंटरटेनमेंट के नाम पर अश्लील और आपत्तिजनक वीडियो पेश कर रहे थे। इससे पहले इन ओटीटी ऐप्स को कई बार चेतावनी दी गई थी, इसके बावजूद इनके कंटेंट में किसी तरह का सुधार नहीं पाया गया। 12 मार्च को केंद्रीय सूचना और प्रसारण मंत्रालय की बैठक में यह फैसला ले लिया गया था। हालांकि इन ऐप्स की लिस्ट बृहस्पतिवार को जारी की गई हैं।

सरकार के मुताबिक, इनके कंटेंट में अश्लीलता थी। कई जगह

महिलाओं को अपमानजनक तरीके से दिखाया जाता था। स्टूडेंट और टीचर के रिश्तों के अलावा पारिवारिक रिश्तों को भी गलत तरीके से पेश किया जाता था। सरकार ने बताया कि 18 ओटीटी ऐप्स में से एक ऐप को एक करोड़ से ज्यादा डाउनलोड मिल चुके हैं। हालांकि इसका नाम नहीं बताया गया। दो अन्य ऐप को गूगल प्ले स्टोर पर 50 लाख से ज्यादा डाउनलोड मिले हैं।

इसके अलावा इन ओटीटी प्लेटफॉर्म्स ने दर्शकों को अपनी वेबसाइट्स और ऐप्स की तरफ अट्रैक्ट करने के लिए बड़े पैमाने पर सोशल मीडिया का भी यूज किया। इन सोशल मीडिया अकाउंट्स पर कुल मिलाकर 32 लाख से अधिक यूजर्स हैं। इससे पहले मंत्रालय ने कहा था कि उन्हें ओटीटी प्लेटफॉर्म पर दिखाए जा रहे कंटेंट को लेकर कई शिकायतें मिली थीं। इनकी शिकायत करने वालों में कई सांसद/विधायक, इंटेलेक्चुअल्स और समाज सेवी शामिल हैं।

सरकार ओटीटी प्लेटफॉर्म्स के कंटेंट की निगरानी इंटरमीडियरी गाइडलाइंस एंड डिजिटल मीडिया एथिक्स कोड रूल्स, 2021 के जरिए करती है। इसके नियमों के मुताबिक ओटीटी प्लेटफॉर्म्स को अपने कंटेंट का क्लासिफिकेशन, ऐज रेटिंग और सेल्फ रेगुलेशन का खुद पालन करना होता है। अगर ऐसा नहीं होता है तो इस एक्ट की धारा 67, 67ए और 67बी के तहत सरकार पेश किए जा रहे आपत्तिजनक कंटेंट को ब्लॉक कर सकती है।

पूर्व आइएएस अफसर ज्ञानेश कुमार और सुखबीर संधू होंगे चुनाव आयुक्त

अधीर रंजन ने सार्वजनिक किए दोनों चुनाव आयुक्तों के नाम

एजेंसी। नई दिल्ली

चुनाव आयोग के दो नए चुनाव आयुक्तों के नाम फाइनल हो गए हैं। प्रधानमंत्री की अध्यक्षता वाले पैनल की गुरुवार को बैठक हुई। इसके बाद नेता विपक्ष अधीर रंजन ने मीडिया से बात की। उन्होंने कहा कि पूर्व आइएएस अफसर ज्ञानेश कुमार और सुखबीर संधू के नाम पर मुहर लगी है। सुखबीर उत्तराखंड के चीफ सेक्रेटरी और एनएचएआइ के चेयरमैन रह चुके हैं। ज्ञानेश कुमार 1988 बैच के केरल कैडर के आइएएस अफसर हैं। वे गृह मंत्रालय में रह चुके हैं। धारा 370 पर फैसले के वक्त गृह मंत्रालय में पोस्टेड थे। सहकारिता मंत्रालय में सचिव पद से रिटायर हुए हैं। हालांकि, अभी चुनाव आयुक्त की नियुक्तियों का आधिकारिक ऐलान नहीं किया गया है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की मंजूरी के बाद इनकी नियुक्ति की जाएगी।

अधीर रंजन ने नियुक्ति प्रक्रिया पर नाराजगी जताई। उन्होंने कहा- मीटिंग शुरू होने के 10 मिनट पहले 6 नाम मेरे पास आए। मुझे सुखबीर सिंह संधू, ज्ञानेश कुमार, उत्पल

कुमार सिंह, प्रदीप कुमार त्रिपाठी, इंदीवर पांडे और गंगाधर राहत के नाम सौंपे गए थे। मैंने कहा कि इनकी ईमानदारी और तजुर्बा जांचना मेरे लिए असंभव है। मैं इस प्रक्रिया का विरोध करता हूं। ये होना ही था। ये औपचारिकता है। इस कमेटी में चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया को रखना चाहिए। अगर सीजेआइ होते तो बात अलग थी। कल रात मैं दिल्ली आया, तब मुझे 212 लोगों की लिस्ट सौंपी गई थी। इतने कम समय में सभी का प्रोफाइल जांचना असंभव था।

नियम के मुताबिक चुनाव, आयोग में एक मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) के अलावा दो चुनाव आयुक्त होते हैं। एक चुनाव आयुक्त अनूप चंद्र पांडे फरवरी में रिटायर हो गए थे। दूसरे अरुण गोयल ने आठ मार्च की सुबह अचानक इस्तीफा दे दिया, जिसे राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 9 मार्च को स्वीकार कर लिया। तीन सदस्यीय चुनाव आयोग में सीईसी राजीव कुमार अकेले बचे थे।

अरुण गोयल मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) बनने की कतार में थे, क्योंकि मौजूदा सीईसी राजीव कुमार फरवरी 2025 में रिटायर होने वाले हैं। गोयल ने 21 नवंबर 2022 को चुनाव आयुक्त का पद संभाला था। उनका कार्यकाल पांच दिसंबर 2027 तक था। चुनाव आयोग के सूत्रों के मुताबिक, गोयल और सीईसी राजीव कुमार के बीच फाइल पर मतभेद हैं। हालांकि, गोयल ने इस्तीफे के लिए निजी कारणों का हवाला दिया है। केंद्र ने उन्हें पद छोड़ने से रोकने की कोशिश की थी। गोयल की सेहत भी ठीक है। इसलिए खराब सेहत के कारण इस्तीफे की अटकलों को खारिज किया गया है।

शाहजहां के करीबी व्यापारियों के घरों पर ईडी ने छापे मारे

एजेंसी। कोलकाता

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कथित राशन वितरण घोटाले के सिलसिले में बृहस्पतिवार को पश्चिम बंगाल के संदेशखाली में गिरफ्तार तृणमूल कांग्रेस के नेता शाहजहां शेख के साथ करीबी संबंध रखने वाले दो व्यापारियों के आवासों पर छापेमारी की। एक अधिकारी ने कहा कि जांच एजेंसी के अधिकारियों ने एक व्यवसायी के स्वामित्व वाले बाजार पर भी छापा मारा।

सीबीआई ने पांच जनवरी की घटनाओं से संबंधित तीन मामलों की जांच अपने हाथ में ले ली है, जब

घोटाले के सिलसिले में उत्तरी 24 परगना जिले के संदेशखाली में शेख के परिसर की तलाशी लेने गए ईडी अधिकारियों पर 1000 लोगों की भीड़ ने हमला कर दिया था। शेख फिलहाल केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो की हिरासत में हैं।

भाजपा को अपने वित्तीय लेन-देन पर श्वेत पत्र लाना चाहिए : खड़गे

एजेंसी। नई दिल्ली

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने बृहस्पतिवार को केंद्र सरकार पर चंदा हासिल करने के लिए जांच एजेंसियों के दुरुपयोग का आरोप लगाया और कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को अपने वित्तीय लेन-देन पर श्वेत पत्र लाना चाहिए। खड़गे ने एक रिपोर्ट का हवाला देते हुए एक्स पर पोस्ट किया, क्या अधिक चंदा पाने के लिए यह ब्लैकमेल, रंगदारी, लूट और जबरदस्ती थी ? ताजा जांच से पता चलता है कि ईडी, सीबीआई, आयकर विभाग के छापों के बाद 15 और कंपनियों ने भाजपा को चंदा दिया, जिससे कुल मिलाकर 45 कंपनियों ने भाजपा को लगभग 400 करोड़ रुपये का भुगतान किया है। उन्होंने कहा कि खबरों के मुताबिक, चार शेल कंपनियों ने भी भाजपा को पैसे दिए।

खड़गे ने आरोप लगाया कि तानाशाह मोदी सरकार ने

कांग्रेस पार्टी के बैंक खाते फ्रीज कर दिए हैं, जबकि वह केंद्रीय एजेंसियों का उपयोग करके पैसे निकालती है। कांग्रेस अध्यक्ष ने दावा किया, भाजपा ने अपने लूट के खजाने को भरने के लिए असंवैधानिक और अवैध चुनावी बांड का इस्तेमाल किया और अपने चंदे की लूट को 10 गुना बढ़ाने के लिए चुनावी ट्रस्ट में भी हेरफेर किया है। उन्होंने कहा कि यदि भाजपा को लोकतंत्र की जननी की चिंता है तो उसे स्वतंत्र जांच के माध्यम से अपने वित्तीय लेन-देन पर श्वेत पत्र लाना चाहिए।

'बृजभूषण की टीम मुझे डोप में फंसाने की तैयारी कर रही है'

एजेंसी। झज्जर

देश की अंतर्राष्ट्रीय पहलवान विनेश फोगाट ने एक बार बृजभूषण पर जुबानी हमला करते हुए बड़ा खुलासा किया है। ओलंपिक क्वालीफायर में ट्रायल के लिए जहां बजरंग ट्रायल हार गए तो वहीं अपने भार वर्ग में विनेश को भी हार का सामना करना पड़ा।

हालांकि, विनेश 50 किलो भार में ओलंपिक के लिए क्वालीफाई कर चुकी हैं, लेकिन ट्रायल के दौरान उन पर हंगामा करने के आरोप लगे हैं। इन आरोपों पर भी विनेश ने खुलासा किया है। हरियाणा के सोनीपत में विनेश फोगाट ने गुरुवार को प्रेस

कॉन्फ्रेंस की, जिसमें उन्होंने कहा है कि ट्रायल के दौरान उन्होंने कोई भी हंगामा नहीं किया था। बल्कि, कमेटी के सदस्य ही खुद लेट पहुंचे थे। जानबूझकर कमेटी के सदस्य बात को घूमा रहे हैं और यह साजिश बृजभूषण शरण के कारण हो रही है। उन्होंने कहा कि अब वह ओलंपिक के लिए तैयारी कर रही हैं।

तमिलनाडु के मंत्री ने पीएम को मारने की धमकी दी

दिल्ली में एफआइआर दर्ज

एजेंसी। नई दिल्ली

तमिलनाडु के मंत्री टीएम अनबरसन का एक वीडियो वायरल हो रहा है। इसमें वो पीएम मोदी के खिलाफ विवादित बयान दे रहे हैं। इसमें वो कह रहे हैं कि मैंने अभी शांति रखी हुई है, क्योंकि मैं एक मंत्री हूं। मैं मंत्री न होता तो उसको (पीएम मोदी) टुकड़ों में फाड़ देता।

उनका यह बयान पिछले हफ्ते का बताया जा रहा है। अनबरसन के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट के एक वकील ने संसद मार्ग पुलिस स्टेशन में केस दर्ज कराया है। टीएम अनबरसन तमिलनाडु में एमके स्टालिन की अगुआई वाली डीएमके-कांग्रेस गठबंधन सरकार में ग्रामीण उद्योग मंत्री हैं।

वायरल वीडियो में अनबरसन कह रहे हैं कि हमारे कई प्रधानमंत्री हुए, कोई ऐसे नहीं बोलता था। मोदी हमें मिटाने की बात करता है, लेकिन मैं एक बात याद दिला दूं कि डीएमके कोई सामान्य संगठन नहीं है। यह कई बलिदानों और बहुत खून बहने के बाद बना है। जिन लोगों ने डीएमके को खत्म करने की बात की, उनका ही विनाश हो गया। यह संगठन बना रहेगा, ये बात दिमाग में रखना। मैं उससे (पीएम मोदी) अलग तरीके से निपटता। अभी मैं चुप हूं, क्योंकि मैं एक मंत्री हूं। अगर मैं मंत्री न होता, तो उसके साथ दूसरा ही तरीका अपनाता।

ममता राष्ट्रीय सुरक्षा पर राजनीति कर रहीं हैं: अमित शाह

गृह मंत्री बोले - उन्हें घुसपैठियों और शरणार्थियों का अंतर नहीं पता

एजेंसी। नई दिल्ली

गृह मंत्री अमित शाह ने सिटिजन अमेंडमेंट एक्ट (सीएए) पर चल रही पॉलिटिक्स पर बात रखी। शाह ने सीएए का विरोध कर रही बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को लेकर कहा कि उन्हें शरणार्थियों और घुसपैठियों के बीच अंतर नहीं पता। एक इंटरव्यू में गृह मंत्री ने कहा, मैं ममता बनर्जी से अपील करता हूं कि राजनीति करने के लिए कई और मुद्दे भी हैं। कृपया बांग्लादेश से आने वाले बंगाली हिंदुओं का विरोध न करें। आप भी एक बंगाली हैं। ममता बनर्जी ने कहा था कि वो सीएए को लागू नहीं होने देंगी। उन्होंने बंगाल के लोगों से भी अपील की कि सिटिजनशिप के लिए अप्लाय ना करें। ऐसा करने से वे अवैध प्रवासियों की लिस्ट में आ जाएंगे और उनके अधिकार छीन लिए जाएंगे।

शाह ने कहा, ममता बनर्जी राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दे पर राजनीति कर रही हैं और लोग उनका साथ नहीं देंगे। मैं ममता बनर्जी को चैलेंज करता हूं कि वे बताएं इस एक्ट का कौन सा नियम किसी की नागरिकता छीन रहा है। वो सिर्फ वोट बैंक के लिए हिंदुओं और मुस्लिमों के बीच दूरी और डर बना रही हैं। मैं राहुल से कहना चाहता हूं कि वे पब्लिक प्लेटफॉर्म पर आएं और बताएं कि उन्हें और उनकी

पार्टी को सीएए से क्या परेशानी है। वे क्यों इसका विरोध कर रहे हैं। राजनीति में आपको अपने फैसलों के पीछे का कारण बताना पड़ता है। अगर सीएए मेरी सरकार का फैसला है तो मुझे बताना होगा कि मेरी पार्टी का इस पर क्या स्टैंड है और ये देशहित में कैसे है। ऐसे ही आपको अपने विरोध का कारण बताना चाहिए।

आप लीडर और दिल्ली के मुख्यमंत्री केजरीवाल ने कहा कि ये कानून शरणार्थियों को नागरिकता देगा। ये खतरनाक है। लॉ एंड ऑर्डर बिगड़ेगा। लूट और चोरियां बढ़ेंगी। शाह ने इस पर कहा, केजरीवाल को यह नहीं पता कि ये लोग पहले ही हमारे देश में शरणार्थी हैं।

ये भारत में रह रहे हैं। ये वो लोग हैं, जो 2014 से पहले से यहां रह रहे हैं और ऐसे ही लोगों को नागरिकता मिलेगी। और अगर केजरीवाल इतने ही परेशान हैं तो वो बांग्लादेशी घुसपैठियों की बात क्यों नहीं करते हैं। रोहिंग्या का विरोध क्यों नहीं करते। क्या वो लोग हमारे रोजगार नहीं ले रहे हैं? केजरीवाल केवल जैन, बौद्ध और पारसी अल्पसंख्यकों की बात कर रहे हैं। विभाजन के बाद ये लोग लाखों की संपत्ति छोड़कर यहां आए हैं। हम उनकी समस्याएं क्यों नहीं सुनेंगे? शाह ने कहा, जो लोग भारत आए हैं, उन्होंने देश के विभाजन का फैसला नहीं लिया था। ये कांग्रेस का फैसला था। कांग्रेस ने उन लोगों से नागरिकता का वादा किया था। अब वो अपने वादे से पीछे हट रही है।

एआइएमआइएम लीडर असदुद्दीन ओवैसी ने सीएए को एंटी मुस्लिम कहा है। इस पर गृह मंत्री ने कहा, यह भारतीय जनता पार्टी का कोई राजनीतिक खेल नहीं है। हमारे नेता मोदीजी और हमारी सरकार का दायित्व है कि अफगानिस्तान, पाकिस्तान और बांग्लादेश से आए लोगों को बराबर अधिकार दें। ऐसे लोग हमारे देश में शरणार्थियों की तरह रह रहे हैं। यह उन्हें उन अधिकारों को देने का मुद्दा है, जो उनकी तीन पीढ़ियों से छीन लिए गए। हाल में मैं 41 बार बोल चुका हूं कि भारत में अल्पसंख्यकों को परेशान होने की जरूरत नहीं है। ये कानून किसी की नागरिकता नहीं छीनता है।

फाग माह का आगाज कराते टेसू के फूल। सेक्टर-15 में सड़क के किनारे लगे पेड़ों पर फूल खिल गए हैं। फोटो- राजेश पुंजानी

बूथों को और मजबूत करने में जुट जाएं भाजपा कार्यकर्ता : गुर्जर

तीसरी बार लोकसभा प्रत्याशी बनाने पर भाजपा नेता दीपक डागर ने दी कृष्णपाल गुर्जर को बधाई

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

केंद्रीय राज्यमंत्री एवं सांसद कृष्णपाल गुर्जर को लगातार तीसरी बार फरीदाबाद लोकसभा क्षेत्र से भाजपा का टिकट मिलने से भाजपा कार्यकर्ताओं में खासा उत्साह नजर आ रहा है।

इसी कड़ी में पृथला विधानसभा क्षेत्र के वरिष्ठ भाजपा नेता दीपक डागर ने अपने साथियों के साथ केंद्रीय राज्यमंत्री कृष्णपाल गुर्जर के सेक्टर-28 स्थित कार्यालय पहुंचकर उन्हें टिकट मिलने पर बधाई दी और उनका मुंह मीठा कराया। इस दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जिंदाबाद, भाजपा पार्टी जिंदाबाद, कृष्णपाल गुर्जर जिंदाबाद के गगनचुंबी नारे लगाकर पूरे माहौल को भाजपामय कर दिया।

इस मौके पर कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए केंद्रीय राज्यमंत्री कृष्णपाल गुर्जर ने कहा कि भाजपा शीर्ष नेतृत्व ने जो विश्वास उन पर जताया है, उस पर वह पूरी तरह से खरा उतरेंगे और इस बार नया रिकॉर्ड बनाकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों को मजबूत करने का काम करेंगे। श्री गुर्जर ने कहा कि कार्यकर्ता चुनावों की तैयारी में जुट जाएं और बूथों को और मजबूत करें, क्योंकि बूथ मजबूत होगा, तभी हम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 400 पार के नारे को साकार कर पाएंगे। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वह पार्टी द्वारा दस वर्षों के दौरान जनहित में किए गए विकास कार्यों का ब्यौरा जन-जन तक पहुंचाकर लोगों को जागरुक करने का काम करें।

इस अवसर पर भाजपा नेता दीपक डागर ने केंद्रीय राज्यमंत्री कृष्णपाल गुर्जर को विश्वास दिलाया कि भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता लोकसभा चुनाव में मोदी के 400 पार के नारे को सार्थक करने में कोई कसर बाकि नहीं छोड़ेगा और रही बात पृथला क्षेत्र की तो पूरी नौ विधानसभाओं में केंद्रीय मंत्री कृष्णपाल गुर्जर को सबसे ज्यादा वोटों से हम पृथला क्षेत्र से विजयी बनाकर भेजेंगे। उन्होंने दावा किया कि इस बार कृष्णपाल गुर्जर दस लाख से अधिक वोटों के मार्जिन से जीत दर्ज करके पूरे देश में नया इतिहास रचने का काम करेंगे।

अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में शिक्षाविदों ने छात्रों से अनुभव साझा किए : गर्ग

एमवीएन विवि में आयोजित हुआ अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

एमवीएन विश्वविद्यालय में बहुविषयी द्वितीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। जिसका विषय था कैंपस टू कॉरपोरेट इंडस्ट्री। सम्मेलन कांफ्रेंस की शुरुआत अतिथि प्रमोद दत्ता, मैनेजिंग डायरेक्टर सिस्टोपिक, एनके पांडे, चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर एशियन अस्पताल, धनेश अदलक्खा, अध्यक्ष एचएसपीसी, अतुल नासा, अध्यक्ष आईपीजीए, संजय गाखड़, उपाध्यक्ष एमसीएक्स, नसीब एस गिल, प्रोफेसर एमडीयू, पुनीत गुप्ता, ऑनकोलॉजी एशियन अस्पताल, सीमा सिक्का, जीएसके, समीर गाला, उपाध्यक्ष सिप्ला, मानस रंजन, श्री कुमार, सिस्टोपिक, यशदीप धैय्या, अक्षय महापात्रा, ग्लेनमार्क, विश्वविद्यालय के कुलपति डॉक्टर अरुण गर्ग, उपकुलपति डॉक्टर एनपी सिंह, कुलसचिव डॉक्टर राजीव रतन, डायरेक्टर कॉरपोरेट अफेयर्स नरेंद्र विवेक आहूजा, व्याख्यात प्रोफेसर एसएच अंसारी ने दीप जलाकर सरस्वती वंदना के साथ किया।

विव के कुलपति डॉक्टर अरुण गर्ग ने आए हुए सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि इस सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को लगातार विकसित हो रहे कॉर्पोरेट जगत में मूल्यवान अंतर्दृष्टि प्रदान करना और उन्हें इसकी गतिशील जटिलताओं की एक झलक प्रदान करना है। यह सम्मेलन विद्यार्थियों को उनके शैक्षणिक जीवन से कॉर्पोरेट क्षेत्र में सफल संक्रमण के लिए तैयार करने में एक महत्वपूर्ण योगदान प्रदान करेगी। उन्होंने बताया कि इस सम्मेलन में लगभग 1500 विद्यार्थियों ने भाग लिया है, जोकि अपने आप में एक उपलब्धि है। सिस्टोपिक के मैनेजिंग डायरेक्टर प्रमोद डायरेक्टर ने अपने जीवन में किए संघर्षों के बारे में जिक्र करते हुए कहा कि जिंदगी में आए हैं तो कुछ करके जाइए। उन्होंने कहा की अगर हमें विश्व की फार्मेसी में अपना नाम करना है तो हमारे अंदर सेवा भाव होना जरूरी है। एचएसपीसी के अध्यक्ष धनेश अदलक्खा ने कहा की फार्मेसी बहुत ही नेक पेशा है, क्योंकि यह सीधा लोगों के स्वास्थ्य से जुड़ा है। उन्होंने कहा कि एमवीएन विश्वविद्यालय विद्यार्थियों के लिए नौकरी के नए आयाम दे रहा है, यह एक अच्छी बात है।

इस सम्मेलन के दौरान लगभग 400 पोस्टर्स और ओरल प्रेजेंटेशन को भी जांचा गया और इसमें प्रथम स्थान लाने वाले विद्यार्थियों को उचित इनाम भी दिया। अंत में कुलसचिव डॉक्टर राजीव रतन ने बाहर से आए सभी अतिथियों, प्रतिभागियों, डीन एकेडमिक डॉक्टर योगेंद्र सिंह, डीन रिसर्च डॉक्टर विनीत, सभी विभागों के डीन, समस्त अध्यापक गन, गैर अध्यापक गन और समस्त उपस्थित लोगों का आभार व्यक्त किया।

केस वापस न लेने पर युवक को मारा चाकू, घायल

फरीदाबाद। अदालत में चल रहे एक जमीन संबंधी केस को वापस नहीं लेने से नाराज युवक ने गांव बुढ़ैना निवासी युवक पर चाकू से हमला कर घायल कर दिया। घायल युवक को पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

गांव बुढ़ैना निवासी सतीश कुमार ने पुलिस को दी शिकायत में बताया वह जमीन की खरीद-फरोख्त का काम करते हैं। 12 मार्च की दोपहर वह खाना खाने घर जा रहे थे। रास्ते में उनके चाचा का बेटा राहुल मिल गया। आरोप है राहुल ने सतीश के साथ गाली गलौज व मारपीट शुरू कर दी। बचाव के लिए वह भाग कर अपनी दुकान में घुस गए। कुछ देर बाद राहुल अपने भाई लाला व दो अन्य युवकों के साथ सतीश की दुकान पर आए और झगड़ा करने लगे। लाला ने चाकू से वार कर सतीश का हाथ व कान काट दिया। राहुल ने डंडे से सतीश पर कई वार किए। अन्य आरोपियों ने भी सतीश को लात-घूसों से पीटा। शोर सुनकर सतीश के परिवार से हिमांशु व दीपक मौके पर आ गए। राहुल ने उनके साथ भी झगड़ा शुरू कर दिया।

बड़खल में 99 लाख रुपये से होने वाले निर्माण कार्य का किया शिलान्यास

एशिया की मशहूर बड़खल झील के नवीनीकरण सहित मूलभूत विकास में सरकार ने कोई कसर नहीं छोड़ी : त्रिखा

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

बड़खल की विधायक सीमा त्रिखा ने कहा कि सरकार की ओर से गरीबों के लिए जितनी अधिक योजनाएं बनाकर उन्हें क्रियान्वित किया जा रहा है। सरकार गरीबों और वंचितों के विकास के लिए प्रयत्नशील है। बड़खल की विधायक सीमा त्रिखा वीरवार को एसजीएम नगर और सेक्टर-48 में 99 लाख रुपये की धनराशि के विकास कार्यों की आधारशिला रख कर विधान सभा क्षेत्र में विकास कार्यों को सौगात दे कर उपस्थित लोगों को संबोधित कर रही थी।

उन्होंने कहा कि यह सभी विकास कार्य अगले तीन माह में हर हाल में पूरे करवाए जाएंगे। सीमा त्रिखा ने कहा कि बड़खल विधान सभा क्षेत्र की जनता को आरएमसी रोड बिजली, पक्की सड़क, सीवरेज, मीठे पानी की सप्लाई और इंटर लॉकिंग टाइलों से सहित लोगों को तमाम मूलभूत विकास कार्यों की सौगात पिछले 10 सालों में मिली हैं। बड़खल विधानसभा क्षेत्र में केंद्र व प्रदेश सरकार ने विकास कार्य करने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। एशिया की प्रमुख बड़खल झील के नवीनीकरण के क्रियान्वयन सहित गत 10 वर्षों में केंद्र व प्रदेश की सरकार ने समाज के वंचित लोगों के लिए अनेक जनकल्याणकारी योजनाएं लागू की हैं।

इस दौरान विधायक सीमा त्रिखा ने कहा कि केंद्र व प्रदेश सरकार अंत्योदय के लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में कार्य कर रही है। इस अवसर पर भगवान सिंह मेहता, श्याम सुंदर शर्मा, मुकेश सोनी, टीएन सिंह कृष्ण कुमार, सोनू मेहता, सत्येंद्र पांडे, कर्मवीर बैसला, गुलशन भारद्वाज, मनोज पांडे, टीएन सिंह, गंगा सहाय, कपिल शर्मा, सोनू बजरंगी, सरदार खान, राकेश मेहता, करमवीर बैंसला, सत्येंद्र पांडेय, वाइस प्रेसिडेंट आरडब्ल्यूए सेक्टर-48 मनोज पांडेय सहित अन्य गणमान्य नागरिक व अधिकारी गण उपस्थित रहे।

स्ट्राइव प्रोजेक्ट के तहत कार्यक्रम आयोजित

फरीदाबाद। डीएलएफ इंडस्ट्रीज एसोसिएशन द्वारा स्ट्राइव प्रोजेक्ट के अंतर्गत एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में एसोसिएशन के सदस्य इकाइयों के श्रमिक, स्टाफ और मानव संसाधन विभाग से जुड़े सदस्यों को सुरक्षा एवं हाउस कीपिंग से जुड़े कार्यों में सुधार के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम में सुरक्षा एवं हाउस कीपिंग क्षेत्र के विशेषज्ञ कौशल किशोर ने उपस्थित अगंतुकों को प्रेरित करते कहा कि कंपनी, संस्थान परिसर में सुरक्षा व्यवस्था का दायित्व प्रबंधन एवं स्टाफ दोनो वर्गों का है।

श्री किशोर ने कहा कि किसी भी संस्थान के लिए हाउस कीपिंग व्यावहारिक और सुरक्षा अनिवार्य है। उन्होंने बताया कि कार्यस्थल पर सुरक्षा हेतु न केवल स्वयं, बल्कि अन्य श्रमिक स्टाफ को सजग करना होगा, ताकि कार्यस्थल पर जोखिम को खत्म अथवा कम किया जा सके। श्री किशोर ने बताया की कार्यस्थल पर सुरक्षा उपकरणों जैसे निर्धारित वर्दी, जूते, बेल्ट, हेलमेट इत्यादि बांटे।

पीएम विश्वकर्मा के लिए किया सरपंचों, सचिवों को जागरूक

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

अतिरिक्त उपायुक्त डॉ. आनंद शर्मा के कुशल मार्गदर्शन में जिला सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग केंद्र, फरीदाबाद द्वारा बल्लभगढ़ स्थित खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी कार्यालय में पीएम विश्वकर्मा योजना के संदर्भ में संरपचों एवं ग्राम सचिवों की उपस्थिति में जागरूकता कैंप का आयोजन किया।

जिला एमएसएमई सेंटर के संयुक्त निदेशक द्वारा उक्त स्कीम के तहत आने वाले लाभार्थियों का चयन कर उन्हें योजना के लाभ व उसकी प्रक्रिया के बारे में जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि योजना के तहत हस्त एवं औजार से पुस्तैनी तौर पर कार्य करने वाले 18 श्रेणियों के कारिगरों को शामिल किया गया। इसमें मुख्यत: लौहार, सुनहार, कुम्हार, बढई, राजमिस्त्री, मूर्तिकार, खिलौना निर्माता, नाई, दर्जी इत्यादि को स्कीम के तहत प्रदान किये जाने वाले लाभ जैसे विश्वकर्मा प्रमाण पत्र व पहचान पत्र, ज़रूरी प्रशिक्षण व आधुनिक औजार खरीदने के लिए 15,000 रूपये की एकमुश्त राशि ई-वाउचर के तहत प्रदान की जायेगी।

इसके अतिरिक्त प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले लाभार्थियों को अपना कार्य शुरू करने के लिए मात्र पांच प्रतिशत ब्याज दर पर बिना गारंटी पहली ऋण की किश्त एक लाख रूपये बैंक के माध्यम से प्रदान की जायेगी तथा पहले ऋण की अदायगी उपरान्त द्वितिय ऋण की किश्त के तौर पर दो लाख रुपये का लोन दिया जायेगा। इस प्रकार प्रार्थी द्वारा कुल तीन लाख रूपये का लोन लिया जा सकता है। इस स्कीम का लाभ लेने के लिए प्राथी की आयु 18 वर्ष या उससे अधिक होनी चाहिए। इस अवसर पर श्री योगेश कुमार, जिला प्रबंधक, सीएससी ने पंजीकरण प्रकिया के बारे में बताया।

राजकीय महाविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय गणित दिवस पर रंगोली, क्विज स्पर्धाएं आयोजित

12 कॉलेज के 50 से अधिक छात्र-छात्राओं ने भाग लिया

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

पंडित जवाहरलाल नेहरू राजकीय महाविद्यालय फरीदाबाद के गणित विभाग द्वारा प्राचार्या डॉ. रुचिरा खुल्लर के नेतृत्व तथा विभागाध्यक्ष डॉ. कमल गोयल के संयोजन में अंतरराष्ट्रीय गणित दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के गणित विभाग द्वारा रंगोली, क्विज़ तथा पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन के रूप में तीन राज्यस्तरीय प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिनमें राज्य के 12 महाविद्यालयों के 50 से अधिक छात्र-छात्राओं ने भाग लिया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में जे सी बोस विज्ञान एवं तकनीकी विश्वविद्यालय के विज्ञान संकाय की अधिष्ठाता डॉ. नीतू गुप्ता उपस्थित रहीं। प्राचार्या डॉ. रुचिरा खुल्लर ने इस आयोजन के लिए गणित विभाग को बधाई दी तथा गणित विषय के प्रायोगिक पक्ष को जीवन में उतारने के लिए विद्यार्थियों को प्रेरित किया। मुख्य अतिथि डॉ नीतू गुप्ता ने गणित को लोकव्यवहार के लिए उपयोगी बताते हुए इसे दैनिक जीवन के लिए आवश्यक बताया। समारोह के संयोजक डॉ. कमल गोयल ने गणित दिवस का पाई के मान से सम्बन्ध बताते हुए छात्रों को गणित के अध्ययन में रुचि लेने हेतु प्रेरित किया। मंच संचालक डॉ. जोरावर सिंह ने भारत की गणित परम्परा का उल्लेख करते हुए भास्कराचार्य कृत लीलावती ग्रन्थ का उल्लेख किया।

कार्यक्रम का विशेष आकर्षण गणित विभाग के पूर्व छात्र विकास, पीयूष व रविन्द्र रहे, जिन्होंने इसी सत्र में नेट/जेआरएफ की परीक्षा उत्तीर्ण की। विभाग ने इन छात्रों को सम्मानित किया तथा इन्होंने सभी छात्रों को प्रेरित किया। कार्यक्रम में महाविद्यालय की छात्रा डॉली ने स्टैंड अप कॉमेडी व संगीत विभाग के छात्र-छात्राओं ने गीतों की प्रस्तुति दी।

इस अवसर पर आयोजित पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन प्रतियोगिता का संयोजन असिस्टेंट प्रोफेसर ललित कुमार द्वारा किया गया, जिसमें नीतिका सैनी, के एल मेहता दयानंद कॉलेज ने प्रथम, हिमान्शु, द्रोणाचार्य कॉलेज गुरुग्राम ने द्वितीय तथा अनुराग मिश्रा, नेहरू कॉलेज फरीदाबाद ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

रंगोली प्रतियोगिता का संयोजन डॉ. कमल गोयल, अध्यक्ष गणित विभाग द्वारा किया गया, जिसमें साक्षी सिंह व शुचि स्मिता, राजकीय कन्या महाविद्यालय नचौली ने प्रथम, आशा व ज्योति, गोस्वामी गणेशदत्त कॉलेज पलवल ने द्वितीय तथा तन्नु व ऋद्धि, राजकीय कन्या महाविद्यालय बल्लबगढ़ ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

दो पक्षों में खूनी संघर्ष जमकर चले लाठी डंडे

एक महीने पहले हुई थी कहासुनी, दर्जनभर लोग घायल

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

नरियला गांव में दो पक्षों में जमकर लाठी और डंडे चले जिसके चलते दोनों पक्षों की ओर से कई कई लोगों को चोटें आई है। झगड़े की वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रही है, जिसमें दो पक्षों में जमकर लाठी डंडे और खूनी संघर्ष होता नजर आ रहा है।

मामला बुधवार दोपहर का है। गांव नरियला निवासी प्रदीप ने बताया कि बुधवार को उसका भाई सत्येंद्र गांव के मंदिर से पूजा करके लौट रहा था कि तभी उसे गांव के ही राजू चौकीदार, संजू, दक्ष, शुभम, प्रीतम, कपिल ,जगबीर व घर की अन्य महिलाओं ने घेर लिया और बुरी तरह पीटने लगे। झगड़े की सूचना मिलने के बाद वह अपने भाई सत्येंद्र को बचाने के लिए पहुंचा, लेकिन हमलावरों ने उस पर भी लाठी डंडों से जमकर हमला कर दिया। जिसके चलते उसे भी काफी छोटे आई । गांव के लोगों ने उनका बीच बचाव कराया। जिसके बाद वह अपने भाई सत्येंद्र को लेकर के घर लौट आया। प्रदीप के मुताबिक एक महीने पहले गांव के चौकीदार राजू के साथ उसके छोटे भाई अभिषेक की किसी बात को लेकर कहासुनी हुई थी। उसी कहासुनी का बदला लेने के लिए बीते कल न केवल राजू बल्कि उसके साथ अन्य लोगों ने मिलकर सत्येंद्र पर यह साजिश के तहत हमला किया था।

घर पर भी बोला हमला: प्रदीप के मुताबिक झगड़े के बीच बचाव के बाद जब घर पहुंचे तो राजू के साथ अन्य लोगों ने उसके घर पर आकर फिर लाठी डंडों से हमला कर दिया। उन्होंने भी इसका पलटवार किया। जिसके चलते दोनों पक्षों में जमकर लाठी डंडे चले। मारपीट में प्रदीप, उसका छोटा भाई सत्येंद्र, सचिन और चाचा जोगिंदर को भी काफी गंभीर चोटें आई हैं। जोगिंदर का फरीदाबाद से एक निजी अस्पताल में इलाज चल रक्षा है।

इस मामले में दूसरे पक्ष की ओर से निकिता ने बताया कि जिन लोगों ने झगड़ा किया है उनमें से दो लड़के पहले उसके घर पर आए और उन्होंने उसके साथ गाली गलौज की।

पायनियर पाठकों के लिए

यदि आपको अखबार की प्रति मिलने में कठिनाई आ रही है,तो आप निम्न पते से प्राप्त कर सकते हैं

- विनोद कुमार, ओल्ड रेड लाइट मो.नं. -7428353299
- आनंद,एनआईटी 4-5 चौक मो. नं. - 9818848494
- मदनलाल, अंबेडकर चौक बल्लभगढ़ मो.नं.- 9811477204
- पाहुजा,पलवल मीनार गेट मो.नं.-9255029919
- त्रिलोक, फोर्टिस हॉस्पिटल, नीलम चौक, मो. नं. 9910754890
- हितेश सेक्टर-29, फरीदाबाद मो. नं. 9910533103

जरूरी तो नहीं कचरा मिले तो उसको संग ढो लो
विरोधी आपके जो हैं उन्हें कमतर नहीं तोलो
चुनावी पिच अभी सजने लगी है और इस पिच पर
विकेट उखड़े तुम्हारे भी जरा उस पर भी कुछ बोलो

220 लोगों ने कराई टीबी स्क्रीनिंग और टेस्ट

रेडक्रॉस का स्वास्थ्य शिविर

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

भारत सरकार की 2025 तक टीबी मुक्त भारत की मुहिम को सफल बनाने के लिए टीबी स्क्रीनिंग एवं स्वास्थ्य जांच शिविर लगाया गया। यह शिविर जिला रेडक्रॉस सोसाइटी के अध्यक्ष विक्रम सिंह एवं सचिव बिजेंद्र सौरोत के मार्गदर्शन में स्वास्थ्य विभाग फरीदाबाद तथा तेजिंदर सिंह मेमोरियल एवं एस्कॉर्ट मेडिकेयर फाउंडेशन के सहयोग से राणा फार्म हाउस, स्क्रैप मार्केट जीवन नगर पार्ट-2 गोंछी सोहना रोड, फरीदाबाद में किया गया। शिविर में मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करते हुए सुषमा गुप्ता, वाइस चेयरपर्सन, भारतीय रेडक्रॉस सोसाइटी, हरियाणा राज्य शाखा, चंडीगढ़ ने कहा कि भारत सरकार का मुख्य उद्देश्य देश को टीबी मुक्त करना है। प्रधानमंत्री का विजन एक स्वस्थ भारत का निर्माण करना है और इसके लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं। हेल्थ चेकअप कैंप एवं स्क्रीनिंग शिविरों के माध्यम से लोगों में टीबी जैसी बीमारी का पता चलता है, जिसका समय रहते इलाज कराने में मदद मिलती है।

अजय सोमवंशी रेडक्रॉस संरक्षक व सीएसआर हेड विक्टोरा ऑटो प्राइवेट लिमिटेड शिविर का विधिवत रूप से शुभारंभ किया। शिविर में 220 असहाय जन मानस की टीबी जांच, आंखों, रक्तचाप, ब्लड शुगर, एचआईवी, हिमोग्लोबिन तथा जोड़ों की जांच की गई। उन्होंने रेडक्रॉस के इस मानव कल्याणकारी कदम की सराहना की और बताया कि मानव हित में कार्य करना आने आप में बहुत ही शकुन की बात है।

जिला रेडक्रॉस सोसाइटी के सचिव बिजेंद्र सौरोत ने बताया कि रेडक्रॉस के उद्देश्य स्वास्थ्य-सेवा-मित्रता को मद्देनजर रखते हुए इन शिविरों का आयोजन किया गया है। पुरषोत्तम सैनी व मधु भाटिया जिला तपेदिक समन्वयक ने तपेदिक की बीमारी से बचाव के बारे में बताते हुए कहा कि तपेदिक कि बीमारी पैदा करने वाले बैक्टीरिया से लड़ने में लहसुन कारगार होता है।

तेजिंदर सिंह मेमोरियल की और से दीपक एवं सेंटर की टीम द्वारा एक्सरे, दवाइयां व आई वैन की व्यवस्था कराई गई तथा टीबी अलर्ट इंडिया संस्था द्वारा शिविर में एक्सरे की सुविधा उपलब्ध करवाई गयी। इस शिविर के सफल आयोजन में पुरषोत्तम सैनी, डॉक्टर आरएस सैनी, एमडी मेडिसिन डॉ. एलएस प्रेमी, प्रोजेक्ट मैनेजर सुशील कुमार, परताप सिंह, तपस्या मेहरा कार्यक्रम समन्वयक तेजेंद्र मेमोरियल अस्पताल व सुषमा गेरा, कौस्तुभ, रिया शर्मा, बृजमोहन शर्मा, प्रेम, आदि ने सहयोग किया।

पेयजल की समस्या से जूझ रहे चावला कॉलोनी के लोग

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

चावला कॉलोनी स्थित गौंछी मोहल्ले में रहने वाले लोगों को पेयजल की समस्या से जूझना पड़ रहा है। पिछले 10 दिनों से पीने के पानी में सीवर का पानी मिलकर आ रहा है, जिसकी वजह से लोग उस पानी से घर की साफ-सफाई का कार्य भी नहीं कर पा रहे हैं, क्योंकि पानी में बदबू आ रही है। इस समस्या को लेकर लोगों ने कई बार नगर निगम के अधिकारियों को अवगत कराया लेकिन कोई समाधान नहीं किया गया।

चावला कॉलोनी में इस समय पेयजल का संकट गंभीर है। कॉलोनी में करीब दो हजार से ज्यादा घरों को पानी की किल्लत का सामना करना पड़ रहा है। कॉलोनी के लोग कई बार निगम अधिकारियों से शिकायत कर चुके हैं, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हो रही। जैसे-जैसे गर्मी बढ़ती जा रही है, वैसे-वैसे मांग बढ़ती जा रही है। वीरेंद्र मनचंदा ने बताया कि करीब 10 दिन से पेयजल की समस्या से त्रस्त हैं। उन्होंने बताया कि नगर निगम की ओर से जो पानी की सप्लाई की जाती है। उसमें सीवर का पानी मिलकर आ रहा है। इसकी वजह से लोग उस पानी से घर की साफ सफाई का कार्य भी नहीं कर पा रहे हैं। उस पानी में बदबू आने की वजह से लोग पानी को भरते नहीं हैं। सोनम ने बताया कि पहले वह पीने के लिए पानी की बोतल खरीदते थे, अब घर की नहाने धोने के लिए पानी खरीद रहे हैं।

पुरानी लाइन का कनेक्शन बंद करवाए बिना ही दूसरा कनेक्शन लेते हैं। इसकी वजह से कई दिनों से लोगों को पेयजल की समस्या का सामना करना पड़ रहा है। प्लंबर द्वारा लाइन को ढूंढा जा रहा है। लाइन मिलने के बाद समस्या का समाधान कर दिया जाएगा।

-**जतिन यादव,** कनिष्ठ अभियंता, नगर निगम

बंधवाड़ी टोल पर जल्द शुरू होगी फास्टैग की सुविधा

यहां लगने वाले जाम से मिलेगी मुक्ति

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

फरीदाबाद-गुरुग्राम टोल प्लाजा पर जाम की समस्या से जूझ रहे लोगों के लिए राहत की खबर है। अगले दो माह में यहां फास्टैग की सुविधा शुरू की जाएगी। हाल ही में फरीदाबाद वासियों की मांग पर केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी की मंजूरी के बाद इसकी प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। फास्टैग सुविधा शुरू होने से फरीदाबाद से गुरुग्राम आने-जाने वाले करीब 60 हजार वाहन चालकों को राहत मिलेगी।

फरीदाबाद की कनेक्टिविटी के लिए फरीदाबाद-गुरुग्राम व सोहना-बल्लभगढ़ रोड प्रमुख मार्ग हैं। फरीदाबाद-गुरुग्राम रोड पर बंधवाड़ी में टोल प्लाजा है। सोहना-बल्लभगढ़ रोड पर धौज में टोल प्लाजा है। गुरुग्राम-फरीदाबाद रोड का इस्तेमाल मांगर, पाली, सूरजकुंड, ग्वाल पहाड़ी, घाटा, बंधवाड़ी आदि में रहने वाले लोगों के साथ दिल्ली के छतरपुर, महरौली, सुल्तानपुर आदि के लोग भी करते हैं। यह रोड लोक निर्माण विभाग के अधीन है, लेकिन इन्हें

रिलायंस ने तैयार किया था। टोल पर अभी फास्टैग की सुविधा नहीं होने के कारण सामान्य तरीके से टोल वसूला जाता है। इससे यहां रोजाना भारी जाम लगाता है। एक से डेढ़ घंटे तक वाहन चालकों को जाम से जूझना पड़ता है। खासकर सुबह आठ बजे से 11 बजे तक और शाम छह बजे से आठ बजे तक ट्रैफिक बहुत ज्यादा रहता है, जिससे वाहन चालक काफी परेशान हैं। काफी समय से यहां से गुजरने वाले वाहन चालकों द्वारा फास्ट टैग लगाए जाने की मांग की जा रही है।

सामान्य तरीके से वसूला जा रहा टोल: फरीदाबाद-गुरुग्राम रोड से रोजाना एक लाख वाहन गुजरते हैं। इनमें से करीब 60 हजार वाहन बंधवाड़ी टोल प्लाजा से होकर गुजरते हैं, लेकिन टोल प्लाजा पर फास्ट टैग की सुविधा न होने पर वाहनों की लाइन लग जाती है। अभी टोल का किराया सामान्य तरीके से लिया जा रहा है। जिससे जाम लगना भी लाजिमी है। ऐसे में कुछ ही सेकंड के रास्ते को पार करने में लोगों को पांच से 10 मिनट का समय लग जाता है। ड्यूटी टाइम में यह समय बेहद ही महत्वपूर्ण है। यह समस्या रोजाना की हो गई। सुबह और शाम स्थिति बेहद खराब रहती है। ऐसे में कई बार वाहन चालकों की टोल कर्मियों से झगड़ा भी हो जाता है। टोल प्लाजा प्रबंधक जेपी रावत का कहना है कि इसके लिए उच्च स्तर पर बातचीत जारी है। फास्टैग की सुविधा जल्द चालू करने की बात कही जा रही है।

क्लेम पैनल में शामिल का झांसा देकर अस्पताल संचालक से 1.20 लाख ठगे

पायनियर समाचार सेवा। पलवल

न्यू सोहना रोड स्थित उपकार अस्पताल को मेडिकल क्लेम कंपनियों के पैनल से जुड़वाने के नाम पर 1 लाख 20 हजार की ठगी करने का मामला प्रकाश में आया है। ठगों ने अस्पताल संचालक को अपने झांसे में लेकर अस्पताल का निरीक्षण करवाने के नाम पर धोखाधड़ी कर रुपए ऐंठ लिए। साइबर क्राइम थाना पुलिस ने पीड़ित अस्पताल संचालक की शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जिला पुलिस प्रवक्ता संजय कादयान के अनुसार, न्यू सोहना रोड स्थित उपकार अस्पताल के संचालक डॉ. नरेश चंद्र गुप्ता ने दी शिकायत में कहा कि अक्टूबर-2023 को उसके पास कई बार कई नंबरों से फोन आए। फोन करने वाले व्यक्ति ने कहा कि वह मेडिकल क्लेम कंपनियों को अस्पताल के पैनल में जुड़वाने का कार्य करता है और आपके अस्पताल को भी मेडिकल क्लेम कंपनियों के पैनल से जुटवा दूंगा। ठग ने कहा कि इसके लिए कुछ रुपये और कागजात देने होंगे।

अस्पताल संचालक ठग के झांसे में आ गया और हां कर दी। इसके कुछ दिन बाद एक डॉ. सुप्रिया नामक महिला अस्पताल में आई और कहा कि वह अस्पताल को मेडिकल क्लेम कंपनियों के पैनल में जुड़वाने के लिए निरीक्षण करने आई है। उक्त महिला डॉक्टर ने अस्पताल का निरीक्षण किया और अस्पताल के कागजात लेने के बाद कहा कि इसके लिए आपको एक लाख 20 हजार देने होंगे। दिसंबर-2023 को अस्पताल संचालक ने यूपीआई के जरिए उक्त महिला के बताए खाते में पैसे भेज दिए। लेकिन जब अस्पताल मेडिकल क्लेम कंपनियों से आज तक नहीं जुड़ा तो उसे उनके फर्जीवाडे के बारे में पता चला।

अस्पताल संचालक डॉ. नरेश चंद्र ने उक्त लोगों से जब अपने पैसे वापस मांगे तो न पैसे दिए और न ही अस्पताल पैनल में जोड़ा।

नीलगाय सामने आने पर पेड़ से टकराई कार, तीन दोस्तों की मौत

एक गंभीर घायल, फरीदाबाद से लौट रहे थे अपने गांव

पायनियर समाचार सेवा। पलवल

मोहना मार्ग पर डाढोता गांव के मोड़ के निकट नीलगाय को बचाने के चक्कर में कार अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा गई। दुर्घटना में कार में सवार चार दोस्तों में से तीन की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को उपाचर के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मृतकों में दो अलावलपुर गांव व एक जनौली गांव का रहने वाला है। चांदहट थाना पुलिस ने मृतकों के शवों का पोस्टमार्टम कराने के बाद परिजनों को सौंप दिए हैं।

चांदहट थाना प्रभारी दलबीर सिंह के अनुसार, अलावलपुर गांव निवासी 20 वर्षीय सुमित ने बताया कि वह गुरुग्राम से कंप्यूटर का कोर्स कर रहा है। बुधवार की देर शाम

अलावलपुर का रहने वाला उसका साथी 20 वर्षीय पुनीत, 20 वर्षीय हन्नी व जनौली गांव निवासी 21 वर्षीय विपिन कार से फरीदाबाद से मोहना गांव होते हुए अलावलपुर गांव जा रहे थे। कार को पुनीत चला रहा था। जैसे ही उनकी कार डाढोता गांव के मोड़ पर पहुंची तो अचानक एक नीलगाय कार के सामने आ गई। नीलगाय को बचाने के चक्कर में कार अनियंत्रित हो गई और सड़क किनारे खड़े पेड़ से जा टकराई।

हादसा इतना भयानक था कि कार के परखच्चे उड़ गए। जिससे कार में सवार चारों युवकों को गंभीर चोटें आई। हादसे के बाद मौके पर पहुंचे लोगों ने आनन-फानन में घायलों को कार से बाहर निकाला और उपचार के लिए जिला नागरिक अस्पताल भिजवाया। जिला नागरिक अस्पताल में चिकित्सकों ने पुनीत, हन्नी व विपिन को मृत घोषित कर दिया, जबकि सुमित का एक निजी अस्पताल में उपचार चल रहा है। दुर्घटना की सूचना मिलते ही अलावलपुर व जनौली गांव में शोक छा गया। एक साथ तीन नौजवान युवकों के शव जब जिला नागरिक अस्पताल से निकले तो वहां मौजूद लोगों की आंखों में आंसू थे।

सूचना मिलने पर परिजन जिला नागरिक अस्पताल पहुंच गए। जिला अस्पताल में परिजनों को जब बच्चों की मौत की जानकारी मिली तो उनकी आंखों से आंसू बहने लगे। पुलिस ने परिजनों के बयान दर्ज कर तीनों शवों को पोस्टमार्टम के बाद उनके परिजनों को सौंप दिया।

जन्मजात हृदय दोष दूर करने के लिए वरदान है आरबीएसके

फरीदाबाद। राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के तत्वावधान में सिविल सर्जन डॉ. नरेश कुमार गर्ग के दिशा निर्देशन व डिप्टी सिविल सर्जन डॉ रामेश्वरी के मार्गदर्शन में राधा आंगनबाड़ी केंद्र नजदीक किशन अस्पताल होडल में शिविर लगाया गया। शिविर में छह वर्ष तक के 63 बच्चों के स्वास्थ्य की जांच व स्क्रीनिंग की गई। शिविर में अनीमिया मुक्त भारत के तहत छह माह से छह वर्ष तक के बच्चों का हीमोग्लोबिन की भी जांच की गई तथा आयरन फोलिक एसिड के सिरप व अन्य दवाई भी वितरित की गईं।

शिविर में दो बच्चे जन्मजात हृदय दोष से ग्रस्त पाए गए तथा उन्हें डीईआईसी पलवल में रेफर किया गया। डिप्टी सिविल सर्जन डॉ. रामेश्वरी ने बताया कि जन्मजात हृदय दोष दिल की ऐसा जन्म जात रोग है, जिसमें बच्चों के दिल के अंदर छेद होता है। उन्होंने बताया कि आरबीएसके जन्मजात हृदय रोगों के लिए वरदान है। जन्मजात हृदय दोष से ग्रस्त बच्चों को पहचानने के लिए स्टेथोस्कोप के द्वारा आस्कल्टेशन से छाती पर बड़बडाहट की आवाज सुनाई देना, होंठों पर नीलापन होना पाया जाता है।

ममता ने गुर्जर को टिकट मिलने पर दी बधाई

पलवल। प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य भाजपा हरियाणा वीर ममता चौहान ने कृष्णपाल गुर्जर को फरीदाबाद लोकसभा सीट से तीसरी बार भाजपा उम्मीदवार बनाए जाने पर बहुत-बहुत बधाई व शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि आपके कुशल नेतृत्व में फरीदाबाद ने विकास की नई बुलंदियों को छुआ है व आगे भी आपके नेतृत्व में यहां विकास होता रहेगा। कृष्णपाल गुर्जर के टिकट की घोषणा के साथ ही उनके कार्यालय पर समर्थकों में जश्न का माहौल था। ढोल नगाड़ों और आतिशबाजी के बीच समर्थक जमकर झूमे। जैसे ही कृष्णपाल समर्थकों को नेता जी की टिकट घोषित होने की सूचना मिली, वे उनके कार्यालय पर पहुंच गए। समर्थकों ने बुक्के व फूलमाला से उनका स्वागत किया और लड्डू खिलाकर उनका मुंह मीठा करवाया। जैसे-जैसे समर्थकों को उनकी टिकट घोषित होने की जानकारी मिल रही थी, वे उनके कार्यालय का रुख कर रहे थे। शाम तक राज्यमंत्री के कार्यालय पर समर्थकों का काफी जमावड़ा लग रहा।

स्कूटी पर शराब तस्करी करते गिरफ्तार

फरीदाबाद। क्राइम ब्रांच बॉर्डर प्रभारी जितेंद्र की टीम ने शराब तस्करी के मुकदमे में आरोपी को गिरफ्तार किया है।

गिरफ्तार किए गए आरोपी का नाम अंकित है जो फरीदाबाद की राजीव कॉलोनी का रहने वाला है और दसवीं कक्षा तक पढ़ा हुआ है। क्राइम ब्रांच की टीम ने सूचना के आधार पर आरोपी को झाड़सेतली अंडरपास से स्कूटी पर अवैध शराब ले जाते काबू किया था। आरोपी के कब्जे से 350 पव्वे देसी शराब के बरामद किए गए। आरोपी को सेक्टर 58 थाने लाकर उसके खिलाफ अवैध शराब अधिनियम की धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज करके मामले में पूछताछ की गई जिसमें सामने आया कि आरोपी आसपास के ठेकों से शराब लाकर शराब तस्करी करता है। आरोपी के खिलाफ पहले भी शराब तस्करी के दो मुकदमे दर्ज हैं।

गन प्वाइंट पर युवक से मोबाइल, 22 हजार कैश लूटा

लिफ्ट लेने के बहाने रुकवाई पीड़ित की कार

पायनियर समाचार सेवा। पलवल

अलावलपुर गांव में कार सवार युवक से लूटपाट का मामला सामने आया है। आरोपियों ने लिफ्ट लेकर कार में बैठने के बाद देसी कट्टा कनपटी पर लगाकर कार को एकांत स्थान स्कूल के मैदान में ले जाकर का मोबाइल और 22 हजार की नकदी लूट ली। इसके बाद जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए। चादंहट थाना पुलिस को मामले की जानकारी दे दी गई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

चादंहट थाना प्रभारी दलबीर सिंह के अनुसार, अलावलपुर गांव निवासी संदीप ने दी शिकायत दी है कि वह देर शाम करीब साढ़े नौ बजे अपनी कार से दोस्त प्रशांत के साथ घर जा रहा था। उसी समय गांव के बस स्टैंड पर पड़ोस में रहने वाले करण ने हाथ देकर गाड़ी रूकवा ली और घर छोडने की बात कह कर कार की पिछली सीट पर बैठ गया।

रास्ते में करण ने अपनी जेब से देशी कट्टा निकाला और उसकी कनपटी पर लगा कर बोला, जहां कहुं वहां कार को ले चल। पीड़ित उसके कहे अनुसार डर के कारण कार को गांव के स्कूल के खाली मैदान में ले गया। स्कूल के मैदान में पहले से ही करण के चार दोस्त अवैध हथियार लेकर बैठे हुए थे। कार के स्कूल में पहुंचते ही उक्त युवकों ने उसके साथ मारपीट शुरू कर दी।

प्रशांत जब उसे बचाने लगा तो उक्त युवकों ने कहा कि जान प्यारी नहीं है, दूर खड़ा हो जा। उनके डर के कारण वह दूर खड़ा हो गया तो आरोपियों ने देशी कट्टा के बट से सिर, मुंह व अन्य स्थानों पर वार कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया और उसका मोबाइल और 22 हजार रुपए लूट कर जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए।

पीड़ित ने इसकी सूचना अपने परिजनों को दी, जो मौके पर पहुंचे और उसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती करा दिया। पुलिस ने पीडित की शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

नमस्ते योजना का उद्देश्य स्वच्छता कर्मियों को सुरक्षा देना: एडीसी

पायनियर समाचार सेवा। पलवल

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ऑनलाइन माध्यम से पीएम-सूरज राष्ट्रीय पोर्टल लॉन्च किया। प्रधानमंत्री के कार्यक्रम को जिला सचिवालय के सभागार में ऑनलाइन माध्यम से दिखाया गया। जिला सचिवायल में आयोजित कार्यक्रम में जिला अतिरिक्त उपायुक्त डॉ. ब्रह्मजीत सिंह रांगी ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। इस अवसर पर अतिरिक्त उपायुक्त डॉ. ब्रह्मजीत सिंह रागी ने सफाई कर्मचारियों को आयुष्मान कार्ड वितरित किए। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशभर के विभिन्न राज्यों के

लाभार्थियों से सीधा संवाद किया।

जिला सचिवालय के सभागार में आयोजित कार्यक्रम में एडीसी डॉ. ब्रह्मजीत सिंह रांगी ने कहा कि सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय द्वारा आयोजित कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तीन राष्ट्रीय निगमों के नए ऋण धारकों, नमस्ते योजना एवं लक्ष्य समूहों-अनुसूचित जाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के विभिन्न लाभार्थियों से संवाद किया है। इसमें देशभर के 510 जिलों के लाभार्थियों को शामिल किया गया है। उन्होंने कहा कि नमस्ते योजना का उद्देश्य स्वच्छता कर्मियों को सुरक्षा प्रदान करना है, जिसमें शहरी क्षेत्र में सीवर और सेप्टिक टैंक की सफाई के लिए शत प्रतिशत मशीनीकृत संसाधनों का प्रयोग शामिल है। इसके साथ-साथ सफाई कर्मचारियों को व्यावसायिक सुरक्षा प्रशिक्षण दिलाकर उनको स्वरोजगार में सक्षम बनाना है। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री आवास योजना, नमस्ते योजना, आयुष्मान योजना, पीएम दक्ष, हरियाणा अनुसूचित जाति एवं वित्त विकास निगम तथा हरियाणा पिछड़ा वर्ग एवं आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग कल्याण निगम सहित अन्य विभागों के लाभार्थी शामिल हुए। कार्यक्रम में नगराधीश अप्रितम सिंह, जन स्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग के कार्यकारी अभियंता जितेंद्र सहित ऋण लाभार्थी मौजूद रहे।

प्रत्येक विद्यार्थी की योग्यता के निखार के लिए तैयार किया है 'लक्ष्य' : भारद्वाज

पायनियर समाचार सेवा। पलवल

शिक्षा का उद्देश्य तभी सफल होगा, जब प्रत्येक विद्यार्थी अपनी क्षमता, प्रतिभा, योग्यता और अपने साहस का परिचय देते हुए जीवन क्षेत्र में आगे बढ़े। इसी उद्देश्य के तहत एसपीएस इंटरनेशनल पलवल एवं आसपास के सभी छात्रों को सुनहरे मौके उपलब्ध कराने के लिए एसपीएस लक्ष्य नामक एक नया कार्यक्रम तैयार किया है। इसके लिए 17 मार्च को लक्ष्य की प्रवेश परीक्षा आयोजित की जाएगी।

जेईई, नीट, यूपीएससी, क्लैट, सीए फाउंडेशन, आर्यभट्ट, एनडीए, ओलंपियाड, केवीपीवाई, आईएमओ, इनफो, आईफो, एनएसओ, इसरो,

डीआरडीईसीओ, आरआईएमसी और अन्य जैसी प्रतियोगी परीक्षाएं बच्चे की शैक्षणिक और व्यावसायिक उपलब्धियों को निर्धारित करने में सर्वोपरि हैं। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता प्राप्त करने के लिए विवेकपूर्वक समय पर तैयारी महत्वपूर्ण है। हम कार्यक्रम एसपीएस लक्ष्य को प्रारंभिक चरण से शुरू कर रहे हैं, ताकि आपकी संतान एक मजबूत आधार स्थापित कर सके और समय बढ़ने के साथ-साथ अपने ज्ञान और क्षमताओं में अविस्मरणीय वृद्धि कर सकें।

विद्यालय के संस्थापक सुरेश भारद्वाज ने बताया कि विद्यालय का संकल्प ऐसे संपन्न वैश्विक नागरिक तैयार करना, जो रचनात्मक और समाजिक रूप से सोचते हैं और जो स्व-प्रेरित और स्व-निर्देशित हों। शैक्षणिक, सौंदर्य, कलात्मक और सामाजिक अवसरों का संतुलन प्रदान करके विश्व स्तरीय शिक्षा प्रदान करना, छात्रों को क्षमताओं और रुचियों के उच्चतम स्तर तक आकांक्षाओं को उठाने के लिए प्रोत्साहित करना भी विद्यालय का मुख्य लक्ष है। वहीं विद्यालय की अकादमिक डायरेक्टर डॉ. संतुष्टि थापर ने बताया की अधिगम का अर्थ अब मात्र सीखना ही नहीं, ब्लकि सीखे हुए ज्ञान को व्यावहार में लाना है। छात्रों को उनकी भीतरी क्षमता से रुबरु करा उनका मार्गदर्शन करते हुए चुनिंदा क्षेत्रों में उन्हें आगे ले जाना और व्यस्त रखना जिससे वे पथभ्रष्ट न हो।

विद्यालय की प्रधानाचार्या ममता छाबड़ी ने बताया कि एसपीएस इंटरनेशनल लगातार हर वर्ष सीबीएससी की बोर्ड परिक्षा में डिस्ट्रिक्ट टॉपर्स देने के साथ जेईई, नीट, सीए, सीएस, क्लैट, जैसी अन्य प्रवेश परीक्षाओं, राज्य तथा राष्ट्रीय स्तर पर होने वाली विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में भी अव्वल रह कर अपनी स्पर्धा को कायम रखता है और अब कार्यक्रम लक्ष्य के माध्यम से विधार्थियों का प्रदर्शन नये आयामों को स्थापित करेगा।

साथी उन्होंने बताया कि आगामी 17 मार्च दिन रविवार को विद्यालय परिसर में ही इस कार्यक्रम का एंट्रेंस एग्जाम आयोजित किया जा रहा है, जिसमे कक्षा तीसरी से 12वीं तक के छात्र दिए गए लिंक पर अपना नाम पंजीकृत कर सकते हैं।

संक्षिप्त समाचार

ऑनलाइन कार्यक्रम में विद्यार्थियों को किया जागरूक

फरीदाबाद। गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म महाविद्यालय में उच्चतर शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार भौतिक संगठन के अंतर्गत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ऑनलाइन कार्यक्रम का प्रसारण किया गया। जिसमें प्रधानमंत्री द्वारा भारत में सेमीकंडक्टर तकनीक की तीन फैसेलिटीज का शुभारंभ कर इतिहास रचा गया। फेब्रिकेशन केंद्र गुजरात के धोलेरा में स्थापित किया गया। जिसमें 50000 वेफर्स मासिक का लक्ष्य रखा गया है। वहीं आउटसोर्स सेमीकंडक्टर असेंबली एवं जांच केंद्र गुजरात के साणंद एवं असम के मोरेगांव क्षेत्र में स्थापित किए गए। इन केंद्रो का लक्ष्य क्रमशः 15 मिलियन एवं 48 मिलियन प्रतिदिन का रखा गया है। इन तीन केंद्र पर केंद्र सरकार ने लगभग 1.25 लाख करोड़ का निवेश किया है, जिससे भारत का सेमीकंडक्टर मिशन वैश्विक पटल पर अपनी पहचान बनाएगा। इस अवसर पर विज्ञान संकाय के छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम के दौरान भौतिक विभागाध्यक्ष डॉ. पूनम पाहुजा, डॉ. जितेंद्र, डॉ. हरदीप, एवं प्रवीण कुमार आदि उपस्थित रहे। प्राचार्य डॉ. नरेश कुमार ने विद्यार्थियों को इस क्षेत्र में आगे पढ़ने एवं भारत के सेमीकंडक्टर मिशन में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए प्रेरित किया।

एमडी ने सिंगल बड फोरफिट बिजाई का किया निरिक्षण

पलवल। दा सहकारी चीनी मिल पलवल की प्रबंध निदेशक शशि वसुंधरा ने औरंगाबाद, घोड़ी व मोहना इत्यादि गांवों में किसानों की सिंगल बड फोरफिट बिजाई का निरिक्षण किया। चीनी मिल की प्रबंध निदेशक शशि वसुंधरा ने किसानों को गन्ने की अगेती व नई किस्म की अधिक से अधिक बिजाई करने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने मौके पर किसानों द्वारा दिए गए सुझावों को सुना और उनके समाधान के लिए संबंधित स्टाफ को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। किसानों ने प्रबंध निदेशक को गन्ने की अधिक से अधिक बिजाई करने का आश्वासन दिया और इस वर्ष चीनी मिल को समय पर चलाने का प्रबंध निदेशक शशि वसुंधरा का आभार जताया। किसानों ने कहा कि वे चीनी मिल की कार्यप्रणाली से संतुष्ट है। प्रबंध निदेशक शशि वसुंधरा ने किसानों के साथ रूबरू होने पर खुशी जाहिर की। इस मौके पर चीनी मिल के गन्ना प्रबंधक सुरेंद्र पाल, गन्ना विपणन अधिकरी कृपाल सिंह, गन्ना प्रयवेक्षक शमशेर सिंह व रविदत्त मौजूद रहे।

कार्यक्रम में बताया पर्यावरण संरक्षण का महत्व

पलवल। अपने देश को खुशहाल और हराभरा व स्वच्छ रखने तथा प्रकृति पर्यावरण संरक्षण में सभी का योगदान रहे। इसी संकल्प को लेकर मिशन प्रकृति बचाओ पर्यावरण सचेतक समिति पलवल सदस्य देश के विभिन्न शहरों में जागरूकता अभियान चला रहे हैं। संस्था पदाधिकारियों द्वारा गाजियाबाद स्थित चौधरी भवन में ग्रीनमैन ऑफ इंडिया विजयपाल बघेल की पुत्री उमा संग डॉ. विष्णु के विवाहोत्सव पर पौधा भेंट कर शुभकामनाएं दी गईं। पर्यावरणविद डॉ. आचार्य राम कुमार बघेल ने बताया कि दूल्हे के साथ बग्गी से बारातियों सहित तथा स्वागत द्वार से सभी अतिथियों को जल व वृक्षों के महत्व को बताया गया। कई शहरों में पीने का पानी तक मिलना कठिन हो रहा है। जल ही जीवन है, खुशहाल जीवन के लिए इसे बचाकर रखना जरूरी है। अपने तथा बच्चों के भविष्य के लिए प्रकृति पर्यावरण को बचाना चाहिए। हमारी टीम का प्रयास बढ़ते जल संकट, वृक्षों के महत्व व प्रकृति पर्यावरण संरक्षण के प्रति हर इंसान को जागरूक करना है। हम सभी को अपने जीवन में इस प्रकार के खास शुभावसरों पर प्रकृति पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लेना चाहिए। इस अवसर पर मास्टर मानिकचंद, मास्टर थानसिंह, देव, ईश्वरराज, गजेंद्र आदि का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

महिला महाविद्यालय की तीन छात्राओं का कंपनी में चयन

फरीदाबाद। राजकीय महिला महाविद्यालय की सेक्टर-16ए फरीदाबाद के बैचलर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन की तीन छात्राओं का आहुजा रेजिडेंसी प्राइवेट लिमिटेड मे ग्राहक संबंध अधिकारी के रूप में चयन हुआ है। जिससे महाविद्यालय में खुशी का माहौल है। इस अवसर पर प्राचार्या डॉ. सुनिधि ने चयनित छात्राओं गिरीशा, श्वेता एवं अनुभा आर्या को बधाई दी तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने बताया कि नौ फरवरी को राजकीय कन्या महाविद्यालय सेक्टर-14 गुरुग्राम में जॉब मेले का आयोजन हुआ था। जिसमें इन छात्राओं का चयन हुआ था। इसके पश्चात तीन स्तर के साक्षात्कार के बाद तीनों छात्राओं को ऑफर लेटर जारी किया गया है। उन्होंने इस अवसर पर प्लेसमेंट सैल इंचार्ज सोनिया मनोचा को भी बधाई दी तथा अन्य छात्राओं को भी कंपनियों में आवेदन करने एवं साक्षात्कार के लिए प्रोत्साहित करने की बात कही।

घायल युवती ने मेडिकल नहीं कराने पर पीया फिनाइल

फरीदाबाद। संत नगर इलाके में चार दिन पहले हुए झगड़े में घायल एक युवती ने पुलिस कर्मी द्वारा मेडिकल कराने में सहयोग नहीं करने पर फिनाइल पी लिया। आनन-फानन में परिजन उसे लेकर बीके नागरिक अस्पताल पहुंचे। जहां से उसे दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल रेफर कर दिया गया। हालांकि पीड़ित की तरफ से पुलिस को कोई शिकायत नहीं मिलने के कारण केस दर्ज नहीं किया गया है। संत नगर निवासी अहमद ने बताया कि 10 मार्च को पड़ोसी शेरा ने उसके साथ मारपीट की। इस दौरान उसकी मां और बहन उसे बचाकर घर के अंदर ले गए। नशे में धुत शेरा ने अपने दोस्तों को बुला लिया। उन्होंने भी परिजनों के साथ मारपीट की। उसकी बहन आरोपी की शिकायत लेकर पुलिस के पास पहुंची तो पुलिस ने शिकायत लेने से इन्कार कर दिया। बहन और मां बीके नागरिक अस्पताल में मेडिकल कराने पहुंची, तो डॉक्टरों ने पुलिस को साथ लेकर आने के लिए कहा। बहन ने जब पुलिस कर्मी से उनका मेडिकल करवाने की मांग की तो उन्होंने मेडिकल कराने से इंकार कर दिया। जिससे परेशान होकर उसने सुबह फिनाइल पी लिया। बीके अस्पताल से उसे दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल रेफर कर दिया गया।

गार्ड को टक्कर मारने पर पिता सहित नाबालिग गिरफ्तार

फरीदाबाद। बीके चौक पर होमगार्ड देवेंद्र को गाड़ी से टक्कर मारने के मामले में पुलिस ने पिता और उसके नाबालिग बेटे को गिरफ्तार किया है। आरोपी पिता को अदालत में पेश कर जेल भेज दिया गया और नाबालिग को जुवेनाइल जस्टिस बोर्ड में पेश किया गया। गाड़ी को भी जब्त कर लिया गया है। बीके चौक पर वाहनों की पुलिस जांच कर रही थी। होमगार्ड देवेंद्र पुलिस टीम के साथ बीके चौक पर मौजूद थे। तभी सेक्टर-21 निवासी आरोपी प्रवीण और उसका नाबालिग बेटा ब्लैक फिल्म लगी हुई बलेनो गाड़ी तेज रफ्तार से लेकर निकले। होमगार्ड ने गाड़ी चालक को रुकने का इशारा किया तो आरोपी ने गाड़ी रोकने की बजाय उसकी स्पीड बढ़ा दी और होमगार्ड को टक्कर मार दी। टक्कर लगने से होमगार्ड गाड़ी के बोनट पर गिर गया। गाड़ी चालक उसे बोनट पर ही काफी दूर तक ले गया। चालक ने एकदम से गाड़ी के ब्रेक लगाए, जिससे होमगार्ड नीचे गिर गया।

साढ़े तीन घंटे में तय होगा गुरुग्राम से चंडीगढ़ तक का सफर

नवीन गोयल के नेतृत्व में गुरुग्राम स्टेशन पर हुआ वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन का स्वागत

अब से पहले अजमेर से चलकर दिल्ली में था ट्रेन का ठहराव

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

गुरुग्राम रेलवे स्टेशन पर वंदे भारत ट्रेन का स्वागत करते नवीन गोयल व अन्य।

रेलवे सलाहकार समिति के सदस्य डा. डीपी गोयल एवं व्यापारी प्रकोष्ठ भाजपा हरियाणा के प्रदेश संयोजक नवीन गोयल के प्रयासों से अब वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन का विस्तार चंडीगढ़ तक कर दी गई है। गुरुवार को अजमेर से चलकर सुबह 11ः15 बजे गुरुग्राम के रास्ते चंडीगढ़ के लिए गई वंदे भारत ट्रेन का गुरुग्राम रेलवे स्टेशन पर भव्य स्वागत किया गया। ट्रेन के चालक दल को नवीन गोयल, शिक्षाविद् डा. अशोक दिवाकर ने पगड़ी व मालाएं पहनाकर स्वागत किया।

सुबह 11ः15 बजे वंदे भारत ट्रेन नंबर-20977/78 गुरुग्राम स्टेशन होते हुए वाया दिल्ली कैंट दोपहर 14ः45 बजे ट्रेन चंडीगढ़ पहुंच जाएगी। वापसी में ये ट्रेन चंडीगढ़ से 15ः15 बजे चलेगी। गुरुग्राम शाम 18ः51 बजे पहुंचेगी। वंदे भारत ट्रेन के गुरुवार को गुरुग्राम रेलवे स्टेशन पर आगमन से पहले व बाद में काफी समय तक कीर्तन किया गया। इस दौरान कलाकारों ने, आम लोगों ने देवी-देवताओं के भजन गाकर माहौल को धार्मिकमय बना दिया। नवीन गोयल ने इस दौरान फूलों की होली खेलकर सभी को कैमिकल वाले रंगों से बचने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि वंदे भारत ट्रेनों के माध्यम से देश में रेल यात्रियों को काफी सहूलियत हुई है। दिल्ली से हरियाणा के रास्ते राजस्थान तक शुरू की गई वंदे भारत ट्रेन यात्रियों को सुगम यात्रा करा रही है। इस ट्रेन का पहले तो नई दिल्ली तक ही संचालन हुआ था, लेकिन रेलवे सलाहकार समिति के सदस्य डा. डीपी गोयल व उन्होंने स्वयं केंद्रीय रेल मंत्री अश्वनी वैष्णव, पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष रहे एवं वर्तमान मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, सदस्य केन्द्रीय संसदीय बोर्ड एवं केन्द्रीय चुनाव समिति भाजपा डा. सुधा यादव, केंद्रीय राज्य मंत्री राव इंद्रजीत सिंह, महाप्रबंधक उत्तर रेलवे के समक्ष आग्रह करके इसे चंडीगढ़ तक करने की अपील की थी। अब यह ट्रेन चंडीगढ़ तक बढ़ा दी गई है। इस अवसर पर डेरावाल बिरादरी के रमेश चुटानी, सी.बी. मनचन्दा, अनिल कुमार, हंसराज तंवर, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ प्रकोष्ठ के प्रदेश सह संयोजक सतीश चोपड़ा, स्वच्छता अभियान के प्रदेश सह प्रमुख राकेश तंवर, रीना गहलोत, सत्य शर्मा, नरेंद्र शर्मा, उमाकांत शर्मा, दिनेश शर्मा सेक्टर-4, प्रद्युमन जांघू, सुरेंद्र कुंडू, रजनीश राठी समेत अनेक लोग मौजूद रहे।

अनाज मंडीं में खड़े अवैध रूप से वाहनों को जल्द उठाया जाएंगा : एसडीएम

पायनियर समाचार सेवा। सोहना

अनाज मंडी परिसर में अवैध रुप से खड़े निजी वाहनों को हटाया जाएगा। ताकि किसानों को अपना अनाज बिक्री के लिए पर्याप्त मात्रा में खाली स्थान मिल सके। मार्केट कमेटी प्रशासन जल्द ही निजी वाहन मालिकों को नोटिस देगा।

अप्रैल माह के पहले सप्ताह में गेहूं और सरसो की सरकारी खरीद शुरु होने की आशंका जताई जा रही है। जिसको लेकर मार्केट कमेटी प्रशासन तैयारियों में जुट गया है। मार्केट कमेटी प्रशासन किसानों को हर संभव सुविधा देने की कवायद में जुट गया है। जिसमें किसानों के वाहन खड़ा करने के लिए निश्चित करना, किसानों के लिए पेयजल की सुविधा, किसानों के बैठने की सुविधा और उनके द्वारा लाई जाने वाली फसल का टोकन काटे जाने की सुविधा के लिए केन्द्र की सुविधा देना आदि कर दी है।

परिसर बना अवैध पीर्किंग : अनाज मंडी के खाली परिसर के फडों पर अवैध रुप से वाहन खड़े हो रह है। जिससे किसानों को अपने वाहन निकालने के लिए रास्ता तक नही है। अवैध पार्किंग में 90 फीसदी वाहन मडी परिसर में रहने वालों के है। 10 फीसदी दूर दराज गांवों से आने वाले नागरिकों के है। अवैध पार्किंग से किसानों को अनाज की ढेरी लगाने में भी परेशानी आएगी।

> **मंडी** परिसर में निजी वाहन मालिकों को सचेत करने के लिए जल्द ही मुनादी कराई जाएगी। इसके बावजूद अपना वाहन न हटाने वाले मालि को नोटिस दिए जाएंगे। इसके बावजूद पुलिस की मदद से निजी वाहनों को उठाया जाएगा।
>
> **(सुनीता देवी-सचिव मार्केट कमेटी)**

> **मार्केट** कमेटी प्रशासन को अवैध बनी वाहनों पार्किंगों को परिसर से बाहर ले जाने के कहा जाएगा। ताकि किसानों को किसी प्रकार की असुविधा मिल सके।
>
> **(सोनू भट-एसडीएम सोहना)**

गुरुग्राम में बिना दहेज के शादी की रस्में पूरी कर सेवानिवृत्त डीपीई ने पेश की मिसाल

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

गुरुग्राम में बिना दान-दहेज के शादी में वर-वधू को आशीर्वाद देते परिजन।

फर्रुखनगर खंड के गांव धानावास निवासी एवं शिक्षा विभाग से सेवानिवृत डीपीई राव महेंद्र सिंह बोहरा ने अपने पौत्र भावुक यादव पुत्र विजेंद्र सिंह बोहरा की शादी में सगाई, भात, बड भात, लगन, शादी, विदाई की रस्मों में एक रूपया और नारियल लेकर समाज में अनूठा उदाहरण पेश किया है।

दहेज लोभियों को उन्होंने आईना दिखाते हुए ऐसी प्रथा शुरू करने का भी आह्वान किया है। वर वधु को आर्शिवाद देने के लिए राजनितिक, प्रशासनिक, समाजिक संस्थाओं से जुडे हजारों की संख्या में गणमान्य लोग शादी का हिस्सा बने।

धानावास गांव निवासी राव महेंद्र सिंह बोहरा शिक्षा विभाग में डीपीई के पद से सेवानिवृत है। शुरू से ही वह दहेज प्रजा आदि सामाजिक बुराईयों के खिलाफ रहे हैं। उनके आदर्श विचारों पर पूरा परिवार चलता है। यह उनके आदर्श विचारों का ही प्रतिफल है कि अपने एमबीए पास इकलौते बेटे भावुक यादव का विवाह एमबीए पास कोमल यादव पुत्री रविंद्र यादव निवासी गांव जीवडा जिला रेवाडी के साथ बिना कोई दान-दहेज लिए किया है। फिलहाल परिवार के साथ गुरुग्राम में रह रही कोमल यादव के साथ भावुक यादव का विवाह 12 मार्च 2024 को संपन्न हुआ। कोमल यादव के पिता रविंद्र यादव भी रक्षा मंत्रालय में कार्यरत है। दोनों परिवार ही दहेज प्रथा जैसी रूढ़िवादी विचारधारा के खिलाफ हैं। विवाह की सभी रस्मों में एक रूपये और नारियल के साथ पूरी की गई।

राव महेंद्र सिंह बोहरा ने कहा कि गुरुग्राम व आसपास के इलाके में बेटे बेटियों की शादी में लेन-देन के नाम पर स्पर्धा चली आ रही है। हर माता-पिता का सपना होता है कि उसके बच्चे की शादी धूमधाम से हो। ऐसे में वह अपनी हैसियत से ऊपर होकर खर्चा करके कर्ज का बोझ बना लेते हैं। जो बाद में परिवार के लिए कर्ज उतारना मुसीबत बन जाती है। कई रिश्ते कम दहेज देने पर बिखर भी जाते हैं।

भावुक यादव व कोमल यादव की शादी की रस्म में पूर्व मंत्री राव नरबीर सिंह, विधायक सत्यप्रकाश जरावता, कांग्रेसी नेता राव कमलवीर सिंह, बीजेपी नेता मनीष यादव, किसान नेता राव मानसिंह, बीजेपी जिला अध्यक्ष कमल यादव, बीजेपी नेता बेगराज यादव, राव अजीत सिंह, महेश यादव आदि हजारों की संख्या में इलाके के लोगों वर वधू को आर्शीवाद प्रदान किया।

पशु चिकित्सा सेवा के लिए जिला को मिली दो मोबाइल एंबुलेंस

सोहना और पटौदी खंड के गांवों में चलेंगी ये एंबुलेंस

उपायुक्त ने हरी झंडी दिखाकर वाहनों को रवाना किया

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

गुरुग्राम में पशु चिकित्सवा सेवा के लिए मिली मोबाइल एंबुलेंस को झंडी दिखाकर रवाना करते डीसी निशांत कुमार यादव।

गुरुवार को लघु सचिवालय परिसर से पशुपालन एवं डेयरी विभाग की दो मोबाईल एंबुलेंस वैन को उपायुक्त निशांत कुमार यादव ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इन दो वैन के आने से पशुपालकों को जिला में बेहतर चिकित्सा सेवाएं मिल सकेंगी।

मुख्यमंत्री ने महेंद्रगढ़ में पिछले माह आयोजित की गई राज्य स्तरीय पशु प्रदर्शनी व पशु मेला कार्यक्रम के दौरान पशुपालकों की सुविधा के लिए 11.20 करोड़ रुपये की लागत से 70 एंबुलेंस पशुपालन विभाग को दी थीं। इनमें से जिला गुरुग्राम में पशुपालन विभाग के कार्यालय को दो एंबुलेंस वैन प्राप्त हुई हैं। उन्हें उपायुक्त निशांत कुमार यादव ने लघु सचिवालय परिसर से इन दोनों वैन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उपायुक्त ने इस अवसर पर पशुपालन विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि इन दोनों एंबुलेंस का जिला के पशुपालकों को अधिक से अधिक लाभ मिलना चाहिए। चिकित्सा सेवा के अलावा इन वैन के जरिए पशुपालकों को पशुओं की देखभाल और समय-समय पर दी जाने वाली वैक्सीन के प्रति भी जागरूक किया जाए। उन्होंने कहा कि जिस गांव के आसपास पशु अस्पताल नहीं है, वहां ये सेवाएं सुचारू रूप से दी जानी चाहिए। पशुपालन विभाग के उप-निदेशक डा. विरेंद्र सहरावत ने बताया कि गुरूग्राम जिला के खंड सोहना एवं पटौदी में इन दोनों एंबुलेंस की सेवाएं ली जाएंगी। इन एंबुलेंस को हेल्प लाइन नंबर 1962 द्वारा संचालित किया जाएगा और कोई भी पशुपालक इस नंबर पर कॉल कर चिकित्सा सेवा का गांव में ही लाभ उठा सकते हैं। इनके माध्यम से पशुओं का ईलाज, कृत्रिम गर्भाधान की सुविधा, लैब टैस्ट की सुविधा, सीरो सर्विलेंस द्वारा पशुओं में रोग रोकथाम प्रतिरोधक क्षमता के आंकलन की सुविधा उपलब्ध करवाई जाएगी।

सरकार द्वारा हिसार के वैटरनरी संस्थान में काल सेंटर 1962 स्थापित किया गया है। यह एंबुलेंस सेवा आपात काल में भी पशुपालकों को निःशुल्क उपलब्ध करवाई जाएगी। इस मौके पर डा. नकुल यादव, डा. ईशा फोगाट, डा. प्रियांशु, पंकज, डा. कर्णपाल मलिक सहित एंबुलेंस वैन का स्टाफ मौजूद रहा।

निर्माणाधीन मकान से गिरने पर 50 वर्षीय राज मिस्त्री की मौत

सोहना। निर्माणाधीन मकान की छत से गिरकर (50) राज मिस्त्री की मौत। जिसके शव को पोस्टमार्टम के लिए नागरिक अस्पताल के शव गृह कक्ष में रखवा दिया है। बुधवार को शहर की चुंगी नंबर एक के पास मकान का निर्माण कार्य चल रहा है।जहां पर छत पर टाइल लगाने का काम चल रहा था। राजेंद्र(50) के साथ कुछ मिस्त्री मजदूर काम कर रहे थे। छत के उपरी हिस्से राज मिस्त्री मौजूद था। जहां से उसका पांव स्लिप हो गया वह गली में जाकर पड़ गया जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल अवस्था में उसे गुड़गांव में एक निजी अस्पताल में दाखिल कराया गया जहां उसकी मौत हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया राजस्थान के भरतपुर निवासी राजेन्द्र (50) राजमिस्त्री का कार्य करता था। राजमिस्त्री चुंगी एक पर एक निर्माणाधीन मकान की छत पर टाइल का कार्य कर रहा था। निर्माणाधीन मकान में करीब 30 फीट ऊंचाई टाइल लगा रहा था।

सिधरावली कालेज में नशे के प्रति छात्रों को किया जागरूक

डिप्टी सिविल सर्जन गुरुग्राम डॉ. केशव शर्मा ने दी अहम जानकारियां

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

सिधरावली कालेज में विद्यार्थियों को जागरुक करते डा. केशव शर्मा।

राजकीय महाविद्यालय सिधरावली में प्रिंसिपल डॉ. महाश्वेता यादव के सहयोग से एनएसएस के स्वयंसेवकों व अन्य छात्रों को सिविल सर्जन डॉ. वीरेंद्र यादव के मार्गदर्शन से टीबी, एचआईवी, टोबैको कंट्रोल, मेंटल हेल्थ और नशा मुक्ति पर जागरूक किया गया।

डिप्टी सिविल सर्जन गुरुग्राम डॉ. केशव शर्मा ने बताया कि टीबी अब लाइलाज बीमारी नहीं है। इसका इलाज संभव है। यह भी बताया कि एचआईवी से बचाव ही इलाज से बेहतर है।

यह भी बताया कि नशा मुक्ति एवं मानसिक बीमारी के इलाज के लिए फ्री सेवाएं पॉलीक्लिनिक सेक्टर-31 और सेक्टर-10 सरकारी अस्पताल में उपलब्ध है। यह प्रोग्राम एनएसएस इंचार्ज डॉ. योगेश सिंह और डा. नीरजा सिंह एवं डॉ. प्रवीण के सहयोग से जिला पीपीएम पूनम मेहरा और डीपीसी मनीषा चाहर द्वारा आयोजित किया गया।

सात पेटी शराब के साथ तस्कर गिरफ्तार

फिरोजपुर झिरका। शहर में लगातार अवैध शराब की बिक्री बढ़ती जा रही है जिस पर पुलिस द्वारा मुखबिर खास की सूचना पर छापेमारी के दौरान एक स्विफ्ट कार से पुलिस ने सात पेटी शराब बरामद की। पुलिस ने मौके से आरोपी को गिरफ्तार करने में कामयाबी हासिल की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार शहर में लंबे समय से अवैध रूप से शराब बेचने का कारोबार कई स्थानों पर किया जा रहा है। जिसकी सूचना पुलिस को मुखबिर खास द्वारा दी गई। पुलिस ने सूचना के आधार पर उक्त आरोपी को पकड़ने की योजना बनाई।

संक्षिप्त समाचार

77 लोगों ने रक्तदान करके मानवता की सेवा का दिया संदेश

सोहना। शहर का सामाजिक संगठन लायंस क्लब सोहना सिटी के तत्वाधान में लगा शिविर में 77 लोगों ने रक्तदान किया। रक्तदाताओं ने रक्तदान करते हुए युवाओं को संदेश दिया। गुरुवार को शहर का सामाजिक संगठन लायंस क्लब सोहना सिटी ने शहीद भगत सिंह फव्वारा चैक पर स्थित मुरारी धर्मशाला में एक दिन का शिविर लगाया। जिसमें लोगों को देश के वीर जवानों से लेकर जरुरतमंदों और आर्थिक रुप से कमजोरी के कारण बीमारियों पीडितों को जीवन दान करने की प्रेंरणा दी। क्लब के प्रधान गौरव सिंगला ने बताया कि उनका संगठन पिछले करीब दो साल से जनसेवा में लगा हुआ है। संगठन का उद्देश्य मानव सेवा करने के साथ-साथ समाज में रहने वाले लोग और संगठनों को प्रेरित करना है। ताकि मानवता के नाते सेवा हो सके। उन्होने बताया कि क्लब का सदस्य को जनसेवा में पूरी तरह से करने के इरादे से ही जुड़ता है।

दो बच्चों की मां को बेरहमी से पीटकर किया अधमरा

सोहना। घरेलू विवाद के चलते ससुरालियों ने विवाहिता को क्रिकेट के बेट से बेरहमी से पीट पीट कर उसे अधमरा कर दिया। महिला को सोहना के नागरिक अस्पताल भर्ती कराया गया। जहा से डॉक्टरों ने पीडिता को गुरूग्राम के लिए रेफर कर दिया है। गांव खेड़ला निवासी ऊषा ने पुलिस को बताया कि दहेज को लेकर काफी समय से उसके ससुराल वाले उसे परेशान कर रहे हैं। अब तक वह कई बार उसे पीट चुके हैं लेकिन बार-बार उसे पहले फुसलाकर कानूनी कार्रवाई करने से उस पर दबाव बनाकर रुकवा जाता रहा है और उसके द्वारा दी जाने वाली शिकायतों को वापस लिया जाता रहा है। उसकी ससुराल पक्ष के लोगों द्वारा किया हमले से गर्दन, जांघ, पीठ और पैर में गंभीर चोटें आई हैं। गंभीर हालत के कारण उसे गुरुग्राम रेफर कर दिया गया है। पुलिस शिकायत में पीड़ित विवाहित खेड़ला निवासी ऊषा ने बताया कि 2009 में उसकी शादी खेड़ला निवासी सुरेश के साथ कीशथी। शादी के रोज से ही उसके ससुराल के लोग उसे दहेज को लेकर प्रताड़ित करते थे जिसको लेकर अब तक वह कई बार पहले भी उसके साथ बुरी तरह मारपीट कर चुके थे जिसके मेडिकल आज भी उसके पास है। लेकिन उसे बहला फुसला कर फिर फैसला करा लेते थे ।विवाहिता के दो बच्चे हैं जिनके कारण वह उनके प्रताड़ना को शहन कर रही है । पीड़िता ने बताया कि दो रोज पहले उसकी अपने पति के साथ किसी बात को लेकर मामूली झगड़ा हो गया था। जिसको लेकर बुधवार की सुबह उसकी मोसिया सास व उसकी लड़की पिंकी वह उसका देवर नानक उसके घर पर आज धमके व उन्होंने घर में रखें क्रिकेट के बल्ले से उसे बुरी तरह पीटा । सूचना मिलने पर सदर सोहना पुलिस को दी गई। पुलिस ने महिला को सोहना के नागरिक अस्पताल में भर्ती कराया जहां पर वह उपचार आधीन है ।पुलिस मामले की जांच कर दी है। मामलें की जांच कर रहे एएसआई सतपाल ने बताया कि इस मामले में महिला के ब्यान ले लिए है। पुलिस उचित कार्यवाही की जा रही है।

पेपर लीक मामले में दो युवक धरे, भेजा न्यायिक हिरासत में

फिरोजपुर झिरका। भिवानी बोर्ड की नकल विरोधी उड़न दस्ते की शिकायत पर फिरोजपुर झिरका राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में पेपर लीक मामले में पुलिस ने जहां चार अध्यापकों को हिरासत में लेकर पुलिस बल पर छोड़ दिया है वहीं पेपर लीक करने वाले दो युवकों को भी पुलिस ने अपनी हिरासत में लिया जिन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। गति दिवस फिरोजपुर झिरका राजकीय कन्या माध्यमिक विद्यालय 8 मैं पेपर लीक होने के बाद जहां शिक्षा बोर्ड भिवानी द्वारा रसायन विज्ञान के पेपर को रद्द कर दिया गया है वही नकल विरोधी दस्ती की शिकायत पर चार अध्यापकों के खिलाफ मामला दर्ज करते हुए पुलिस ने उक्त चारों अध्यापकों को हिरासत में लिया जिन्हें प्रातः पुलिस बेल पर छोड़ दिया गया । वहीं दोनों नकल करने वाले युवक नवीन पुत्र महेंद्र, कार्तिक पुत्र जयपाल निवासी सोहना को गिरफ्तार कर सुबह माननीय अदालत पेश किया गया जहां दोनों युवकों को न्यायिक हिरासत में सलंबा जेल भेज दिया गया है।

रमजान शुरू होते ही आसमान छू रहे हैं, नींबू व तरबूज के दाम

नूंह। सब्जियों में नींबू और तरबूज के दाम आसमान छू रहे हैं । मेवात में एक किलो नींबू की कीमत 200 और तरबूज 200 रुपए के पांच किलो हैं। थोक बाजार में नींबू करीब 180 रुपए किलो बिक रहा है और तरबूज 150 रुपए पांच किलो पिछले तीन दिनों में सब्जियों के दामों में अधिक बढ़ोतरी हुई है, क्योंकि आज तीसरा रमजान है। रमजान शुरू होते ही नींबू व तरबूज के दामों में इजाफा हुआ है। रमजान के महीने में लोग ज्यादातर नींबू और तरबूज का इस्तेमाल करते हैं इसलिए इनके दाम आसमान पर हैं। इलाके में रमजान शुरू होते ही तरबूज की डिमांड बढ़ गई है। दुकानदारों ने बताया कि तरबूज और नींबू की खपत कम होने की वजह से यह हाल है। अगर ऐसा ही रहा तो आगे चलकर तरबूज, नींबू के साथ - साथ अन्य सब्जियों के दाम भी अधिक होने की संभावना है। रमजान माह में ज्यादा खरीदारी हो रही है, जिसके चलते सब्जियों की कीमतें आसमान छू रही हैं। इस कारण सब्जी बेचने वालों के साथ - साथ ग्राहकों को भी महंगाई की मार झेलनी पड़ रही है। अगर बात करें गांव में तो एक नींबू 10 रुपए तक बिक रहा है और तरबूज 150 रुपए का 5 किलो। जिसे गरीब लोग खरीदने से डर रहे हैं। नींबू और तरबूज के दामों में जिस कदर उछाल आया है, उतनी ऊंची कीमतों पर भी लोग खरीद रहे हैं। रमजान में नींबू और तरबूज में पानी और ग्लूकोज की मात्रा अधिक होती है । जिसके चलते अन्य फलों के मुकाबले इनकी ज्यादा डिमांड मार्केट में है।

निराश्रित बच्चों को मिलना चाहिए सरकार की योजनाओं का लाभ : प्रवीन जोशी

हरियाणा बाल अधिकार संरक्षण आयोग की चेयरपर्सन ने किया बाल गृहों का निरीक्षण

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

गुरुग्राम में बाल गृह के निरीक्षण के दौरान बच्चियों से बात करतीं हरियाणा बाल अधिकार संरक्षण आयोग की चेयरपर्सन प्रवीन जोशी।

हरियाणा राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग की चेयरपर्सन प्रवीन जोशी ने गुरुवार को गुरुग्राम के बाल सुधार गृहों का निरीक्षण किया। बच्चों के लालन-पालन की व्यवस्था व उनकी शिक्षा एवं सेहत के बारे में जानकारी ली।

चेयरपर्सन प्रवीन जोशी ने गुरुग्राम में लडक़े व लड़कियों के लिए अलग-अलग चलाए जा रहे उड़ान केयर होम का निरीक्षण किया। उन्होंने जिला बाल कल्याण परिषद के तत्वावधान में चलाई जा रही संस्था दी शेल्टर प्रोगेटो इंडिया का भी निरीक्षण किया।

इस अवसर पर प्रवीन जोशी ने कहा कि हरियाणा सरकार ने निराश्रित बच्चों की भलाई और उनकी शिक्षा के लिए अनेक कल्याणकारी योजनाएं चलाई हुई हैं। इन योजनाओं का लाभ बच्चों को मिलना चाहिए। इन सभी बच्चों के स्वास्थ्य की नियमित रूप से जांच करवाई जाए और जो भी दवाईयां या इंजेक्शन स्वास्थ्य विभाग की ओर से बच्चों को लगाए जाते हैं, वे समय पर दिए जाने चाहिए। इस अवसर पर चाइल्ड केयर होम के संचालक तथा महिला एवं बाल विकास विभाग की कर्मचारी उपस्थित रहीं।

नियमित कॉलोनियों के प्रॉपर्टी धारक एनडीसी लेकर करवा सकते हैं रजिस्ट्री

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

नगर निगम मानेसर क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले नियमित कॉलोनियों के प्रॉपर्टी धारक अपने प्लांट का नो ड्यूज सर्टिफिकेट (एनडीसी) लेकर रजिस्ट्री करवा सकते हैं। प्रॉपर्टी धारक पोर्टल पर अपनी प्रॉपर्टी को स्वयं प्रमाणित करके एनडीसी ले सकते हैं।

आयुक्त अशोक कुमार गर्ग के अनुसार प्रदेश सरकार ने पिछले वर्ष 20 अगस्त को नगर निगम मानेसर की तीन कॉलोनी नामतः गांव वजीरपुर स्थित वजीरपुर एंक्लेव बी-44, गांव हयातपुर स्थित शहीद भगत सिंह कॉलोनी बी-34 और गांव भांगरौला स्थि बी-7 को नियमित किया था। सरकार की हिदायत अनुसार कॉलोनियों की प्रॉपर्टी की रजिस्ट्री करवाने या मालिकाना हक पाने के लिए नगर निगम द्वारा प्रॉपर्टी आईडी अनिवार्य की गई है। प्रॉपर्टी आईडी न होने की सूरत में प्रॉपर्टी धारक अपनी प्रॉपर्टी की रजिस्ट्री नहीं करवा पा रहे थे। अब इन कॉलोनियों के निवासी और प्रॉपर्टी धारक अपनी प्रॉपर्टी आईडी बनवाने के लिए ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। प्रॉपर्टी आईडी बनने के बाद उन्हें रजिस्ट्री करवाने में कोई परेशानी नहीं होगी। आयुक्त अशोक कुमार गर्ग ने कहा कि मानेसर नगर निगम क्षेत्र में सुविधाएं देने के लिए नगर निगम वचनबद्ध है, परंतु इन तीनों कॉलोनियों में मूलभूत सुविधाएं जैसे-पीने का पानी, सीवर, स्ट्रीट लाइट पक्की गलियां और सडक़ नगर निगम की प्राथमिकताओं में है।

चुनाव प्रचार सामग्री में प्रकाशक व प्रकाशन करवाने वाले का उल्लेख होना जरूरी

प्रिंटिंग प्रेस संचालक आचार संहिता की पालना करें सुनिश्चित

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

डीसी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी निशांत कुमार यादव।

लोकसभा चुनाव के दौरान सभी प्रकार की प्रचार सामग्री पर प्रकाशन करवाने वाले दल या व्यक्ति और प्रकाशक का नाम छापना जरूरी है। इस जानकारी के बिना चुनाव से संबंधित पंफलेट, पोस्टर, बैनर आदि प्रकाशित करना आचार संहिता का उल्लंघन माना जाएगा। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त निशांत कुमार यादव ने गुरुवार को बताया कि चुनाव के दौरान प्रिंटिंग प्रेस संचालकों के लिए नियमों की जानकारी दी गई है।

इन नियमों के अनुसार कोई भी प्रिंटिंग प्रैस संचालक बिना शपथ पत्र के चुनाव से संबंधित प्रचार सामग्री नहीं छाप सकता। इसके लिए उसे संबंधित उम्मीदवार से एक शपथ पत्र लेना है, जिस पर प्रचार सामग्री छपवाने वाले के हस्ताक्षर होंगे। साथ ही दो गवाहों के हस्ताक्षर पत्र पर होने जरूरी हैं। उन्होंने कहा कि प्रिंटिंग के बाद प्रैस के मालिक को शपथ पत्र की प्रति और छापी गई प्रचार सामग्री की प्रतियां निर्वाचन विभाग के कार्यालय में भिजवानी होगी। उन्होंने कहा कि चुनाव से संबंधित पंफलेट व पोस्टर आदि प्रचार सामग्री संबंधित उम्मीदवार की सहमति से ही छाप सकते हैं।

उपायुक्त निशांत कुमार यादव ने बताया कि चुनाव आयोग के निर्देशों के नियमों के अनुसार लोकसभा चुनाव के दौरान चुनाव से संबंधित किसी भी प्रकार की प्रचार सामग्री पर छपवाने व छापने वाले का नाम प्रकाशित होना जरूरी है। जिला के सभी प्रिंटिंग प्रैस संचालक चुनाव आयोग के नियमों की शत-प्रतिशत पालना करें। उन्होंने स्पष्ट किया कि इन नियमों की अवहेलना करने वाले के खिलाफ निर्वाचन विभाग द्वारा कानूनी कार्यवाही की जा सकती है। इसलिए प्रिटिंग प्रैस संचालक प्रकाशन सामग्री की जांच करने के उपरांत ही उसे प्रकाशित करने का निर्णय लें। इसमें किसी जाति, धर्म, भारतीय गणराज्य संघ, संविधान के प्रति आपत्तिजनक शब्द नहीं होने चाहिए।

अध्यापकों ने लघु सचिवालय पहुंचकर सरकार के खिलाफ की नारेबाजी

पायनियर समाचार सेवा। नूंह

सिटी मजिस्ट्रेट के माध्यम से सीएम, शिक्षा मंत्री, बोर्ड चैयरमेन को सौंपा ज्ञापन

परीक्षा केंद्रों पर कार्यरत अध्यापकों के खिलाफ लगातार दर्ज हो रहे मुकदमों को लेकर परेशान हैं शिक्षक

हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड भिवानी की दसवीं तथा 12 वीं की परीक्षाओं में नकल रुकने का नाम नहीं ले रही है। नकल पर नकेल कसने में हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड भिवानी पूरी तरह से फेलियर साबित हो रहा है। इसी मामले को लेकर न केवल पर्चे लीक हो रहे हैं बल्कि परीक्षा केंद्रों पर कार्यरत अध्यापकों पर भी लगातार मुकदमे दर्ज हो रहे हैं। जिससे शिक्षक वर्ग पूरी तरह से हताश व निराशा हैं। नाराज अध्यापकों ने गुरुवार को लघु सचिवालय नूंह पहुंचकर सरकार के खिलाफ नारेबाजी की और सिटी मजिस्ट्रेट अशोक कुमार के माध्यम से प्रदेश के मुख्यमंत्री, प्रदेश के शिक्षा मंत्री, हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष सहित कई अन्य नेताओं व अधिकारियों के नाम पर ज्ञापन भेजा। हरियाणा विद्यालय अध्यापक संघ के बैनर तले किए गए इस प्रदर्शन से अध्यापक समाज पूरी तरह से नाराज दिखाई दिया और उन्होंने सिटी मजिस्ट्रेट अशोक कुमार नूंह से मुलाकात के दौरान अपनी जमकर भड़ास निकाली। कई घंटे तक अध्यापक लघु सचिवालय नूंह परिसर में डटे रहे और उपायुक्त धीरेंद्र खड़गटा तथा एसपी नरेंद्र सिंह बिजारनिया से मुलाकात करने के बाद ही वापस जाने की बात कही।

आपको बता दें कि हरियाणा के नूंह जिले में सबसे पहले टपकन गांव में उर्दू विषय का पेपर लीक हुआ। उसके बाद तावडू, पिनगवां, पुनहाना, फिरोजपुर झिरका इत्यादि जगहों पर भी पेपर लीक की खबरें सामने आई और ताबड़तोड़ मुकदमे दर्ज कराए गए। बुधवार को फिरोजपुर झिरका शहर के एक परीक्षा केंद्र से भी पेपर लीक की खबर सामने आई, जिसके बाद परीक्षार्थी बच्चे को पकड़ कर पुलिस के हवाले कर दिया, लेकिन आरोप है कि पुलिस ने उसे छोड़ दिया और कुछ घंटे बाद दोबारा फ्लाइंग परीक्षा केंद्र में आई और परीक्षा केंद्र पर तैनात केंद्र अधीक्षक सहित अन्य स्टाफ के खिलाफ न केवल मुकदमा दर्ज कराया बल्कि उन्हें गिरफ्तार करवा दिया।

इस खबर के बाद अध्यापक संघ से जुड़े नेता सक्रिय हुए और देर रात तक प्रशासन के आला अधिकारियों के साथ वार्ता के बाद जमानत पर अपने साथियों को छुड़ा लिया गया। अगले दिन गुरुवार को सुबह 10 बजे ही सैकड़ों की संख्या में परीक्षा केंद्रों पर तैनात अध्यापक व उनके साथी लघु सचिवालय नूंह में पहुंच गए और जमकर सरकार के खिलाफ अपनी नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड भिवानी तथा पुलिस विभाग नकल रोकने में नाकाम है। धारा 144 का कड़ाई से पालन नहीं हो रहा है। परीक्षा केंद्रों के अंदर बाहर से शरारती तत्व आसानी से जा रहे हैं और उसका दोष अध्यापकों पर मढ़ा जा रहा है, यह सरासर गलत है। अध्यापकों की वजह से नकल बिल्कुल नहीं हो रही है। नकल पुलिस की ढलाई के साथ - साथ हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड की फ्लाइंग की ढिलाई की वजह से हो रही है। अगर अगले एक - दो दिनों में अध्यापकों पर दर्ज मुकदमों को वापस नहीं लिया गया तो बोर्ड परीक्षाओं का भी बहिष्कार करने की बात भी अध्यापक समाज कर रहा है। इतना ही दोषी शिक्षा बोर्ड अधिकारियों और पुलिस अधिकारी के खिलाफ भी मुकदमा दर्ज करने की मांग कर रहा है। सिटी मजिस्ट्रेट अशोक कुमार ने अध्यापकों को भरोसा दिलाया है कि उचित कार्रवाई की जाएगी, लेकिन समाचार लिखे जाने तक अध्यापकों की मुलाकात जिले के डीसी तथा एसपी के साथ नहीं हो पाई थी, अध्यापकों के तेवर से यही लग रहा है कि अगर उनकी मांगों पर अमल नहीं किया गया तो बोर्ड परीक्षाओं का बहिष्कार होने से भी इंकार नहीं किया जा सकता। जिससे हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड भिवानी की परेशानी बढ़ सकती है।

सबसे खास बात तो यह है कि अध्यापकों का साथ देते हुए कुछ राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़े हुए लोग भी दिखाई दिए, लेकिन कैमरे के सामने आने से बचते रहे। इस अवसर पर सलाह के जिला प्रधान जोगिंदर सोनी, हसला की जिला प्रधान उषा रानी, लेक्चरर वेलफेयर एसोसिएशन के जिला प्रधान गौरव सिंगला, हरियाणा विद्यालय अध्यापक संघ के जिला प्रधान फूल कुमार, झिरका प्रधान पवन पुनिया, पुनहाना के प्रधान जिशान अली, सलाह खंड प्रधान नाजिम आजाद, प्रिंसिपल एसोसिएशन के प्रधान परवीन सैनी, पूर्व प्रधान असलम खान, आजाद मोहम्मद, असफाक, सुरेश, सुनील, खुशी मोहम्मद, पवन यादव, जिला संयोजक कुसुम मलिक, हसमत अली, वेदपाल हस्ला ब्लॉक प्रधान, पंकज , सरफराज नवाज, सुनील सैनी के अलावा कभी खंडों के सैकडो अध्यापक उपस्थित थे।

अनाजमंडियों, खरीद केंद्रों में फसल खरीद संबंधी तैयारियां समयबद्ध हों सुनिश्चित

पायनियर समाचार सेवा। नूंह

उपायुक्त ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को बैठक में दिए जरूरी दिशा-निर्देश

उपायुक्त धीरेंद्र खडग़टा ने कहा कि जिला की सभी अनाजमंडियों व खरीद केंद्रों में रबी फसल की खरीद संबंधी तैयारियां व प्रबंध समय पर सुनिश्चित होने चाहिएं। इसके लिए एसडीएम व सभी संबंधित विभागों के अधिकारी अपने विभाग से संबंधित कार्यों, मैनपावर, बारदाना, ट्रांसपोर्ट व मंडियों में किसानों से संबंधित सभी बुनियादी सुविधाएं पूरी करें, ताकि खरीद कार्य सुचारू रूप से चले और किसानों को फसल बेचने में कोई परेशानी न आए।

उपायुक्त ने यह निर्देश वीरवार को लघु सचिवालय के कांफ्रेंस हाल में खरीद संबंधी तैयारियां व प्रबंध समयबद्ध सुनिश्चित करने के लिए आयोजित खाद्य एवं आपूर्ति, मार्केटिंग बोर्ड, खरीद एजेंसियों सहित संबंधित विभागों के अधिकारियों की बैठक में दिए। उन्होंने कहा कि मंडियों की हालत बेहतर होनी चाहिए।

मंडियों की सभी सडक़ें व संपर्क मार्ग अच्छे बनाए जाएं। पैचवर्क संबंधी कार्य अभी पूरे कर लिए जाएं। मंडियों में साफ-सफाई, पीने का पानी, शौचालय, बिजली आपूर्ति आदि सभी सुविधाएं अच्छी हो। उन्होंने कहा कि सभी संबंधित अधिकारी अपनी निगरानी में सभी तैयारियां व प्रबंध समयबद्ध सुनिश्चित कराएं, ताकि किसानों को रबी फसल की खरीद में किसी भी प्रकार की असुविधा न हो।

उपायुक्त ने कहा कि रबी फसलों की खरीद प्रक्रिया में संवेदनशीलता और पारदर्शिता के साथ काम किया जाए। उठान प्रक्रिया भी सुदृढ़ की रहनी जाए, ताकि साथ-साथ उठान हो और मंडियों में किसानों को फसल लाने के लिए जगह मिलती रहे। सभी संबंधित अधिकारी व कर्मचारी खरीद प्रक्रिया को सुगम बनाएं रखें। किसानों को उनकी फसल का पूरा मूल्य दिया जाए तथा किसानों से भी अपील करें कि वे मंडियों में फसल को सुखाकर लाएं, ताकि खरीद जल्द हो सके। बाहर से या अन्य राज्यों से आने वाले फसलों पर कड़ी निगरानी रखी जाए।

इस अवसर पर एसडीएम फिरोजपुर झिरका डा. चिनार चहल, एसडीएम नूंह विशाल, एसडीएम पुन्हाना लक्ष्मी नारायण, जिला खाद्य एवं आपूर्ति नियंत्रक महेश यादव सहित अन्य विभागों के अधिकारी मौजूद थे।

संक्षिप्त समाचार

आमिर ने की मुख्यमंत्री नायब सैनी से मुलाकात की

नवनियुक्त सीएम नायब सैनी से मुलाकात करते आमिर खान, निशा सैनी इत्यादि।

नूंह। भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा जिला उपाध्यक्ष आमिर खान ने प्रदेश के नवनियुक्त मुख्यमंत्री नायब सैनी से हरियाणा निवास चंडीगढ़ में मुलाकात की। भाजपा नेता आमिर खान ने नवनियुक्त सीएम नायब सैनी का फूलों का गुलदस्ता देकर सम्मान किया। आमिर खान के साथ महिला मोर्चा की प्रदेश सचिव निशा सैनी तथा इंद्र बडगूजर ने भी मुलाकात की। भाजपा जिला उपाध्यक्ष किसान मोर्चा आमिर खान ने बताया कि मुख्यमंत्री नायब सैनी को जो जिले में आने का निमंत्रण दिया गया है। मुख्यमंत्री मेवात के लोगों का हाल चाल भी पूछा। आमिर खान ने कहा कि मुख्यमंत्री नरेंद्र सिंह सैनी से मेवात के विकास कार्यों को लेकर भी बातचीत हुई। उन्होंने भरोसा दिलाया कि मेवात के विकास की रफ्तार को बढ़ाया जाएगा। आने वाले समय में मेवात भी हरियाणा के विकसित जिलों की तर्ज पर विकास करेगा हरियाणा की सरकार सबका साथ सबका विकास सबका विश्वास के नारे के साथ काम करेगी।

मेले से नगर पालिका को लाखों का नुकसान, प्रशासन मौन

फिरोजपुर झिरका। नगर पालिका सीमा के क्षेत्र में बिना अनुमति फ्री में पशु मेले का आयोजन किया जा रहा है। जिससे नगर पालिका को वार्षिक लगभग ढाई करोड रुपए का नुकसान उठाना पड़ रहा है। यह सारी प्रशासन को होने के बावजूद भी उच्च अधिकारियों द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है। ज्ञात हो कि फिरोजपुर झिरका झिरका में नगर पालिका द्वारा लगभग पिछले 20 वर्षों से पशु तह बाजारी मेले का आयोजन के लिए नगर पालिका की जमीन किराए पर दी जा रही थी। जिससे नगर पालिका को लगभग ढाई करोड रुपए वार्षिक आय हो रही थी। जिससे शहर के विकास कार्य के साथ-साथ सफाई कर्मचारियों के वेतन की अदायगी की जाती थी लेकिन कोरोना काल के बाद फिरोजपुर सिरका में लगने वाले पशु मेले के आयोजन को बंद कर दिया गया था। उसके बाद मेले की अनुमति उच्च अधिकारियों द्वारा नहीं मिलने के बाद कारण मेले का आयोजन सुचारू रूप से नहीं किया जा रहा है लेकिन चोरी छुपे आज भी नगर पालिका की उक्त जमीन पर पशु मेले का आयोजन दबंग लोगों द्वारा किया जा रहा है हालांकि सूत्रों की माने तो उक्त जमीन पर लगने वाले मेले फ्री में लगाया जा रहा है। किसी भी व्यक्ति से कोई चार्ज नहीं लिया जा रहा लेकिन क्षेत्र के सामाजिक कार्यकर्ता जफरुद्दीन गुमल, ईसब बीवा आदि लोगों का यह कहना है कि नगर पालिका की वार्षिक ढाई करोड रुपए का नुकसान आज भी उठाना पड़ रहा है तो अधिकारियों द्वारा उक्त जगह स्थान पर लगने वाले मेले को नियमित चालू कर नगर पालिका को ढाई करोड रुपए के वार्षिक नुकसान से बचाया जा सके। जमीन का किराया नहीं मिलने से नगर पालिका को करोड़ों रुपए का नुकसान हो रहा है जबकि पशु मेला नगर पालिका की जमीन पर ही लगाया जा रहा है। जब इस बारे में नगर पालिका सचिव राजेश मेहता से संपर्क करने का प्रयास किया गया तो उन्होंने फोन नहीं उठाया।

दहेज हत्या में आरोपी पति को हाई कोर्ट से मिली जमानत

तावडू। दहेज व हत्या के आरोपी पति अमजद निवासी कोंतलाका थाना नूंह की हाईकोर्ट ने करीब पांच महीने बाद जमानत याचिका स्वीकार कर ली है। अदालत में गवाही के दौरान सभी मुख्य गवाह अपने बयानों से पलट गए थे। जिन्होंने बताया कि मृतक महिला ने जहर खाकर आत्महत्या की थी। आरोपी पक्ष की ओर से पंजाब हरियाणा हाई कोर्ट चंडीगढ़ में न्यायाधीश सुमित गोयल की अदालत में पैरवी कर रहे अधिवक्ता अभिषेक जिंदल ने बताया कि बीते साल 15 सितंबर को दहेज हत्या मामले में नूंह सदर थाना पुलिस ने मृतक महिला के भाई की शिकायत पर ससुराल पक्ष से पांच आरोपियों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया था।जिसमें मुख्य रूप से आरोप था कि बहन को दहेज के लिए बार-बार प्रताड़ित कर मारपीट की जा रही थी। विवाद का कई बार समाधान करने का प्रयास हुआ,लेकिन ससुराल पक्ष के लोग दहेज की मांग पर अडिग रहे। शिकायत में बताया कि देहज मांग पूरी नहीं होने से ससुराल वाले बहन की हत्या की योजना बना रहे थे। 15 सितंबर को उन्हें सूचना मिली कि बहन को ससुराल के लोगों ने जहर देकर मार दिया।मामले में ससुराल पक्ष से पति सहित पांच के विरुद्ध मुकदमा दर्ज हुआ। पुलिस ने मुख्य आरोपी पति के अलावा सभी को अपनी जांच में निर्दोष पाया।केस दर्ज होने के करीब एक महीना बाद अक्टूबर माह में मुख्य आरोपी मृतक महिला के अमजद की गिरफ्तारी हुई। अधिवक्ता अभिषेक ने बताया कि केस से जुड़े सभी सबूतों और तथ्यों को जुटाकर अदालत में मजबूती से पैरवी हुई। जबकि केस में सभी मुख्य गवाह अदालत में सुनवाई के दौरान अपने बयानों से भी पलट गए। जिन्होंने अदालत में बताया कि मृतक महिला का स्वास्थ्य ठीक नहीं था। जिन्होंने जहर का सेवन कर अपनी जान दी थी। उपरोक्त तथ्यों के आधार पर न्यायाधीश सुमित गोयल की अदालत ने मुख्य आरोपी अमजद को करीब 5 महीने बाद जमानत दे दी।

डीएलएसए ने मत का सही प्रयोग करने के लिए किया जागरूक

कुरुक्षेत्र। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव एवं सीजेएम नितिन राज ने कहा कि हालसा के वार्षिक एक्शन प्लान के तहत जिला एवं सत्र न्यायाधीश आराधना साहनी के दिशा निर्देशानुसार डीएलएसए द्वारा लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 के अनुरूप भविष्य आपके हाथ में एक मतदान अधिकार अभियान और असंगठित मजदूरों के लिए हक हमारा भी तो है कैंपेन चलाया गया है। जिसके तहत लोगों को मतदान के प्रति जागरूक किया जा रहा है और साथ ही मजदूरों को उनके लिए चलाई जा रही योजनाओं की जानकारी दी जा रही है। इस कैंपेन के तहत पैनल अधिवक्ता नरेंद्र रोहिला व पीएलवी जोगिंद्र कौर द्वारा गांव गुढ़ी, हलालपुर व जैनपुर जाट्टान में लोगों को जागरूक किया गया।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी आज कुरुक्षेत्र को देंगे संत गुरु रविदास स्मारक की सौगात

पायनियर समाचार सेवा। कुरुक्षेत्र

पत्रकारों से बातचीत करते विधायक सुभाष सुधा।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी व पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल धर्मक्षेत्र कुरुक्षेत्र को संत शिरोमणि गुरु रविदास स्मारक की सौगात देंगे। इस सौगात के लिए प्रदेश सरकार की तरफ से गांव उमरी में राष्ट्रीय राजमार्ग पर हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण की 5 एकड़ जमीन उपलब्ध करवाई है।

इस स्मारक का भूमिपूजन कार्यक्रम 15 मार्च को दोपहर 2 बजे होगा। इस कार्यक्रम के मुख्यातिथि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी होंगे। इस कार्यक्रम में पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल, कैबिनेट मंत्री डा. बनवारी लाल, विधायक सुभाष सुधा, विधायक ईश्वर सिंह सहित अन्य गणमान्य लोग शिरकत करेंगे। संत शिरोमणि गुरु रविदास के स्मारक स्थल पर कार्यक्रम की तैयारियों की जायजा लेने के लिए विधायक सुभाष सुधा, विधायक ईश्वर सिंह, पूर्व मंत्री कृष्ण बेदी, पूर्व विधायक डा. पवन सैनी, भाजपा प्रदेश सचिव राहुल राणा, उपायुक्त शांतनु शर्मा, पुलिस अधीक्षक सुरेंद्र भौरिया, भाजपा जिलाध्यक्ष रवि बतान, हरियाणा पशुधन एवं डेयरी विकास बोर्ड के निगम के चेयरमैन धर्मवीर मिजार्पुर, भाजपा युवा जिलाध्यक्ष साहिल सुधा, एडीसी डा. वैशाली शर्मा, कार्यालय प्रभारी कैलाश सैनी पहुंचे। विधायक सुभाष सुधा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल देश और प्रदेश को बड़ी-बड़ी सौगात दे चुके है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का स्वागत करने के लिए हजारों की संख्या में लोग कार्यक्रम में पहुंचेगे।

आईटीसी क्लासिक गोल्फ में हुई बड़ी गोल्फ प्रतियोगिता की शुरुआत

28 देशों के डेढ़ सौ अधिक नामचीन गोल्फर ले रहे हिस्सा

पायनियर समाचार सेवा। तावडू

उपमंडल की सीमा में स्थित क्लासिक गोल्फ एंड रिसोर्ट कंट्री क्लब में वीरवार को एक अंतरराष्ट्रीय स्तर की चार दिवसीय गोल्फ प्रतियोगिता का शुभारंभ हुआ।जिसमें करीब 28 देशों के नामी गोल्फरों की प्रतिभा दिखाने पहुंचे हैं। प्रतियोगिता का समापन 17 मार्च को होगा।

क्लासिक गोल्फ एंड कंट्री क्लब के जनरल मैनेजर ऋषि मट्टू व प्रबंधन का कार्य देख रहे प्रदीप से मिली जानकारी के मुताबिक प्रोफेशनल गोल्फ टूर ऑफ़ इंडिया के सहयोग से अंतरराष्ट्रीय स्तर की दिल्ली चेलेंज प्रतियोगिता का आयोजन क्लासिक गोल्फ कंट्री क्लब कोर्स में हो रहा है।इसमें करीब 28 देशों से करीब 150 से अधिक नामचीन गोल्फर हिस्सा लेने वाले हैं। जिनमें इंडिया से सुधीर शर्मा, नीदरलैंड से कीट व्हेन व्वेले,स्वीडन से लांगफोर्स,इंग्लैंड से रिस् थॉमसन, स्कॉटलैंड से क्रेक होवी,बांग्लादेश से बादल हुसैन,फिनलैंड से ओलिवर लेंडल आदि है। प्रतियोगिता में इनामी राशि तीन लाख डॉलर तक होगी। जो आगामी 27 मार्च को समापन के मौके पर वितरित होगी। सभी गोल्फरों को होटल से मैदान तक लाने के लिए अलग-अलग समय के साथ बस की सुविधा की गई है। बता दे की नूंह के तावडू उपमंडल के गांव कोटा सीमा सराय में स्थित दक्षिण एशिया का यह बड़ा गोल्फ कोर्स है।जो जिसमें 27 हॉल है। इधर पूर्व में भी अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता का आयोजन होता रहा है। आईपीएल की तर्ज पर खेले जाने वाले सीजीपीएल के दो सत्र सफलतापूर्वक यहां पर हो चुके हैं।

केंद्र व राज्य सरकार की जनविरोधी नीतियों से अवगत कराने को होंगी कन्वेंशन

कंवेशन को संबोधित करते हुए रामपाल शर्मा।

कैथल। सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा की जिला स्तरीय कन्वेंशन जवाहर पार्क स्थित संगठन के कार्यालय में हुई जिसकी अध्यक्षता जिला प्रधान शिवचरण ने व संचालन जिला सचिव मास्टर रामपाल शर्मा ने किया। उन्होंने बताया कि केंद्र व राज्य सरकार की जनविरोधी नीतियों से कर्मचारियों को अवगत कराने हेतू ब्लॉक स्तरीय कन्वेंशन की जाएंगी। इसके तहत 19 मार्च को गुहला, 23 को पूंडरी, 26 को कैथल, 27 को कलायत, 29 मार्च को सीवन व 1 अप्रैल को राजौंद ब्लॉक की कन्वेंशन की जाएगी। मुख्य वक्ता के तौर पर अपने संबोधन में राज्य महासचिव नरेश कुमार ने कहा केंद्र व राज्य सरकार लगातार जनविरोधी नीतियों को लागू कर रही है। उन्होंने कहा कि निजीकरण पर रोक लगाने, कच्चे कर्मचारियों को पक्का करवाने, पुरानी पेंशन बहाल करने, वेतन विसंतियां दूर करने, बिना किसी शर्त एक्सग्रेसिया पॉलिसी लागू करने व हरियाणा कौशल रोजगार निगम को भंग करके खाली पदों पर स्थाई भर्ती करने आदि कर्मचारियों की मुख्य मांगों की लगातार अनदेखी की जा रही है। यदि अतिशीघ्र इन सभी मांगों का समाधान नहीं किया गया तो आने वाले समय में सरकार को इसका खामियाजा भुगतना पड़ेगा। इस अवसर पर जरनैल सिंह, रामकुमार शर्मा, ओमपाल भाल, छज्जू राम, विजय शर्मा, जयप्रकाश टीक, राजकुमार नापा, अमित बुरा, पवन शर्मा, स्वराज सिंह, संदीप सैनी, बलजिंद्र, सीड़ा, जगबीर सिंह, कुला राम, सतीश कुमार, विक्की टांक, राजकुमार, कपिल सिरोही, मास्टर नारायण दत्त, नरेश कुमार, सत्यवान, धर्मपाल, जसबीर व जोगिंद्र विशेष रूप से मौजूद रहे।

धनौरी गांव में कुरुक्षेत्र विश्विद्यालय का 9वां वार्षिक रत्नावली सांग उत्सव शुरू

अपनी प्रस्तुति देते हुए एमडी कालेज की छात्राएं।

पायनियर समाचार सेवा। कैथल

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के युवा एवं सांस्कृतिक विभाग के सौजन्य से धनौरी गांव की नेहरा चौपाल पर कल से चल रहे 9वें रत्नावली सांग महोत्सव में आज एसडी महिला महाविद्यालय की टीम ने पंडित लख्मीचंद द्वारा रचित राजा हरीशचंद्र सांग की प्रस्तुति दी। छात्राओं की इस मनमोहक प्रस्तुति ने मौजूद दर्शकों को भाव विभोर कर दिया। इस सांग में राजा हरिशचंद्र की भूमिका मोनिका, रानी मदनावत की भूमिका समीना, नकली की भूमिका प्रीति, कालिया की भूमिका मंजीत तथा रोहताश की भूमिका कोमल ने निभाते हुए अपने अपने अभिनय, गायन और नृत्य कला से उपस्थितजनों को सराबोर कर दिया। आज के कार्यक्रम के मुख्य अतिथि धनौरी गांव के सरपंच कपिल ढांडा रहे। उन्होंने अपने संबोधन में सांग का आयोजन धनौरी गांव में करने के लिए कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के युवा एवं सांस्कृतिक विभाग तथा आयोजनकर्ता कॉलेज के प्राचार्य डॉ. मनोज भांबू का धन्यवाद किया। आयोजनकर्ता राजकीय महाविद्यालय कैथल व राजकीय कन्या महाविद्यालय धनौरी के प्राचार्य डॉ मनोज कुमार भांबू ने मुख्य अतिथि को स्मृति चिन्ह भेंट करके उनका सम्मान किया और कहा कि वो धनौरी गांववासियों और संपूर्ण पंचायत को अपने सहयोग के लिए धन्यवाद करते हैं। महाविद्यालय की कल्चरल सेल के इंचार्ज डा. अमित पाहवा ने बताया कि 15 मार्च को आर्य कॉलेज पानीपत की टीम अपनी सांग प्रस्तुति देगी।

इस अवसर पर महाविद्यालय के डा. सुभाष शर्मा ने मंच संचालन करते हुए सांग की कला और उसके महत्व के बारे में संक्षिप्त परिचय देकर उपस्थित जन समूह को अवगत करवाया। इस आयोजन के लिए प्राचार्य ने एसडी महिला महाविद्यालय की छात्राओं की टीम, कल्चरल सेल इंचार्ज राजबीर और मनीषा तथा डा. भीम राव अंबेडकर राजकीय महाविद्यालय कैथल स्टाफ के सदस्यों डा. नवीन वर्मा, प्रो. सरिता, प्रो. नेहा, श्रीभगवान और सोनू को विशेष सहयोग देने के लिए धन्यवाद किया।

आरोही स्कूल प्रवेश परीक्षा 21 मार्च को

नूंह। आपकी जानकारी के लिए बता दूं कि प्रवेष परीक्षा उत्सव शुरू होने वाला है। आरोही मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल रेवासन के प्रिंसिपल भाल सिंह ने बताया के आरोही स्कूल प्रवेश परीक्षा दिनांक 21 मार्च 2024 को प्रात: 11 बजे से दोपहर 1 बजे तक कक्षा 6ह्लद्ध से 11ह्लद्ध तक प्रवेश परीक्षा होगी। जो निम्न परीक्षा केंद्रों पर आयोजित की जानी है। आप भी अपने बच्चों के बेहतर शिक्षा के लिए परीक्षा जरूर दिलाएं। जो निम्न प्रकार से होगी। नूंह में आरोही मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल रेवासन कोराली। पुन्हाना आरोही मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल मुण्डेता, तावडू आरोही मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल बावला, नगीना आरोही मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल मोहम्मदपुर नगर नगीना। फिरोजपुर झिरका आरोही मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल हसनपुर बिलोड़ा। आप अपने बच्चों को बेहतर शिक्षा के लिए परीक्षा जरूर दिलाएं। जो 21 मार्च 2024 (प्रात: 11.00 से दोपहर 1.00 बजे तक) होगी।

दि स्टेट ट्रेडिंग कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड
(वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के अधीन भारत सरकार का उद्यम)
(सीआईएन: L74899DL1956 GOI 002674)
जवाहर व्यापार भवन, टॉलस्टॉय मार्ग, नई दिल्ली-110001

ई-निविदा आमंत्रण सूचना

एस.टी.सी. ऑफ इन्डिया लिमिटेड, जवाहर व्यापार भवन, टॉल्सटॉय मार्ग, नई दिल्ली व एसटीसी हाउसिंग कॉलोनी, महरौली रोड, अधचिनी, नई दिल्ली में केवल ई-निविदा के माध्यम से हाउसकीपिंग की सेवाएं प्रोक्यूर की जानी है। ई-निविदा जमा करने/खोलने की तिथि **27.03.2024** है। इच्छुक पार्टियों विस्तृत जानकारी के लिए हमारी वेबसाईट **www.stclimited.co.in** तथा GeM ID- BID NUMBER: GeM/2024/B4738525 देखे।

पायनियर क्लासीफाइड

बेदखल सूचना

मैं बिमला आधार न.239009687097 पत्नी श्री ताराचंद गांव भटगांव माल्याण तहसील व जिला सोनीपत की हूं। ब्यान करती हूं कि नीरज मेरा पुत्र हैं। नेहा पत्नी नीरज मेरी पुत्र वधु हैं। ये दोनों मेरे कहने से बाहर हैं और मेरे साथ लड़ाई झगड़ा करते रहते हैं व गाली गलौंच भी करते हैं या वे दोनों किसी से कोई लेन-देन व कोर्ट केस करते है तो वे इसके लिए स्वंय जिम्मेवार होगें। मैं उपरोक्त दोनों को अपनी चल व अचल संपती से बेदखल करती हूं। मेरा भविष्य में इनके साथ कोई संबध नहीं है।

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक प्रवीण मोहंती द्वारा सोका क्रिएशन प्राइवेट लिमिटेड, प्लाट नंबर 262 आईकेएल, सेक्टर-24, फरीदाबाद (हरियाणा) से प्रकाशित और बीएफएल इंफोटेक लिमिटेड, सी-9, सेक्टर-3, नोएडा, जिला- गौतमबुद्ध नगर - 201301 (उ.प्र.) से मुद्रित। प्रधान संपादक : शोबोरी गांगुली, स्थानीय संपादक : प्रवीण मोहंती। दूरभाष नंबर : (0129) 4195000। पी.आई.बी. एक्ट के अनुसार सभी विवादित समाचारों की जिम्मेदारी लेखक की होगी। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापन के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं।

सीएए अधिसूचना

विवाद को हवा

सरकार ने सीएए नियमों की अधिसूचना जारी कर दी है। इस प्रकार गृह मंत्री ने चुनाव के पहले सीएए अधिसूचना जारी करने का वादा पूरा किया है। सीएए का उद्देश्य पाकिस्तान, अफगानिस्तान और बांग्लादेश में उत्पीड़ित अल्पसंख्यकों को भारतीय नागरिकता देना है। हालांकि, यह लंबे समय से विवाद का विषय रहा है। समर्थक इसे एक मानवतावादी कदम मानते हैं, जबकि आलोचक इसे भेदभाव वाला तथा लोकसभा चुनाव में मतदाताओं के ध्रुवीकरण का प्रयास मानते हैं। 11 मार्च को गृह मंत्रालय ने सीएए नियम लागू करने की अधिघोषणा जारी कर दी जिसमें तीन पड़ोसी देशों से 31 दिसंबर, 2014 से पहले आए हिंदू, सिख, जैन, बौद्ध, ईसाई व पारसी शरणार्थियों को भारतीय नागरिकता प्राप्त करने का प्राविधान किया गया है। 2019 के विधेयक का उद्देश्य भारतीय नागरिकता कानून, 1955 में संशोधन कर विशेष धार्मिक समुदायों के विदेशी आप्रवासियों को भारतीय नागरिकता देना था। इसे संसद ने दिसंबर में पास किया था। इसके फौरन बाद सीएए के खिलाफ देशव्यापी विरोध प्रदर्शन राजधानी में शाहीन बाग से शुरू होकर अनेक स्थानों पर फैल गए। अब नियमों की अधिघोषणा ने फिर विवाद को हवा दी है। मुसलमानों को कानून के दायरे से बाहर रखा गया है, इसलिए विपक्ष का तर्क है कि यह संविधान के पंथनिरपेक्ष सिद्धान्तों का उल्लंघन करता है।

सीएए समर्थकों का कहना है कि यह पड़ोसी देशों में उत्पीड़ित अल्पसंख्यकों की रक्षा के लिए जरूरी है। उनके अनुसार भारत की नैतिक जिम्मेदारी धार्मिक उत्पीड़न का शिकार लोगों को शरण देना है।

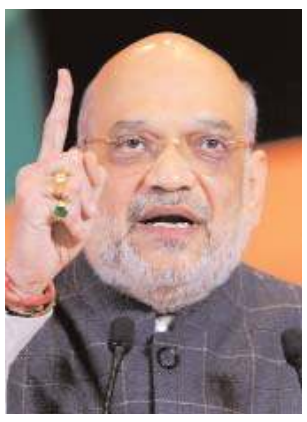

केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने 2019 में विधेयक पर बहस के दौरान स्पष्ट किया था कि देश के प्रथम प्रधानमंत्री समेत कई संविधान निर्माताओं ने पड़ोसी देशों में धर्म के आधार पर संभावित उत्पीड़ितों की सहायता का वादा किया था। लेकिन बाद में 'छद्म पंथनिरपेक्षता' के कारण इस तथ्य को अनदेखा किया गया, जबकि खासकर पाकिस्तान और बांग्लादेश में हिंदुओं, सिखों, बौद्धों व जैनों का उत्पीड़न लगातार बढ़ता गया। ये अल्पसंख्यक अपने मान-सम्मान तथा धर्म व प्राणों की रक्षा के लिए भारत पलायन करने पर मजबूर हुए। आज पाकिस्तान और बांग्लादेश में नाम मात्र के हिंदू व सिख बचे हैं जो भयानक उत्पीड़न के शिकार हैं। सीएए विरोधियों को इस बात पर भी गौर करना चाहिए कि देश का धर्म के आधार पर विभाजन होने के बावजूद भारत ने स्वयं को हिंदू राष्ट्र नहीं घोषित किया और वह पंथनिरपेक्षता के मार्ग पर चलता रहा क्योंकि यह हिंदू धर्म और विश्वासों में अंतर्निहित है। लेकिन कालान्तर में यह विकृत होकर 'तुष्टीकरण' में बदल गया। गृह मंत्री बार-बार कह चुके हैं कि सीएए 'नागरिकता छीनने नहीं नागरिकता देने वाला कानून' है, इसलिए भारत में रहने वाले किसी नागरिक या अल्पसंख्यक को इससे भयभीत होने की जरूरत नहीं है। विडंबना है कि विपक्षी दल 'वोटबैंक' राजनीति के कारण सीएए के खिलाफ लोगों को भड़काते हैं। कुछ विपक्षी दलों को यह 'डूबते को तिनके का सहारा' लगता है। हालांकि, पढ़े लिखे व मध्यमार्गी मुसलमानों का बड़ा तबका सीएए का विरोधी नहीं है। खासकर पसमांदा मुसलमानों के एक समूह का मानना है कि इससे उनको कोई खतरा नहीं है। सर्वोच्च न्यायालय न केवल सीएए को सही ठहरा चुका है, बल्कि केन्द्र सरकार से इसके नियमों की जल्दी से जल्दी अधिघोषणा जारी करने का निर्देश भी दे चुका है। अधिसूचना जारी होने से हजारों लोगों में खुशी की लहर है जो पूर्ण भारतीय नागरिक बनने की प्रतीक्षा कर रहे थे।

अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव की दौड़

सुपर ट्यूज़डे प्राइमरी चुनावों के दौरान बाइडेन ने अपनी स्थिति मजबूत बनाए रखी है, लेकिन ट्रंप के पुनः प्रभावी होने के अनुमानों ने राष्ट्रपति चुनाव की दौड़ तेज कर दी है।

कल्याणी शंकर
(लेखिका, वरिष्ठ पत्रकार हैं)

अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव की दौड़ तेज होती जा रही है। जहां सुपर ट्यूज़डे के दिन हुए प्रमुख प्राइमरी चुनावों के दौरान वर्तमान राष्ट्रपति जो बाइडेन ने अपनी स्थिति मजबूत बनाए रखी है, वहीं पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पुनः प्रभावी होने के अनुमानों ने राष्ट्रपति चुनाव की दौड़ और तेज कर दी है। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि संयुक्त राज्य अमेरिका का अगला राष्ट्रपति कौन होगा? वर्तमान राष्ट्रपति जो बाइडेन तथा पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप व्हाइट हाउस में पहुंचने के लिए प्रतियोगिता कर रहे हैं। उन्होंने सुपर ट्यूज़डे प्राइमरी में अधिकांश सीटों पर विजय पाई है। ऐसा लगभग 70 साल में पहली बार हो रहा है, जब राष्ट्रपति चुनाव की दौड़ इतनी तेज है। लेकिन अमेरिकनों को दोनों उम्मीदवारों में से चयन कठिन लग रहा है क्योंकि इस बारे में मतदाताओं में कोई खास जोश नहीं है। 5 मार्च को 15 राज्यों और एक क्षेत्र में मतदाताओं ने प्राइमरी चुनावों में अपने मतों का प्रयोग किया।

दोनों उम्मीदवारों ने लगभग सभी मुकाबलों में जीत हासिल की जिससे सुपर ट्यूज़डे प्राइमरी कैलेंडर में सर्वाधिक महत्वपूर्ण स्थान पर आ गया है। यह दिन इसलिए महत्वपूर्ण था क्योंकि इस दिन कुल प्रतिनिधियों के लगभग एक तिहाई का निर्णय हुआ जिनमें 865 रिपब्लिकन तथा कम से कम 1,420 डेमोक्रेटिक थे। अब दोनों उम्मीदवार 5 नवंबर को होने वाले आम चुनाव की तैयारी कर रहे हैं। अमेरिका में चुनाव वर्ष में सुपर ट्यूज़डे उम्मीदवारों और पार्टियों के लिए महत्वपूर्ण दिन था। उम्मीदवारी जीतने के लिए निश्चित संख्या में प्रतिनिधियों का समर्थन प्राप्त करना जरूरी है। रिपब्लिकनों के लिए उम्मीदवार को 2,429 प्रतिनिधियों में से 1,215 का समर्थन प्राप्त करना जरूरी है। इसी प्रकार डेमोक्रेटों में राष्ट्रपति उम्मीदवारी के लिए 3,934 प्रतिनिधियों में से 1,968 का समर्थन पाना जरूरी है।

अमेरिका में राष्ट्रपति उम्मीदवारों की आयु को लेकर काफी आलोचना होती रही है। संयुक्त राज्य अमेरिका में राष्ट्रपति की दौड़ में शामिल 77 वर्षीय डोनाल्ड ट्रंप तथा 81 वर्षीय जो बाइडेन की आयु को लेकर काफी आलोचना हुई है। अनेक अमेरिकी मतदाताओं का कहना है कि अपनी बढ़ती आयु के कारण वे राष्ट्रपति पद की जिम्मेदारी का सफल निर्वहन नहीं कर सकेंगे। लेकिन इस आलोचना के बावजूद दोनों उम्मीदवार अपनी पार्टियों का नामांकन प्राप्त करने में सफल हुए हैं। इससे सिद्ध होता है कि बढ़ती आयु उनकी राजनीतिक सफलता में बाधा नहीं है। अनेक चुनौतियों का सामना करने के बावजूद पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप इस बार प्राइमरी चुनावों में विजय पाने में सफल हुए हैं। उनके समक्ष अनेक कानूनी चुनौतियां थीं तथा एक राज्य में मतदाताओं की सूची से उनका नाम भी हटा दिया गया था, लेकिन अंततः वे सर्वोच्च न्यायालय में विजय पाने में सफल हुए। हालिया जनमत सर्वेक्षणों के अनुसार डोनाल्ड ट्रंप लोकप्रियता के दृष्टिकोण से वर्तमान राष्ट्रपति जो बाइडेन से आगे हैं। लेकिन इसके बावजूद दोनों उम्मीदवारों के बीच मुकाबला बहुत कड़ा है।

रिपब्लिकन पार्टी में संयुक्त राष्ट्रसंघ में अमेरिकी राजदूत रही निक्की हेली ट्रंप की मुख्य प्रतियोगी थीं, पर उन्होंने अंततः प्रतिद्वंद्विता से हटने का निर्णय किया। इसके कारण ट्रंप को 946 प्रतिनिधियों का समर्थन प्राप्त हुआ और वे रिपब्लिकन पार्टी की ओर से उम्मीदवार घोषित होने वाले हैं। 2020 में चुनाव परिणाम अपने पक्ष में न आने के बाद ट्रंप समर्थकों ने जनादेश उलटने का प्रयास किया था। इसके परिणामस्वरूप ट्रंप को इस मामले के साथ ही तीन अन्य मामलों में कानूनी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। ट्रंप अपने समक्ष उपस्थित कानूनी चुनौतियों से हतोत्साहित नहीं हुए और उन्होंने 2020 में व्हाइट हाउस छोड़ने के फौरन बाद से 2024 राष्ट्रपति चुनाव के लिए अभियान चलाना शुरू कर दिया था। सुपर ट्यूज़डे को प्राइमरी चुनावों में विजय के बाद डोनाल्ड ट्रंप ने 'फाक्स न्यूज़' को दिए एक साक्षात्कार में कहा कि उन्हें रिपब्लिकन पार्टी का नेतृत्व कर गर्व की अनुभूति हो रही है और वे देश को बेहतर स्वास्थ्य तथा समृद्धि की ओर ले जाना चाहते हैं। ट्रंप का आत्मविश्वास अमेरिकी राजनीति में अभूतपूर्व है।

वर्तमान राष्ट्रपति जो बाइडेन को अपने राष्ट्रपति कार्यकाल में अनेक चुनौतियों का सामना करना पड़ा है। इसमें कोविड-19 वैश्विक महामारी, उच्च मुद्रास्फीति दर, महत्वपूर्ण औद्योगिक नीति विधेयक तथा अफगानिस्तान, यूक्रेन व मध्यपूर्व में टकराव शामिल हैं। पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपने कार्यकाल में 'मेक अमेरिका ग्रेट अगेन' का नारा लगाते रहे हैं, पर हालिया जनमत सर्वेक्षणों से स्पष्ट है कि अमेरिका को ऐतिहासिक विसंगतियों से निपटने के लिए ज्यादा उत्साह की जरूरत है। चुनावों में मतदाताओं की घटती संख्या ने भी अमेरिकन राजनीतिक विश्लेषकों में चिन्ता पैदा की है। अनेक अमेरिकन अपने देश की आंतरिक व आर्थिक स्थितियों तथा दुनिया में अमेरिका के घटते दबदबे से चिन्तित हैं। ऐसे में अमेरिका में राष्ट्रपति पद के दोनों उम्मीदवारों को अमेरिकी जनता की समस्याओं पर ध्यान देते हुए भविष्य की ऐसी योजनायें पेश करनी चाहिए जिनसे देश भावी चुनौतियों का सामना कर सके। इसके लिए जनता में विश्वास पैदा करने की जरूरत है।

दोनों उम्मीदवार मतदाताओं को हतोत्साहित कर रहे हैं कि वे उसके विरोधी को वोट न दें। जो बाइडेन को विजय का विश्वास है। उनका मानना है कि मतदाताओं को आगे बढ़ने या ट्रंप के दिनों में वापस लौटने के बीच चयन करना है जब शासन-प्रशासन भयानक आलोचनाओं का शिकार था। जो बाइडेन ने कहा है, 'मैं युवा नहीं हूं, लेकिन मैं जानता हूं कि अमेरिकन जनता के लिए चीजों को कैसे ठीक किया जा सकता है।' बाइडेन को डेमोक्रेटिक उम्मीदवार बनने के लिए 1,968 प्रतिनिधियों का समर्थन चाहिए और वे 19 मार्च को इस संख्या तक पहुंच सकते हैं। 12 और 19 मार्च के मुकाबलों के बाद डोनाल्ड ट्रंप के भी रिपब्लिकन उम्मीदवार बनने की आशा है। पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को अनेक कानूनी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। इनमें दो महाभियोग कार्यवाहियां, चार आपराधिक मामले तथा 91 आपराधिक आरोप शामिल हैं। इसके साथ ही वे 450 मिलियन डालर मामले में सिविल कोर्ट निर्णय की प्रतीक्षा कर रहे हैं। वैश्विक महामारी के दौरान उनके असंगठित नेतृत्व ने उनकी छवि पर नकारात्मक प्रभाव डाला है। इसके बावजूद वे अपना जनाधार बनाए रखने में सफल हुए हैं और स्वयं को 'पीड़ित' की तरह पेश करते हैं। मंगलवार को चुनाव में विजय के बाद पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप ने अपने प्रतिद्वंद्वी जो बाइडेन को बहस की चुनौती दी है। उम्मीदवार ऐसी बहसों में अपनी उपलब्धियां बताने के साथ देश के लिए लक्ष्य परिभाषित करते हैं तथा मतदाताओं को विपक्षी को वोट न देने की सलाह देते हैं। ट्रंप ने किसी समय, किसी भी स्थान पर बहस की चुनौती दी है। उनका विश्वास है कि वे अमेरिकनों को लाभान्वित करने के लिए महत्वपूर्ण हैं। लेकिन जो बाइडेन ने उनकी चुनौती स्वीकार नहीं की है। ऐतिहासिक रूप से राष्ट्रपति जेराल्ड फोर्ड के बाद किसी निवर्तमान राष्ट्रपति ने प्राइमरी में बहस में हिस्सा नहीं लिया है। ट्रंप अभियान में आर्थिक मामलों, आप्रवास नीति तथा यूक्रेन व इज़राइल के प्रति अमेरिकी दृष्टिकोण में बाइडेन की विफलताओं पर निशाना लगाया जाएगा।

बाइडेन 2020 चुनाव परिणाम उलटने के प्रयास तथा कैपिटाल हिल पर दंगों में उनकी कथित भूमिका को लेकर ट्रंप पर निशाना लगाएंगे। बाइडेन को अपनी आयु से संबंधित चिन्ताओं को संबोधित करते हुए अर्थव्यवस्था व आप्रवास पर अपनी रेटिंग सुधारने का प्रयास करना चाहिए। सुपर ट्यूज़डे के बाद 2024 राष्ट्रपति चुनाव की गतिविधियां तेज होंगी। अगले आठ महीनों में नकारात्मक अभियान रणनीतियां तेज होंगी। अमेरिकन मतदाताओं के समक्ष विकल्प सीमित हैं और वे दोनों उम्मीदवारों से बहुत प्रसन्न नहीं हैं। हालिया जनमत सर्वेक्षणों में दोनों की रेटिंग 50 प्रतिशत से कम है। लोग दोनों उम्मीदवारों के सकारात्मक और नकारात्मक पक्ष जानते हैं। दोनों मुख्य पार्टियां भी संभावित उम्मीदवारों को अपनी बड़ी समस्या मानती हैं। ट्रंप की विजय से लोगों को गिरावट की आशंका है, जबकि बाइडेन की विजय से मामूली परिवर्तन हो सकते हैं।

शिक्षक कल्याण को प्राथमिकता

> "शिक्षक कल्याण को प्राथमिकता मिलने से इस पेशे में प्रतिभाशाली लोग आना पसंद करेंगे।"

साक्षी सेठी
(लेखिका, शिक्षक हैं)

शिक्षा प्राचीन काल से कभी स्थिर नहीं रही है। इसमें हमेशा समाज में तकनीकी परिवर्तनों के साथ प्रगति होती है। वे दिन बीत गए जब पढ़ाई केवल पाठ्यपुस्तकों तथा परंपरागत विधियों से होती थी और शिक्षकों का काम केवल सवेरे 8 बजे से 2 बजे तक सीमित था। आज शिक्षक की बेहतरी शिक्षा व्यवस्था का मुख्य आयाम है जिसका प्रभाव न केवल शिक्षा की गुणवत्ता, बल्कि सीखने के समग्र परिवेश की प्रभावशीलता पर भी पड़ता है।

शिक्षकों की वर्तमान पीढ़ी को अनेक दबावों का सामना करना पड़ता है जिसमें कक्षा प्रबंधन, ग्रेडिंग तथा छात्रों की अनेक आवश्यकतायें पूरी करना शामिल है। शिक्षक की बेहतरी इसलिए महत्वपूर्ण है, लेकिन अक्सर शिक्षा व्यवस्था में उसकी अनदेखी होती है। शिक्षक बेहतरी के विभिन्न आयामों में शिक्षाशास्त्रियों के समक्ष उपस्थिति समस्यों के साथ ही शिक्षक का शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य बेहतर बनाना है क्योंकि इसका प्रभाव सीधे न केवल उसके व्यक्तिगत जीवन, बल्कि शिक्षा की गुणवत्ता पर भी पड़ता है।

हाल के वर्षों में यह स्वीकार किया जाने लगा है कि शिक्षक की बेहतरी से शिक्षा अनुभव में सकारात्मक और टिकाऊ सुधार होता है। विभिन्न मानसिक क्रियाओं, तनाव प्रबंधन तकनीकों तथा मानसिक स्वास्थ्य संसाधनों तक पहुंच मानसिक बेहतरी के कुछ प्रमुख आयाम हैं। शिक्षकों का सशक्तीकरण शिक्षा के भविष्य के लिए महत्वपूर्ण है, इसलिए शिक्षक की बेहतरी पर जोर देना आवश्यक है।

यह शिक्षकों को पेशे में बनाए रखने के साथ इस पेशे में नई प्रतिभा को आकर्षित करने के लिए जरूरी है। इस तथ्य से इनकार नहीं किया जा सकता है

कि अत्यधिक तनाव तथा बर्नआउट के कारण शिक्षकों का व्यवहार प्रभावित होता है इससे सीखने के परिवेश के स्थायित्व व निरंतरता पर भी प्रभाव पड़ता है। शिक्षक की बेहतरी से रोजगार में संतोष विकसित हो सकता है जिससे प्रतिभाशाली लोग शिक्षक के पेशे में आने को प्रेरित हो सकते हैं तथा शिक्षक पेशे में बने रह सकते हैं।

शिक्षकों का शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य बेहतर होने पर ही वे सीखने का सकारात्मक परिवेश विकसित कर सकते हैं। शिक्षकों का समर्थन करने वाले मूल्यों को प्रोत्साहन देने के साथ उनको पेशे में प्रगति के अवसर मिलने चाहिए। शिक्षकों को लचीले कार्यदिवस के अवसर मिलने चाहिए ताकि कार्य और जीवन में बेहतर संतुलन स्थापित हो सके। ऐसा करने से ही शिक्षक पेशेवर रूप से अपनी पूरी क्षमता प्राप्त कर सकेगा। इसके साथ ही शिक्षक के कठोर श्रम को स्वीकार करने और उसका सम्मान करने से ही उसकी कार्य के प्रति प्रतिबद्धता बढ़ेगी तथा सकारात्मक कार्य संस्कृति विकसित होगी। केवल इतना ही नहीं शिक्षक का योगदान स्वीकार करने के लिए पुरस्कारों, आयोजनों ओर अभिव्यक्तियों का महत्वपूर्ण स्थान है। शिक्षक को उसके कार्य के लिए धन्यवाद देने से उसके प्रयास और मजबूत होंगे।

काम के बोझ की तार्किक उम्मीद से स्वस्थ कार्य-जीवन संतुलन स्थापित किया जा सकता है। इसके लिए लचीले कार्यदिवस, कार्य तथा व्यक्तिगत जीवन के बीच स्पष्ट विभाजक रेखाओं से बर्नआउट से मुक्ति मिल सकती है। सशक्त शिक्षाशास्त्रियों व शिक्षकों का प्रभाव कक्षा से बाहर भी पड़ता है जिससे शिक्षा के परिदृश्य में सुधार आता है तथा सीखने वालों की भावी पीढ़ियों की प्रगति आसान होती है।

इसके साथ ही पेशेवर विकास से सुनिश्चित होगा कि शिक्षक अपने क्षेत्र की नवीनतम प्रवृत्तियों से परिचित होंगे तथा शिक्षा देने में सर्वोत्तम व्यवहारों का प्रयोग करेंगे। याद रखें कि शिक्षक सशक्तीकरण केवल एक अवधारणा नहीं है। यह शिक्षा को उत्कृष्ट बनाने के लिए महत्वपूर्ण प्रेरक है। स्वायत्ता, पेशेवर विकास, नेतृत्व के अवसर तथा सहायक परिवेश विकसित कर संस्थानों के ऐसे प्रबंधन में सहायता मिल सकती है जिनसे शिक्षकों को अपनी पूरी क्षमता विकसित करने में सहायता मिले। इस प्रकार हम एक जीवन्त, खोजी तथा प्रेरक शिक्षा परिदृश्य तैयार कर सकते हैं जिससे शिक्षकों तथा छात्रों को समान रूप से लाभ होगा। संचार साधनों के विकास तथा इंटरनेट के बढ़ते प्रसार से शिक्षकों से छात्रों तथा समाज की उम्मीदें तेजी से बढ़ती जा रही हैं। इसे देखते हुए शिक्षक को नई जानकारियों से लैस रहना होता है। इसलिए शिक्षक सशक्तीकरण और जरूरी हो जाता है।

आप की बात

विपक्ष का विलाप

भारत सरकार ने नागरिकता संशोधन कानून-सीएए की अधिसूचना जारी कर दी है। इस पर कांग्रेस सहित सभी विपक्षी दलों ने अकारण शोर मचाना शुरू कर दिया है। नागरिकता संशोधन कानून तो पहले ही पास किया जा चुका था मगर बेवजह की अड़चनें पैदा करके इसे लागू नहीं होने दिया गया। अब यदि सरकार ने ठीक चुनाव से पहले इसकी घोषणा की है तो चुनाव में इस पर देशवासियों की मोहर भी लग जाएगी। जब इसे जनादेश मिलेगा तो किसी को भी किसी प्रकार की आपत्ति उठाने का हक नहीं होगा। भारतीय लोकतंत्र में यदि जनता नागरिकता संशोधन को समर्थन देती है तो उसे सबको स्वीकार करना होगा क्योंकि जनता की अदालत ही सबसे बड़ी अदालत है। यदि हिंदुओं को भारत में नागरिकता नहीं मिलेगी तो क्या पाकिस्तान में मिलेगी? आखिर इस्लामी देशों में धर्म के आधार पर उत्पीड़ित हिंदू, सिख, बौद्ध और जैन किस देश से उम्मीद करेंगे? बहुसंख्यकवाद का आरोप लगाने वाला विपक्ष इस्लामी देशों में अल्पसंख्यकों की दुर्दशा पर मौन क्यों रहता है? हमारे देश के कुछ विपक्षी दलों को राष्ट्रीय हित के हर निर्णय पर उंगली उठाकर जनता को दिगभ्रमित करने की आदत पड़ चुकी हैं। मगर अब जनता विपक्ष की सभी राजनीतिक कुटिलताओं से वाकिफ हो चुकी है।

– **विभूति बुपक्या,** खाचरोद

सीएए का विरोध

सीएए कानून पास करने से लेकर आज तक भारत के कुछ मुस्लिम धर्मगुरु एवं कुछ नेता इसके बारे में आपत्तिजनक बातें कर रहे हैं। वे कहते हैं कि इस कानून से देश के मुसलमानों को बड़ा खतरा उत्पन्न होने वाला है एवं उनकी नागरिकता जाने का खतरा है। यह सरासर झूठ तथा मुसलमानों को भड़काने का प्रयास है। कानून को पास करने के समय ही संसद में गृहमंत्री ने कहा था कि इस कानून द्वारा अफगानिस्तान, पाकिस्तान एवं बांग्लादेश में रहने वाले अल्पसंख्यकों को प्रताड़ित होने पर भारत में नागरिकता दी जा सकेगी तथा भारत में रहने वाले मुसलमानों की स्थानीय नागरिकता पर इसका कोई भी असर नहीं होगा। मगर इसके बावजूद कानून को लेकर कई तरह की भ्रातियां फैलाई जा रही है। विडंबना है कि संविधान की शपथ लेने वाले दो-तीन राज्यों के मुख्यमंत्री भी इसका विरोध कर रहे हैं। वैसे नागरिकता देने का काम केन्द्र सरकार का है जिसने इसके लिए पोर्टल भी जारी कर दिया है। ऐसे में राज्य सरकारों के विरोध का कोई औचित्य इसलिए भी नहीं है कि सर्वोच्च न्यायालय ने सीएए कानून को सही माना है। कानून की अधिसूचना जारी कर भाजपा सरकार ने अपना एक वादा पूरा किया है और यही- मोदी की गारंटी है।

– **एमएम राजावत,** शाजापुर

भारत की संपदा

ब्रिटिश आक्रांताओं द्वारा भारत से कोहिनूर हीरा सहित हजारों बहुमूल्य वस्तुएं ब्रिटेन ले जाई गई जिन्हें वहां के संग्रहालयों में रखा गया है। कोहिनूर को भारत में वापस लाने की मांग आजादी के बाद से ही की जा रही है। मगर इसके लिए उच्च स्तरीय राजनीतिक प्रयास नहीं किए गए। इसके चलते भारत की अनमोल संपदा तथा विरासत के दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण हजारों कलाकृतियां, मूर्तियां, प्राचीन हथियार, आदि आज भी भारत से दूर विदेशों में संग्रहालयों या कुछ लोगों के घरों की शोभा बढ़ा रहे हैं। भारत सरकार को कोहिनूर सहित देश की सभी धरोहरें वापस भारत में लाने के लिए सक्रिय प्रयास करने चाहिए। ब्रिटेन की महारानी ने भारत के अलावा जिन अन्य देशों पर ब्रिटेन ने अधिपत्य किया था उनसे इस बारे में माफी मांग ली थी मगर भारत से माफी नहीं मांगी थी। जाहिर है कि तब भारत सरकार इसके प्रति उदासीन थी। मोदी सरकार ने पिछले दस साल में पहले के किसी भी समय की तुलना में विदेशों से भारतीय बहुमूल्य वस्तुएं व कलाकृतियां वापस लाने में सफलता पाई है। ऐसे में उम्मीद करनी चाहिए कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी देश में कोहिनूर हीरा भी वापस लाने का प्रयास तेज करेंगे। ब्रिटेन को भी इस मामले में संवेदनशीलता बरतनी चाहिए।

सुभाष बुड़ावन वाला, रतलाम

सशक्त नौसेना

भारत के समक्ष अनेक सैनिक चुनौतियां बनी हुई हैं जिनका सफलतापूर्वक मुकाबला किया जा रहा है। थलसेना और वायुसेना की मजबूती के साथ ही अब नौसेना के क्षेत्र में भी हमारा पराक्रम पूरी दुनिया देख रही है। भारतीय नौसेना हमारी सुरक्षा के अलावा अन्य देशों के साथ होने वाली समुद्री लूट से बचाव का भी कवच बनी है। हमारे नौसैनिकों ने अल्प समय में ही अनेक समुद्री लुटेरों के छक्के छुड़ाए हैं। हाल ही में भारतीय युद्धपोत आईएनएस कोलकाता ने अदन की खाड़ी में हाउती विद्रोहियों के मिसाइल हमले का शिकार बने बारबाडोस ध्वज लगे मालवाहक जहाज एमवी ट्रू कॉन्फिडेंस को ड्रोन या मिसाइल हमले से बचाया है। भारत की सशक्त नौसेना दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था की शक्ति भी प्रदर्शित करती है जो अपने वाणिज्यिक जहाजों के साथ ही दुनिया के अन्य देशों के जहाजों को भी सुरक्षा दे रही है। भारतीय नौसेना के अभी और विस्तार तथा मजबूती की आवश्यकता है क्योंकि हिंद महासागर में चीन की बढ़ती आक्रामकता तथा भारत-विरोधी अड्डे बनाने में उसकी सक्रियता लगातार बढ़ रही है।

– **अमृतलाल मारू,** इंदौर

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से pioneerhry@gmail.com पर भी भेज सकते हैं।

जेजेपी से संगठन स्तर पर गठबंधन था ही नहीं

प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात के बाद बोले नायब सैनी

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने गुरुवार को जननायक जनता पार्टी से भाजपा के चुनावी गठबंधन न करने के सवाल पर कहा कि इस बारे में जन भावनाओं को ध्यान में रखते हुए उच्च स्तर पर निर्णय लिया गया है। यह गठबंधन संगठन स्तर पर था ही नही।

नई दिल्ली में मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर पूछे गए सवाल पर नायब सिंह सैनी ने कहा कि इस मामले में चर्चा हुई है। जल्द इस विषय को आगे बढ़ाया जाएगा। पूर्व गृह मंत्री अनिल विज की नाराजगी के सवाल मुख्यमंत्री ने कहा कि विज साहब हमारे वरिष्ठ नेता है और उनका आशीर्वाद हमारे साथ है। कल भी विधानसभा में हम साथ थे। एक अन्य सवाल के जवाब में मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में लोकसभा की छह सीटों के लिए प्रत्याशियों की घोषणा कर दी गई है और बाकी चार की भी जल्द ही घोषणा हो जाएगी। इसके साथ उन्होंने दावा किया कि हरियाणा में जनता सभी 10 सीटों पर कमल खिलाने का मन बना चुकी है। नायब सैनी ने कहा कि देश और प्रदेश की जनता कांग्रेस के कुशासन को भूली नहीं है, तब एक गैस सिलेंडर के लिए तीन दिन तक लाइन में लगना पड़ता था और हर मामले में भ्रष्टाचार चरम पर था।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार ने जनकल्याणकारी योजनाएं लागू कर गरीब परिवारों तक लाभ पहुंचाने का काम किया है। लोकसभा चुनाव में तीसरी बार फिर से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सरकार बनेगी, ऐसा देश की जनता फैसला ले चुकी है। हरियाणा की जनता भी लोकसभा चुनाव में सभी 10 सीटों पर कमल खिलाकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की झोली में डालने का काम करेगी।

नायब सिंह सैनी गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से दिल्ली में उनके आवास पर मुलाकात के बाद हरियाणा भवन में मीडिया से बातचीत कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आशीर्वाद मिला है, कई विषयों पर चर्चा हुई है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सोच है कि सभी को साथ लेकर देश को आगे बढ़ाया जाए। उनके नेतृत्व में डबल इंजन की सरकार ने पिछले दस वर्षों में जो काम किए है, उनसे देश और प्रदेश में नया भारत-नया हरियाणा, विकसित भारत-विकसित हरियाणा आज लोगों को नजर आ रहा है। हरियाणा में मनोहर लाल के नेतृत्व में प्रदेश में बहुत विकास हुआ है और गुड गर्वेनेंस का उदाहरण रहा है। उन्होंने कहा कि हम उन कार्यों को आगे बढ़ाएंगे।

भरपूर चुनौतियों से सजा है

नायाब तरीके से मिला नायब सैनी को हरियाणा की सत्ता का नवाबी वाला ताज

सियासी समीकरण के साथ साथ सभी वर्गों को साथ लेकर चलना मुश्किल भरी है डगर

पायनियर समाचार सेवा। रोहतक

हरियाणा में पहली बार कांग्रेस से सत्ता से बाहर कर प्रदेश व केंद्र में भाजपा की सरकार आई तो हरियाणा में पंजाबी वर्ग से मनोहर लाल खट्टर को सूबे की कमान सौंपी गई। मनोहर लाल ने सरकार की सामने आने वाले सभी चुनौतियों को स्वीकार करते हुए उन्हें यथा संभव प्रयास करते हुए अपनी सरकार चलाई और और बिना पर्ची खर्ची वाली परंपरा चलाकर युवाओं को योग्यता के आधार पर नौकरी देकर अपनी ईमानदारी का लोहा भी मनवाया। इसी इमानदारी के चलते अब उनको केंद्र में बड़ी भूमिका के रूप में लेने के चलते केंद्र ने उनका मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा करवा कर करनाल से लोकसभा का प्रत्याशी भी घोषित कर दिया और सूबे की कमान उनके सारथी रहे नायब सैनी के हाथों में सौंप दी। नायब सैनी को एकाएक मुख्यमंत्री का जो ताज मिला है, उसमें उनको खुद को साबित करने के लिए पहले कई अग्नि परीक्षाओं से गुजरना पड़ेगा। उनकी पहली अग्नि परीक्षा पार्टी नेताओं को एकजुट रखने की है क्योंकि पार्टी में उनको जो पद दिया गया वो पार्टी के कई वरिष्ठ सदस्य और कद्दावर नेताओं को साइड में रखकर दिया है, जिसमें सबसे बड़ा नाम अनिल विज का है। क्योंकि नायब सैनी के नाम की घोषणा होते ही वो चंडीगढ़ छोड़कर अपने निवास स्थान अंबाला लौट आये थे और उनके शपथ ग्रहण समारोह से दूरी बना ली थी। विज को साधने का जिम्मा नायब सिंह पर होगा और साथ ही जिस तरह से उनके तेवर हैं, उसके चलते सियासी बैलेंस बनाकर चलना किसी चुनौती से कम नही है। विज के साथ अन्य निर्दलयीय विधायकों के साथ भी नायब सैनी को अपना सियासी बैलेंस बनाकर चलना पड़ेगा। नायब सैनी को दो महीने के अंदर ही एक दूसरी परीक्षा से गुजरना होगा जिसका नाम होगा लोकसभा चुनाव 2024। इस परीक्षा में नायब सैनी को न केवल पिछली बार की तरह भाजपा को शत-प्रतिशत यानि कि दस की दस लोकसभा सीटें जितवाकर भाजपा को देनी होगी।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को अपनी ही पार्टी के नेताओं को विश्वास में लेना होगा क्योंकि भले ही पार्टी के कुछ वरिष्ठ नेता 2019 का चुनाव हार कर भाजपा सरकार में शामिल भले ही ना लेकिन वे अभी भी भाजपा की मुख्यधारा की राजनीति में शामिल है। ऐसे में भले ही वो मंत्रीमंडल में शामिल न हो लेकिन उनकी भाजपा में स्वीकार्यता जरूर है ऐसे में नायब को इन सभी नेताओं के साथ ओबीसी समाज व विशेष तौर पर जाट समाज में भाजपा के ग्राफ बढ़ाना भी चुनौती रहने वाला है। हरियाणा नवाबी के इस चुनौतियों से सजे ताज को प्राप्ति पर नायब सिंह सैनी को लोकसभा चुनाव में सभी सीटे जीतना, हरियाणा में सत्ता की हैट्रिक लगाना सियासी समीकरणों के साथ साथ पूरे हरियाणा के पार्टी नेता व संगठन के पदधिकारियों को साधकर सबकी अपेक्षाओं पर खरा उतरने की चुनौतियां को पार करना होंगीं।

बाबा मस्तनाथ महाराज की स्मृति में विश्व विख्यात सालाना मेला

मेले की तैयारियों में प्रसाद बनाते हुए मिठाई कारीगर

रोहतक। रोहतक में अस्थल बोहर मठ में प्रतिवर्ष परम सिद्ध शिरोमणि बाबा मस्तनाथ महाराज की स्मृति में लगने वाले तीन दिवसीय सालाना मेला 16 मार्च से शुरू होने जा रहा है। अस्थल बोहर स्थित नाथों के तपोभूमि बाबा मस्तनाथ मठ में 300 साल से वार्षिक मेला लगता आ रहा है। आस्था और संस्कृति के संगम में शनिवार से लगने वाले तीन दिवसीय वार्षिक मेले से पहले व्यवस्थाओं के संबंध में बताया गया है। इस मेले का आयोजन फाल्गुन मास के शुक्ल पक्ष की सप्तमी, अष्टमी एवं नवमी (16, 17 व 18 मार्च) को किया जाएगा। तीन दिवसीय सालाना मेला आस्था और संस्कृति का परम संगम है, जो पिछले 301 वर्षों से आयोजित होता आ रहा है। मेले का आयोजन फाल्गुन मास की शुक्ल पक्ष की सप्तमी, अष्टमी एवं नवमी तिथि को होता है। नाथ संप्रदाय में बाबा मस्तनाथ के प्रति श्रद्धा रखने वाले श्रद्धालु इन दिनों में समाधिस्थल और बाबा के विश्व प्रसिद्ध धूणे पर मत्था टेककर मन्नत मांगते हैं। पूरी दुनिया में ख्याति प्राप्त अस्थल बोहर मठ आदिकाल से ही योगीजनों की तपस्थली रहा है। जिन श्रद्धालुओं की मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं, वह भी समाधिस्थल पर शीश नवाते हैं। सप्तमी से शुरू होने वाले मेले की तैयारियां शुरू हो गई हैं. इस वार्षिक मेले के लिए पूरे मठ प्रांगण को एक अनुपम छटा प्रदान की गई है। विशेष लाइटिंग से मठ को सुशोभित किया गया है। वहीं, बच्चों के मनोरंजन के लिए झूलें आदि का विशेष प्रबंध किया गया है। मेले में आने वाले सभी श्रद्धालुओं के लिए भंडारे का भी प्रबंध किया गया है।

मैस्ट्रोज 2024 कार्यक्रम में छाए खालसा के विद्यार्थी

पायनियर समाचार सेवा। करनाल

गुरू नानक खालसा कॉलेज के विद्यार्थियों ने पाइट कॉलेज पानीपत में आयोजित मैस्ट्रोज 2024 कार्यक्रम में चार पुरस्कार जीत कर कॉलेज का नाम रोशन किया है। कॉलेज के प्राचार्य डा. गुरिन्द्र सिंह ने बताया कि ड्यूट गायन में केशव और मंशा ने पहला स्थान प्राप्त किया। वहीं मंशा ने हिंदी गजल और श्लोक गायन में भी पहला स्थान प्राप्त किया। जबकि केशव ने हिंदी गजल गायन में दूसरा स्थान प्राप्त किया। कॉलेज प्रबंधन समिति की महासचिव सरदारनी जसप्रीत कौर विर्क ने कॉलेज पहुंचने पर विद्यार्थियों को मिठाई खिलाकर उनका स्वागत किया और सभी को कॉलेज की तरफ से हर संभव सहायता उपलब्ध करवाने का विश्वास दिलाया। कॉलेज प्रबंधन समिति के प्रधान कंवरजीत सिंह प्रिंस ने कहा कि कॉलेज पूर्व प्रधान एवं सांसद स्व. स. तारा सिंह जी के दिखाए मार्ग पर चलते हुए निरंतर नए आयाम स्थापित कर रहा है। विद्यार्थियों ने अपनी उपलब्धि का श्रेय संगीत विभाग के अध्यक्ष डा. कृष्ण अरोड़ा को दिया जिनके निर्देशन में इन्होंने गीत, गजल तैयार की थी। इस अवसर पर सांस्कृतिक गतिविधियों के प्रभारी डॉ. बीर सिंह, मास्टर राजेश, देवेंद्र शर्मा एवं अन्य उपस्थित रहे।

मस्जिदों और कब्रिस्तान की चारदीवारी बनाने को चैक बांटे

जालंधर। करतारपुर विधानसभा क्षेत्र में छह गांवों की पंचायतों को मस्जिदों की संभाल और कब्रिस्तान की चारदीवारी बनाने के लिए पंजाब के स्थानीय निकाय मंत्री बलकार सिंह ने 14.50 लाख रुपये के चैक बांटे।इस दौरान उनकी पत्नी हरप्रीत कौर भी उनके साथ मौजूद थी। केबिनेट मंत्री ने बलकार सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली राज्य सरकार जाति व धर्म से उपर उठकर समाज के सभी वर्गों का भलाई करने के वचनबद्ध है। केबिनेट मंत्री ने बताया कि इन गांवों में मस्जिद व कब्रिस्तान से संबंधित मुस्लिम भाइचारे द्वारा काफी से इस संबंधी मांग की जा रही थी। बलकार सिंह ने कहा कि पंजाब सरकार सभी धर्मों के लोगों और उनकी जरूरतों को पूरा कर रही है साथ ही इन कार्यों के लिए फंड की कोई कमी नहीं है। बलकार सिंह ने वक्खू नंगल गांव में चार रुपये का चैक कब्रिस्तान की चारदीवारी बनाने के लिए गांव की पंचायत को सौंपा। इस गांव में एक मस्जिद की संभाल के लिए तीन लाख रुपये का चैक भी पंचायत को दिया गया। उन्होंने गांव बुल्ले, पत्तर खुर्द, कुराली और मुरीदपुर का भी दौरा किया व वहां की समस्याओं को जाना।

केबिनेट मंत्री कंवरपाल अपने आवास पर पहुंचे, बधाई देने वालों का लगा तांता

पायनियर समाचार सेवा। यमुनानगर

मुख्यमंत्री नायब सैनी के मंत्रीमंडल में केबिनेट मंत्री की शपथ के बाद जगाधरी स्थित अपने आवास पर पहुंचे चौधरी कंवरपाल को कार्यकर्ताओं व क्षेत्र की जनता ने हाथों-हाथ लिया। आम व खास लोगों ने मंत्री जी को पुष्प गुच्छ देकर बधाई दी और मिठाई खिलाकर उनका मुंह मीठा किया।

मंत्री कंवरपाल ने भी सभी आम व खास की बधाई स्वीकार की। वीरवार को कैबिनेट मंत्री चौधरी कंवरपाल जैसे ही जगाधरी स्थित अपने निवास स्थान पर पहुंचे तो बधाई देने वाले लोगों का तांता लग गया। सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने मंत्री का फूल-मालाओं व बुक्के देकर स्वागत किया। सभी कार्यकर्ताओं के चेहरे पर खुशी की लहर दिखाई दी। कार्यकर्ता मंत्री जी के साथ समूह में फोटो खिंचवाते हुए दिखाई दिए। मुख्यमंत्री नायब सैनी के मंत्रीमंडल में चौधरी कंवरपाल को केबिनेट मंत्री का दर्जा मिलने से जगाधरी विधानसभा क्षेत्र के लोगों में काफी उत्साह देखा गया। लोग मंत्री के सामने जय-जयकार के नारे लगा रहे थे। मंत्री जी मंद-मंद मुस्कान से सभी की बधाई स्वीकार कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि यह सभी कार्यकर्ताओं की मेहनत का परिणाम है। सभी कार्यकर्ताओं को इस जिम्मेवारी का श्रेय जाता है। मंत्री ने कहा कि सभी कार्यकर्ताओं को पहले की तरह पूरा सम्मान मिलेगा। प्रदेश में पहले की तरह बिना भेदभाव के विकास कार्य करवाए जाएंगे। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में सरकार मजबूती से जनता के हितों के लिए काम करेगी।

संक्षिप्त समाचार

ट्रिनिटी कॉलेज में मेगा आर्ट फेस्टिवल प्रतियोगिता आयोजित हुई

जालंधर। स्थानीय ट्रिनिटी कॉलेज, जालंधर में ट्रिनिटी ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूट्स के निदेशक रेव फादर पीटर जी के नेतृत्व में सांकृतिक समिति द्वारा अंतर महाविद्यालय मेगा कल्चर-फेस्टिवल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में कुल 17 कॉलेज के विद्यार्थियों ने भाग लिया। सुबह के सत्र में छात्र कल्याण विभाग के प्रमुख सहायक प्रो. निधि शर्मा ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। कार्यक्रम की शुरुआत भक्ति संगीत से हुई। इसके बाद असिस्टेंट प्रो. जेसी जूलियन ने अपने भाषण के माध्यम से सभी का इस प्रतियोगिता में पहुंचने पर गर्मजोशी से स्वागत किया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को अपनी कला प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान करना था। मुख्य अतिथि प्रो. निधि शर्मा ने अपने भाषण के माध्यम से कॉलेज के विद्यार्थियों की प्रशंसा की और उन्हें कड़ी मेहनत करके जीवन के लक्ष्यों को प्राप्त करने और जीवन में सर्वांगीण विकास करने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर विभिन्न महाविद्यालयों के विद्यार्थियों ने भाषण, वाद-विवाद, नेट-सेवी, एकल नृत्य में भाग लिया, और पोस्टर मेकिंग, कोलाज मेकिंग, एड मैड शो, ऑन द स्पॉट पेंटिंग, रंगोली आदि विभिन्न कलाओं का रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया।

अंत्योदय व गरीब' कल्याण हेतु निरंतर प्रयासरत नायब सरकार

यमुनानगर। हरियाणा में अब 1.80 लाख रुपए वार्षिक आय वाले सभी बीपीएल राशन कार्डधारक परिवारों को भी हर महीने दो लीटर खाद्य तेल मिल रहा है। इससे जिला के अनेक बीपीएल परिवार लाभान्वित हो रहे हैं। प्रदेश सरकार द्वारा इससे पहले 1.20 लाख तक वार्षिक आय वाले परिवारों को खाने का तेल मुहैया कराया जाता था। अब 1.80 लाख तक वार्षिक आय वाले परिवारों को भी यह लाभ दिया जा रहा है। डीसी कैप्टन मनोज कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि हरियाणा सरकार 'अंत्योदय व गरीब' कल्याण हेतु निरंतर प्रयासरत है। सरकार की ओर से अंत्योदय उत्थान एवं कल्याण के लिए अनेक योजनाएं क्रियान्वित की जा रही हैं ताकि अंत्योदय व गरीब परिवारों की आर्थिक स्थिति मजबूत कर उन्हें समाज की मुख्यधारा में लाया जा सके। उन्होंने बताया कि इससे पहले सरकार की ओर से केवल 1.20 लाख वार्षिक आय वाले बीपीएल परिवारों को ही सरसों का तेल दिया जा रहा था। अब 1.80 लाख रुपए वार्षिक आय वाले सभी बीपीएल परिवारों को सरकार की इस जनकल्याणकारी योजना का लाभ मिल रहा है।

जिला रोजगार एवं कारोबार ब्यूरो में प्लेसमैंट कैंप शुक्रवार को

जालंधर। युवाओं को रोजगार के अधिक से अधिक अवसर उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से जिला प्रशासन के नेतृत्व में जिला रोजगार एवं कारोबार ब्यूरो 15 मार्च को दफ्तर में प्लेसमेंट कैंप का आयोजन कर रहा है। इस संबंधी जानकारी देते हुए जिला रोजगार एवं कारोबार ब्यूरो के डिप्टी डायरैक्टर गुरमेल सिंह ने बताया कि शुक्रवार को सुबह नौ बजे से लगने वाले प्लेसमेंट कैंप में कैपसंस इंडस्ट्रीज, रिलायंस जियो, आई प्रोसेस (आई.सी.आई.सी.आई.) और एक्सिस बैंक द्वारा युवाओं को रोजगार प्रदान करने के लिए पहुंच की जाएगी। उन्होंने बताया कि 10वीं/12वीं/डिप्लोमा/ग्रैजुएशन/पोस्ट ग्रैजुएशन योग्यता वाले उम्मीदवार कैंप में इंटरव्यू देने के योग्य होंगे। डिप्टी डायरेक्टर ने युवाओं से इस प्लेसमैंट कैंप में बढ़-चढ़कर भाग लेने का आग्रह करते हुए कहा कि अधिक जानकारी के लिए दफ्तर के हेल्पलाइन नंबर 90569-20100 पर संपर्क किया जा सकता है।

संगीत विद्या भारती की कार्यशाल आयोजित

कुरुक्षेत्र। विद्या भारती हरियाणा एवं हिंदू शिक्षा समिति के तत्वावधान में संचालित विद्यालय गीता निकेतन विद्या मंदिर, सेक्टर -3 में तीन दिवसीय आचार्य संगीत कार्यशाला का समापन हुआ। कार्यशाला में लगभग नौ सत्र रहे। जिसमें आचार्यों ने संगीत की विभिन्न विधाओं के बारे में सीखा एवं सूक्ष्मताओं पर ध्यान देते हुए विद्यालय में संगीत विषय का क्रियान्वयन किस तरह से करना है के बारे में जाना। समापन सत्र में विद्या भारती हरियाणा के प्रशिक्षक एवं सेवा भारती प्रमुख सुभाष ने बताया कि संगीत विषय विद्या भारती की रीढ़ एवं पांच आधारभूत विषयों में प्रमुख है। संगीत वह कला है जो प्राणी के हृदय के अंतर्तम तारों को झंकृत कर देती है। संगीत भाषा कौशल को बेहतर बनाने का एक तरीका है। विद्यालय में वंदना सभा का आयोजन भव्य एवं संस्कारमय हो शिक्षा का काम केवल अक्षर ज्ञान या पाठ्यक्रम तैयार करना नहीं है। छात्रों में देशभक्ति तथा संस्कारों से ओतप्रोत शिक्षा का भाव जगाना शिक्षा का उद्देश्य है। कार्यक्रम के सप्तम सत्र में डॉ अशोक शर्मा जी का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। उन्होंने कभी भातखंडे के बारे में व नाद के बारे में बताया। प्रांत संगीत संयोजिका रजनी ने बताया कि कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य विद्यालय में संगीत पाठ्यक्रम का क्रियान्वयन, वार्षिक गीत, वंदे मातरम आदि का अभ्यास एवं वंदन सभा में वाद्य यंत्रों के प्रयोग आदि विषयों के बारे में बताया गया।

हिस्ट्री टीवी18 की नई डॉक्यूमेंट्री बुद्ध सर्किट की एक गहन यात्रा पर आमंत्रित करती है

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

बिहार की आध्यात्मिक विरासत की समृद्ध टेपेस्ट्री की खोज करती चार भागों वाली ये मनोरम वृत्तचित्र श्रृंखला 'बुद्ध सर्किट' दर्शकों को भगवान बुद्ध के जीवन और शिक्षाओं से जुड़े कुछ सबसे पवित्र स्थलों की एक उज्ज्वल यात्रा पर ले जाएगी। शनिवार, 16 मार्च, 2024 को शाम पांच बजे प्रीमियर होने वाला हिस्ट्री टीवी18 का ये नवीनतम लोकल प्रोडक्शन बिहार और बुद्ध के बीच के जीवंत बंधन की बात करता है - जो ऐतिहासिक दस्तावेज़ीकरण से भी परे है।

बोधगया से राजधानी पटना तक होने वाली यह गहन यात्रा बौद्ध धर्म के सार को उजागर करती है, साथ ही कालातीत ज्ञान, कलात्मकता और शांति का प्रदर्शन करती है जो इन स्थलों में रची बसी है और इन्हें सही अर्थ प्रदान करती है।सक्रिय बौद्ध अनुष्ठान, बुद्ध पूर्णिमा जैसे जीवंत उत्सव और पवित्र स्थलों का सावधानीपूर्वक संरक्षण बिहार में बौद्ध धर्म की स्थायी जीवनी शक्ति को दर्शाता है। स्थान और रिवाज के बीच का यह गहरा संबंध राज्य के समृद्ध सांस्कृतिक इतिहास, श्रद्धेय तीर्थ स्थलों, शैक्षिक केंद्रों और आध्यात्मिक जीवंतता में प्रकट होता है, जो आज भी उतने ही प्रचलित हैं। ये श्रृंखला बोधगया के चिंतनशील अन्वेषण के साथ शुरू होती है, उस पवित्र शहर से जहां गौतम बुद्ध ने पूजनीय बोधि वृक्ष के नीचे ज्ञान प्राप्त किया था। यहां विविध ध्यान शैलियां देखने को मिलती हैं, जिनमें से हरेक आत्म-खोज और आंतरिक शांति के लिए एक खास पथ प्रदर्शित करती है। बौद्ध धर्म के सबसे पवित्र स्थल के रूप में मान्यता प्राप्त बोधगया में स्थित यूनेस्को का विश्व धरोहर स्थल महाबोधि मंदिर, बुद्ध की शिक्षाओं की विरासत का स्मारक है। यह ऐसा स्थान है जहां आध्यात्मिक साधक एकत्रित होते हैं और अतीत और वर्तमान का मिलन होता है। यहां आत्मज्ञान की खोज एक यात्रा भी है और गंतव्य भी। ये डॉक्यूमेंट्री दर्शकों को विद्या प्राप्ति के प्राचीन स्थल नालंदा विश्वविद्यालय में भी ले जाती है, जहां किसी समय ज्ञान विकसित हुआ करता था। यह वृत्तचित्र नालंदा की बौद्धिक विरासत और ज्ञान की खोज पर इसके गहरे प्रभाव पर भी प्रकाश डालता है। भागलपुर में विक्रमशिला विश्वविद्यालय का अनावरण किया गया है।

एक्साल्टा ने स्टारी नाइट को 2024 ग्लोबल ऑटोमोटिव कलर ऑफ द ईयर घोषित किया

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

अग्रणी ग्लोबल कोटिंग्स कंपनी एक्साल्टा कोटिंग सिस्टम्स ने अपने 2024 ग्लोबल ऑटोमोटिव कलर ऑफ द ईयर - स्टारी नाइट का ऐलान कर दिया है। नवीनतम संस्करण, एक्साल्टा द्वारा अपना पहला ऑटोमोटिव कलर ऑफ द ईयर पेश किए जाने के 10वें वर्ष का प्रतीक है, और इस सिलसिले में पहली बार काले रंग के शेड को शामिल किया गया है।

स्टारी नाइट हल्का नीला और चांदी की चमक वाला गा?ा, आधुनिक रंग है जो हमारे ब्रह्मांड और अंतरिक्ष की खोज वाली गहराइयां पैदा करता है। काला शेड साहसिक कल्पनाएं करने और नई ऊंचाइयां छू लेने की तमन्ना जाहिर करता है। जोशीली रंगत होने के नाते स्टारी नाइट, डिजाइन की क्लासिक और आधुनिक शैलियों से कहीं ब?कर है तथा अन्य रंगों, विभिन्न प्रकार की फिनिश, पैटर्न और बनावट के साथ सामंजस्य स्थापित कर लेता है एक्साल्टा के ग्लोबल कलर मार्केटिंग डायरेक्टर डैन बेंटन ने बताया, वैश्विक स्तर पर दूसरा सबसे लोकप्रिय ऑटोमोटिव रंग ब्लैक ही है और हम अपने 2024 ग्लोबल ऑटोमोटिव कलर ऑफ द ईयर के रूप में ब्लैक शेड को पेश करते हुए बेहद उत्साहित हैं। अपनी बात को आगे बताते हुए उन्होंने कहा, स्टारी नाइट एक ऐसी रंगत है, जहां काला रंग चमकता है और गहरा रंग विलक्षण है। इस वर्ष का रंग, आंशिक रूप से ब्रह्मांडीय और आंशिक रूप से क्लासिक है, लेकिन संपूर्ण रूप से एक्साल्टा है।

नारायणा अस्पताल, गुरुग्राम के अनुभवी एवं प्रसिद्ध कैंसर रोग विशेषज्ञ अब रेवाड़ी में भी मिलेंगे

पायनियर समाचार सेवा। रेवाड़ी

कैंसर बहुत ही घातक बीमारी है और भारत में यह बीमारी तेजी से फैल रही है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की एक रिपोर्ट के मुताबिक साल 2020 में कैंसर से 10 मिलियन लोगों की मौत हुई थी। हर साल यह आंकड़ा बढ़ता ही जा रहा है, खासकर छोटे शहरों में भी कैंसर से संबंधित समस्याओं के मामले अधिक आ रहे हैं।इसकी बड़ी वजह अनुचित खान-पान, खराब लाइफस्टाइल व व्यायाम की कमी है। रेवाड़ी और उसके आसपास इस प्रकार के बढ़ते मामलों को देखते हुए अब नारायणा हॉस्पिटल, गुरुग्राम के कैंसर रोग विशेषज्ञ हर बुधवार को मिलेंगे।

कैंसर संबंधित समस्याओं हेतु नारायणा हॉस्पिटल, गुरुग्राम के डॉ. कनिका बंसल, कंसल्टेंट - रेडिएशन ऑन्कोलॉजी, डॉ. वीनू अग्रवाल, कंसल्टेंट - मेडिकल ऑन्कोलॉजी प्रत्येक बुधवार को सुबह 11:00 बजे से दोपहर 01:00 बजे तक उपस्थित रहेंगे। वे उजाला सिग्नस सुपरस्पेशलिटी हॉस्पिटल सिविल हॉस्पिटल के सामने, बीएसएनएल ऑफिस के पास, रेवाड़ी में लोगों की जांच एवं परामर्श हेतु उपस्थित रहेंगे।

डॉ. कनिका बंसल, कंसल्टेंट - रेडिएशन ऑन्कोलॉजी ने बताया कि कैंसर के मामले भारत में तेजी से बढ़ रहे हैं, जिसको लेकर बहुत ही सतर्क रहने की आवश्यकता है, इसके शुरुआती लक्षणों में भूख में बदलाव, वजन घटना पेशाब, मल, आवा? और घाव में बदलाव अनियमित ब्लीडिंग, बढ़ती या बदलती खाँसी, बलगम में खून स्तन या किसी और जगह बढ़ती असामान्य गांठ, ना ठीक होने वाले छाले, पाचन संबंधी समस्याएं, जोड़ो और मांसपेशियों में दर्द, अधिक थकान और कमजोरी जैसे लक्षण महसूस हो सकते हैं। इसके लक्षणों को पहचानने के लिए आप शरीर में होने वाले बदलावों को लेकर गंभीर रहें। यदि किसी भी प्रकार की अंदरूनी समस्या आपको महसूस हो रही है तो बगैर देर किए डॉक्टर से संपर्क करें।

डॉ. वीनू अग्रवाल, कंसल्टेंट - मेडिकल ऑन्कोलॉजी ने बताया कि कई बार ऐसा होता है जब कैंसर के मामले आखिरी स्टेज पर सामने आते हैं और इस कारण लोग अपने इलाज में भी देरी कर देते हैं। इस प्रकार के मामले छोटे शहरों से अधिक आ रहे हैं और इसी को देखते हुए रेवाड़ी में हर बुधवार को नारायणा हॉस्पिटल, गुरुग्राम की तरफ से विशेषज्ञ उपस्थित रहेंगे। उन्होंने कहा कि ज्यादातर छोटे शहरों में लोग लापरवाही करते हैं, जिससे खतरा बहुत अधिक बढ़ जाता है। आपको यह समझना होगा कि कैंसर कोई सामान्य बीमारी नहीं है यदि इसके किसी भी प्रकार के लक्षण आपको दिखाई दें तो लापरवाही नहीं करनी चाहिए तुरंत डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए।

मेयर ने एक करोड़ 28 लाख की लागत से होने वाले विकास कार्यों का किया शुभारंभ

पायनियर समाचार सेवा। सोनीपत

नगर निगम मेयर निखिल मदान ने वीरवार को निगम क्षेत्र के वार्ड नौ में एक करोड़ 28 लाख की लागत से होने वाले विभिन्न विकास कार्यों का शुभारम्भ किया। इस अवसर पर स्थानीय लोगों ने मेयर निखिल मदान और सीनियर डिप्टी मेयर राजीव सरोहा का फूल मालाओं के साथ भव्य स्वागत किया और विकास कार्यों के लिए आभार जताया।

मेयर निखिल मदान ने बताया कि वार्ड 9 के जगदीशपुर गांव में लगभग 96 लाख रु की लागत से एक पार्क का नवनिर्माण किया जायेगा। जिसमें पार्क के सौंदर्यीकरण के साथ-साथ वाकिंग ट्रैक बनाया जायेगा। साथ ही विभिन्न तरह के झूले

जगदीशपुर गांव में 96 लाख की लागत से होगा पार्क का नवनिर्माण

जाटजोशी और राठधना गांव में 22 लाख की लागत से होगी चौपालों की मरम्मत

एवं ओपन जिम भी लगाया जायेगा। पार्क के पूरे क्षेत्र को समतल कर फुटपाथ पर चेकर्ड टाइल्स लगायी जाएगी। पेड पौधे लगाकर पूरे पार्क का सौंदर्यीकरण किया जायेगा। लोगों

नारियल तोडकर विकास कार्यों का शुभारंभ करते मेयर निखिल मदान

के बैठने के लिए बेंच लगाएं जायेंगे और शेड बनाया जायेगा। मेयर ने बताया कि आज इस कार्य का नारियल तोड़कर विधिवत रूप से शुभारम्भ किया है जो जल्द ही पूरा होगा। सीनियर डिप्टी मेयर राजीव सरोहा ने बताया कि जगदीशपुर गांव में पार्क बनाने के लिए स्थानीय ग्रामीण उनसे मिले थे, जिसके बाद उन्होंने इस प्रस्ताव को हाउस की बैठक और फाइनेंस कमेटी से पारित करवाया था। अब पार्क के निर्माण से लोगों की वर्षों पुरानी मांग पूरी होगी और लोगों को सहूलियत मिलेगी। इसके उपरांत मेयर और सीनियर डिप्टी मेयर ने राठधना और जाट जोशी गांव में चौपालों की मरम्मत होने के कार्यों का शुभारम्भ किया। मेयर निखिल मदान ने बताया कि लगभग 22 लाख रु की लागत से दोनों गावों में चौपालों की मरम्मत और रंग रोगन किया जायेगा। इस अवसर पर युवा कांग्रेस जिला उपाध्यक्ष प्रिंस सरोहा, अत्तर सिंह सरोहा, रमेश, राजिंदर, सुंदर सिंह, नारायण, राजेश, कृष्ण, परवीन, रणसिंह, दीपक, रामकुमार, सुरिंदर सिंह, महताब, कुलदीप, नवीन, मनोज, महेंदर, साहिब सिंह, सुल्तान, बिन्नी भारद्वाज, संगीता आदि लोग मौजूद रहे।

14 जून 2024 तक बढ़ी फ्री आधार कार्ड अपडेशन की तिथि

सोनीपत। भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) ने जनहित में निशुल्क आधार कार्ड अपडेशन करने की समय सीमा आगामी 14 जून 2024 तक बढ़ा दी गई है। जिला के सभी लोग आठ से दस साल पहले बने अपने आधार कार्ड को निर्धारित दिन तक यूआईडीएआई के पोर्टल पर निशुल्क अपडेट करवा सकते हैं। आधार कार्ड को ऑनलाइन अपडेट कराने के लिए आधार कार्ड धारक को किसी प्रकार के शुल्क की अदायगी नहीं करनी होगी। उपायुक्त मनोज कुमार ने कहा कि जिला में जिन व्यक्तियों ने पिछले आठ या दस सालों में आधार कार्ड को अपडेट नहीं कराया है, ऐसे व्यक्ति को अपना आधार कार्ड अपडेट कराने के लिए रिहायशी प्रमाण पत्र और स्वयं का पहचान पत्र ऑनलाइन अपलोड करना होगा। आधार कार्ड धारक माई आधार पोर्टल से आधार ऑनलाइन सेवाओं का लाभ उठा सकते हैं।

खेल प्रतियोगिताएं व्यक्ति के शारीरिक और मानसिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभातीं

प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कृत करते अतिथिगण

पायनियर समाचार सेवा। कुरुक्षेत्र

भगवान परशुराम कॉलेज में 12वीं वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता के दूसरे दिन का शुभारंभ प्राचार्य प्रो. शीश पाल ने किया। उन्होंने कहा कि खेल प्रतियोगिताएं व्यक्ति के शारीरिक और मानसिक विकास में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।संयोजक डॉ. दिलबाग सिंह ने प्रथम दिन की रिपोर्ट प्रस्तुत की और आज होने वाली प्रतियोगिताओं के बारे में बताया। खेल समिति के संयोजक डॉ. हीरा लाल ने प्रथम दिवस के विजेताओं को शुभकामनाएं देते हुए खिलाड़ियों को खेल भावना के साथ इन प्रतियोगिताओं को खेलने के लिए प्रोत्साहित किया। 100 मीटर दौड़ प्रतियोगिता (ब्वॉयज) में बी.ए. प्रथम वर्ष के छात्र दिविंदेय ने प्रथम स्थान, बी.ए. तृतीय वर्ष के नमन ने द्वितीय तथा बी.ए. प्रथम के किशन ने तृतीय स्थान प्राप्त किया एवं 100 मीटर दौड़ प्रतियोगिता (गर्ल्ज) में बी.ए. प्रथम वर्ष की छात्रा आरती ने प्रथम स्थान, बी.ए. द्वितीय वर्ष की सरवजीत कौर ने द्वितीय तथा बी.ए. द्वितीय वर्ष की छात्रा रूमा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

इसके अलावा 200 मीटर दौड़ प्रतियोगिता (ब्वॉयज) में बी.ए. द्वितीय वर्ष के छात्र मोहित ने प्रथम स्थान, बी.ए. प्रथम वर्ष के अंकुश ने द्वितीय तथा बी.ए. प्रथम के अरूण ने तृतीय स्थान प्राप्त किया एवं 200 मीटर दौड़ प्रतियोगिता (गर्ल्ज) में बी.ए. प्रथम वर्ष की छात्रा अमरीता ने प्रथम स्थान, बी.ए. प्रथम वर्ष की सलमा ने द्वितीय तथा बी.ए. प्रथम वर्ष की छात्रा लवप्रीत ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसके अतिरिक्त शॉटपुट प्रतियोगिता (ब्वॉयज) में बी.ए. द्वितीय वर्ष के छात्र आशीष ने प्रथम स्थान, बी.ए. प्रथम वर्ष के अरूण ने द्वितीय तथा बी.ए. प्रथम के अंकुश ने तृतीय स्थान प्राप्त किया एवं शॉटपुट प्रतियोगिता (गर्ल्स) में बी.ए. द्वितीय वर्ष की छात्रा रूमा ने प्रथम स्थान, बी.ए. प्रथम वर्ष की आरती ने द्वितीय तथा बी.ए. द्वितीय वर्ष की छात्रा ऊषा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया तथा थ्री लैग प्रतियोगिता (ब्वॉयज) में बी.ए. तृतीय वर्ष के नमन एवं बी.ए. द्वितीय वर्ष के आर्यन ने प्रथम, बी.ए. द्वितीय वर्ष के करण और अक्षित ने द्वितीय तथा बी.ए. तृतीय वर्ष के नितिश कुमार एवं बी.ए. प्रथम के अनुज ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

अर्थशास्त्र एवं वाणिज्य विभाग ने किया ड्राइवर ट्रेनिंग इंस्टिट्यूट का भ्रमण

छात्रों को संबोधित करते हुए प्राचार्य

पायनियर समाचार सेवा। कैथल

आरकेएसडी महाविद्यालय सायंकालीन सत्र के अर्थशास्त्र एवं वाणिज्य विभाग द्वारा ड्राइवर ट्रेनिंग इंस्टिट्यूट, गढ़ी पाडला में एक ज्ञानवर्धक भ्रमण का आयोजन किया गया जिसमें एमए अर्थशास्त्र, एम कॉम एवं पीजीडीसीए के 34 इच्छुक विद्यार्थियों ने भाग लिया।

इस भ्रमण में ड्राइवर ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट की तरफ से असिस्टेंट जनरल मैनेजर एवं हेड अश्वनी, सीनियर इंस्ट्रक्टर राजबीर सिंह, बिजनेस डेवलपमेंट मैनेजर कपिल डुडेजा ने संयुक्त रूप से विद्यार्थियों को ट्रैफिक के नियमों, बचाव एवं सावधानियां से संबंधित विस्तार से विवरण दिया। इसी के साथ उन्होंने विद्यार्थियों को ऑडिटोरियम, सिमुलेटर, कैफेटेरिया, मोबाइल मेडिकल सर्विस कैब, लघु जंगल नर्सरी, योगा केंद्र, कृत्रिम पहाड़, वर्कशॉप ऑन व्हील्स आदि दिखाकर उनको सारे तकनीकी बातों का ज्ञान करवाया। भ्रमण का आयोजन वाणिज्य विभागाध्यक्ष डॉ. मनोज बंसल, अर्थशास्त्र विभाग से डॉ मीनू अग्रवाल, प्रो. रेनू जांगड़ा द्वारा किया गया। उन्होंने ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट के सभी अधिकारियों का इस सहायतापूर्ण आयोजन के लिए आभार व्यक्त किया। विद्यार्थियों के महाविद्यालय परिसर में पहुंचने पर प्राचार्य डॉ संजय गोयल एवं प्राचार्य प्रभारी डॉ. हरिंदर गुप्ता ने सभी प्राध्यापकों एवं विद्यार्थियों को बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। डॉ हरिंदर गुप्ता ने बताया कि यह आयोजन प्रबंधक समिति एवम आरवीएस के पदाधिकारियों और प्राचार्य की प्रेरणा से संभव हो पाता है।

पूर्व सैनिकों की रैली 27 को अंबाला कैंट में

कैथल। अंबाला कैंट के खड़गा स्टेडियम में 27 मार्च को पूर्व सैनिकों की रैली होगी। इस रैली में मुख्य अतिथि जनरल कमांडिंग ऑफिसर पश्चिमी कमान होंगे। यहां पर पूर्व सैनिकों, वीरांगनाओं, विधवाओं व डिसएबल साथियों की समस्याओं के समाधान के लिए मेडिकल चैकअप की टीम, सभी रिकॉर्ड ऑफिसों की टीम, राज्य सैनिक बोर्ड की टीम व इलाहाबाद से संप्रष की टीम पहुंच रही हैं। इसके अलावा किसी भी पूर्व सैनिक, वीरांगनाओं , विडो को कोई भी दिक्कत है तो वो यहां पर ऑफिसर के सामने रख सकते हैं। उनके साथ-साथ अंबाला कैंट के कोर कमांडर, सब एरिया हेड क्वार्टर के जनरल, सभी अधिकारी भी पूर्व सैनिकों की समस्याओं के समाधान के लिए पहुंचेंगे। पूर्व सैनिक वेलफेयर एसोसिएशन कैथल के एसोसिएशन प्रधान हवलदार जगजीत फौजी ने बताया कि इस रैली में ले जाने के लिए अंबाला कैंट से सैनिक बसें लेने के लिए आएंगी।

गुरु रविदास धाम भूमि पूजन में समाज के लोग करें भागीदारी : सूरजभान कटारिया

पायनियर समाचार सेवा। कुरुक्षेत्र

श्री गुरु रविदास विश्व महापीठ के प्रधान संगठन महामंत्री एवं भाजपा अनुसूचित मोर्चा के पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सूरजभान कटारिया ने हरियाणा सरकार द्वारा राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित उमरी चौक पर संत शिरोमणि गुरु रविदास महाराज को समर्पित गुरु रविदास स्मारक-धाम के भूमि पूजन में कार्यक्रम में समाज के लोगों से भागीदारी करने का आह्वान किया है।

कटारिया ने कहा कि धर्मनगरी कुरुक्षेत्र में 5 एकड़ मे बनने वाले गुरु रविदास धाम स्मारक का भूमि पूजन नवनियुक्त मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी 15 मार्च को करेंगे। उनके साथ हरियाणा पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल, केबिनेट मंत्री डॉ बनवारी लाल, राज्यसभा सांसद कृष्ण लाल पवार स्थानीय विधायक सुभाष सुधा, ईश्वर सिंह भी इस ऐतिहासिक अवसर पर

मौजूद रहेंगे। उन्होंने हरियाणा सरकार द्वारा गुरु रविदास धाम का निर्माण कार्य शुरू करना रविदासी समाज के लिए एक ऐतिहासिक पहल बताते हुए कहा कि आध्यत्मिक - धार्मिक विश्व प्रसिद्ध नगरी-कुरुक्षेत्र में पांच एकड़ में श्री गुरु रविदास मंदिर धाम के संत शिरोमणि गुरु रविदास जी के 647वें जन्मोत्सव पर यह गुरु रविदास स्मारक-धाम समाज को समर्पित है।

कुरुक्षेत्र में बनेगा संत गुरु रविदास का मंदिर : गुहला से विधायक ईश्वर सिंह ने कहा कि कुरुक्षेत्र की पावन धरा पर हिंदुस्तान का सबसे बड़ा संत गुरु रविदास का मंदिर बनेगा। इस मंदिर के साथ-साथ संत शिरोमणि गुरु रविदास की जीवनी और शिक्षाओं से संबंधित संग्रहालय का भी निर्माण किया जाएगा।

इस पुण्य कार्य के लिए प्रदेश सरकार की तरफ से गांव उमरी में हुडा की पांच एकड़ जमीन उपलब्ध करवाई गई है। इस स्मारक का निर्माण शुरू करने से पहले 15 मार्च को करीब दो बजे मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी व पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल भूमि पूजन करेंगे। इस कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री डा. बनवारी लाल, थानेसर विधायक सुभाष सुधा भी शिरकत करेंगे। विधायक ईश्वर सिंह ने सेक्टर-13 आवास कार्यालय पर बातचीत करते हुए कहा कि समाज के लोगों की लंबे अर्से से मांग थी।

लोकसभा चुनाव के दृष्टिगत छपने वाली प्रचार सामग्री पर होनी चाहिए प्रिंटिंग प्रेस व पब्लिशर की जानकारी

पायनियर समाचार सेवा। सोनीपत

जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त मनोज कुमार ने कहा कि आगामी लोकसभा चुनाव के दृष्टिगत प्रचार प्रसार के लिए छपने वाली सामग्री पर प्रिंटिंग प्रेस व पब्लिशर की पूरी जानकारी होनी जरूरी है। ऐसा नहीं करने वालों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। चुनाव के दौरान प्रिंटिंग से संबंधित सभी प्रकार के नियमों का जनप्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 127 ए में उल्लेख किया गया है।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि जनप्रतिनिधि अधिनियम 1951 की धारा 127 ए में स्पष्ट तौर पर चुनाव के दौरान प्रिंटिंग प्रेस संचालकों द्वारा पालन किए जाने वाले नियमों की जानकारी दी गई है। नियमों के अनुसार कोई भी प्रिंटिंग प्रेस संचालक बिना शपथ पत्र के चुनाव के संबंधित प्रचार सामग्री नहीं छाप सकता है। इसके लिए उसे संबंधित उम्मीदवार से एक शपथ पत्र लेना है, जिस पर प्रचार सामग्री छपवाने वाले के हस्ताक्षर होंगे। साथ ही दो गवाहों के भी हस्ताक्षर भी पत्र पर होना जरूरी है। उन्होंने कहा कि सामग्री प्रिंट होने के बाद प्रेस के मालिक को शपथ पत्र की प्रति और छापी गई प्रचार सामग्री की प्रतियां जिला निर्वाचन अधिकारी कार्यालय को भेजनी होंगी। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग के निर्देशों और जनप्रतिनिधि अधिनियम 1951 की धारा 127ए के नियमों के अनुसार आगामी लोकसभा चुनाव के दौरान चुनाव से संबंधित किसी भी प्रकार की प्रचार सामग्री पर छपवाने व छापने वाले का नाम आदि जानकारी भी प्रकाशित होना जरूरी है।

पांच साल पहले लोगों से वोट ठगने का किया ठगबंधन टूटा

जिस तरह सीएम को हटाया उससे लगता है भाजपा खुद सीएम से परेशान थी : सुशील गुप्ता

पायनियर समाचार सेवा। कैथल

यहां अनाज मंडी में आढ़तियों और दुकानदारों से इंडिया गठबंधन के लोक सभा प्रत्याशी सुशील गुप्ता के लिए वोट की अपील करने के कांग्रेस के रणदीप सिंह सुरजेवाला पहुंचे। अनाज मंडी के मंदिर में बने हाल में आढ़तियों को इकट्ठा करते रणदीप सिंह सुरजेवाला ने इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी सुशील गुप्ता से परिचय करवाया और कुरुक्षेत्र लोक सभा से उन्हें विजयी बनाने के लिए वोट से सहयोग देने की अपील की।

रणदीप सिंह सुरजेवाला ने कहा कि पांच साल पहले लोगों की वोट को ठगने का यही राजनैतिक प्रयोग किया गया था। लोगों की वोट ठगने के लिए ये बंधन किया गया था। पहले भी ही मैंने कहा था कि संसदीय

दोनों नेताओं का स्वागत करते हुए आढ़ती

चुनाव से पहले ये लोग गठबंधन तोड़ देंगे और अलग अलग चुनाव लड़ेंगे ताकि वोट काटने के लिए कई अलग अलग राजनैतिक पार्टियों का इस्तेमाल किया जा सके। बिलकुल वही स्क्रिप्ट और राजनैतिक ड्रामा सामने आया है। भारतीय जनता पार्टी के पास ना 2019 में बहुमत था और न आज बहुमत है। जिस प्रकार से लॉटरी निकालकर उन्होंने अपने ही मुख्यमंत्री मनोहर लाल को हटाया है वो ये दर्शाता है कि भाजपा में किसी कार्यकर्ता की या बड़े से बड़े नेता की कोई कीमत नहीं है। एक दिन पहले प्रधानमंत्री गुड़गांव आए और मनोहर लाल की तारीफ की और यहां तक कहा कि हम एक ही मोटरसाइकिल पर घूमते थे। लेकिन अगले दिन ही दूध से मक्खी की तरह हटा दिया। उन्होंने कहा कि किसी भी व्यक्ति को इस तरह से अपमानित करके निकाल देना क्या उचित है। भाजपा अपने साढ़े नौ साल के पाप मनोहर लाल और दुष्यंत चौटाला को हटाकर ढकना चाहती है लेकिन उनके इन बातों का हिसाब उन्हें देना पड़ेगा।

भाजपा के पास कुरुक्षेत्र में कोई चेहरा नहीं है: कुरुक्षेत्र से इंडिया गठबंधन के लोक सभा प्रत्याशी सुशील गुप्ता ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा भारतीय जनता पार्टी के पास कोई चेहरा नहीं है। ये कुरुक्षेत्र सीट से भी परेशान हैं कि इसको लेकर आएं। इनको अपनी हार सुनिश्चित दिख रही है। मैंने मुख्यमंत्री मनोहर लाल को कहा था कि भारतीय जनता पार्टी ने लोगों को परेशान किया हुआ है, लेकिन अब तो मुझे ये लग रहा है कि भारतीय जनता पार्टी खुद मुख्यमंत्री से ही परेशान थी। जिसे रातोंरात उन्हें बदल दिया गया। ये पहले से ही उन्होंने लिखा हुआ था कि ये गठबंधन को तोड़ेंगे। उन्होंने एक दूसरे को गालियां देकर वोट ली थी और अब दोबारा फिर ये एक दूसरे को गाली लेकर वोट लेंगे। इस अवसर पर आदित्य सुरजेवाला, सतबीर गोयत, सुखबीर चहल, श्वेता ढुल, नई मंडी प्रधान रामकुमार, पुरानी मंडी प्रधान श्याम बहादुर खुरानिया, अश्वनी शोरेवाला, सुरेश गर्ग चौधरी, रामनिवास मित्तल, सचिन मित्तल, जिप्पी शोरेवाला, श्रवण क्योड़क, सतीश क्योड़क, रज्जी मित्तल, कृष्ण शर्मा, राजू बेनीवाल, बीरभान जैन, शमशेर मित्तल, सुरजीत श्योरान, हैप्पी बंसल, जॉनी मित्तल सहित अन्य साथी मौजूद रहे।

किडनी दिवस पर आदेश अस्पताल में लोगों को किडनी के प्रति किया जागरूक

कुरुक्षेत्र। किडनी दिवस के उपलक्ष्य में वीरवार को मोहड़ी स्थित आदेश मेडिकल कॉलेज व अस्पताल में आने वाले रोगियों व जनता को किडनी के प्रति जागरूक किया। किडनी रोग विशेष डा. हिमांशु जैन ने कहा कि मार्च माह के हर दूसरे गुरूवार के दिन किडनी दिवस मनाया जाता है और इस दिन अस्पतालों में और संस्थाओं की ओर से कैंप लगा कर लोगों को किडनी को स्वस्थ रखने के सुझाव व महत्वपूर्ण जानकारी दी जाती है।

डॉ. हिमांशु जैन ने कहा कि गलत खान-पान के कारण किडनी रोग का प्रभाव बढ़ता जा रहा है जोकि चिंतनीय विषय है। उन्होंने कहा कि किडनी डेमेज होने के बाद किडनी रोगी का जीवन डायलसिस पर निर्भर हो जाता है और फिर बात ट्रांसप्लांट तक आ पहुंचती है। इसलिए इस जटिल प्रक्रिया से गुजरने से बेहतर है कि किडनी का ध्यान रखा जाए।

संक्षिप्त समाचार

महा शिवरात्रि शिविर में हरियाणा के युवा भाग लेकर घर लोटे

करनाल। नेशनल सोशल आर्गेनाईजेशन के 30 सदस्य तेलंगाना के बिचकुंडा में लगने वाले चार दिवसीय शिविर में भाग लेने के लिए दिल्ली जंक्शन से रवाना हुए थे, जिनमें 20 लड़के और 10 लड़कियां हैं। नेशनल सोशल आर्गेनाईजेशन हरियाणा के प्रदेश सचिव कुलदीप जान्दू की अगुवाई में जत्था रवाना किया और जान्दू ने कहा कि युवाओं के हाथों में हुनर है मन मे कुछ करने की हसरत है व शिविर में भाग लेकर हमारे युवा साथी हरियाणा का नाम रोशन करेंगे। वहीं संस्था के संस्थापक श्जितेंद्र नरवाल ने बताया कि बिचकुंडा में श्री काशी विश्वनाथ स्वामी मठ द्वारा शिविर का आयोजन किया। मठ में 2000 वर्ष पुराने शिवलिंग के हज़ारो श्रद्धालु दर्शन करने आये। अलग-अलग जगह से सांस्कृतिक ग्रुप आये जिन्होंने शिव भगवान की जीवनी पर प्रस्तुति दी। रथ यात्रा के साथ-साथ सभी श्रद्धालुओं को भंडारे में भोजन करवाने की व्यवस्था भी की गई। शिविर के दौरान संस्था के युवाओं ने रुद्राभिषेक की पूजा की गई व युवाओं को बहुत कुछ सीखने को मिला है। शिविर में सभी युवाओं को मठ के महंत श्री सौमायप्पा जी द्वारा प्रमाण पत्र देकर मंच पर सम्मानित किया गया। शिविर में विशेष सहयोग राजू स्वामी, दीपक यादव व मंजू नाथ का रहा। शिविर में सन्नी छिकारा, बलराम लाड़ी, जीवेश, भुवेश, अंकित, अजय, सूरज, दीपांशु, प्रणव, कारण, राहुल, विशाल, रामनिवास, निरंजन, सौरभ, निशांत, यतिन सैनी, सत्यम, साधना, ज्योति, संजू, मोनिका, नैना, खुशी मलिक, पायल शर्मा, हर्षिता मेहता, कंचन रानी, शक्ति सोनी 13 फ़रवरी को देर शाम तक अपने-अपने घर सकुशल पहुंच गए।

जेजेपी को अलग नहीं किया बल्कि मिलीभगत का खेल चल रहा

चंडीगढ़। इंडियन नेशनल लोकदल के प्रधान महासचिव एवं ऐलनाबाद के विधायक चौधरी अभय सिंह चौटाला ने गुरुवार को यहां कहा कि जेजेपी को भाजपा से अलग नहीं किया गया है, बल्कि मिलीभगत का खेल चल रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि इंडियन नेशनल लोकदल हरियाणा की सभी दस लोकसभा सीटो पर चुनाव लड़ने को तैयार है। अभय सिंह ने यहां अपने निवास पर पत्रकारवार्ता में कहा कि हरियाणा में इन दिनों सियासी ड्रामा चल रहा है। जेजेपी को भाजपा ने अलग नही किया बल्कि मिलीभगत का खेल चल रहा है। अलग की गई पार्टी के नई सरकार के विश्वास मत हासिल करने के दौरान विरोध में मतदान के बजाय अपने विधायकों को सदन से गैर हाजिर रहने का व्हिप जारी करने का क्या मतलब था।उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार के सर्वे में आया था कि मनोहर लाल के मुख्यमंत्री रहते हरियाणा में भाजपा को सफलता नहीं मिलेगी।इसलिए मुख्यमंत्री बदलने का फैसला किया गया। उन्होंने कहा कि भाजपा और जेजेपी की गठबंधन सरकार ने प्रदेश को लगातार कमजोर करने का काम किया। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव में भाजपा को सबक सिखाया जाएगा और विधानसभा चुनाव में सत्ता से बाहर किया जाएगा।जनता अब कांग्रेस को भी सत्ता से दूर रखना चाहती है। नई पीढ़ी अब राजनेताओं पर भरोसा नही करती है।स्वार्थी लगातार दल बदल कर रहे। हरियाणा से दल बदल की शुरुआत हुई।अब पूरे देश में फ़ैल गई।दल बदल रोकने के लिए सख्त कानून बनाया जाए।पार्टी नेता की अनुमति के बिना दल बदल की अनुमति नहीं होना चाहिए।

173वीं महिला प्रभु को भेजा अपना घर

सोनीपत। समाज कल्याण शिक्षा समिति व सब इंस्पेक्टर जगत व एएसआई लाल सिंह आर्य के सहयोग से शहर में चलाए जा रहे बेसहारा प्रभुवों को ढूंढकर अपना घर आश्रम भेजने की मुहिम को ध्यान में रखते हुए शहर के विभिन्न एरियों से चार पुरुष प्रभु ओर एक महिला प्रभु को खोजा गया। पुरुष प्रभु पुलिस थाना सेक्टर 27 के एरिया में मिले और महिला प्रभु थाना सदर के एरिया में मिली। पुरुष प्रभुवों को सेक्टर 27 थाने से उनकी फॉर्मेलिटी कराई गई और उसके बाद महिला प्रभु की सदर थाने से पुलिस महिला अधिकारी पूजा ने बेसहारा महिला प्रभु को सिविल अस्पताल में ले जाकर उसका मेडिकल करवाया गया। अलग-अलग आश्रमों से 2 एंबुलेंस बुलाई गई। एक एंबुलेंस अपना घर आश्रम पूठखुर्द दिल्ली से जिसमें 4 प्रभुवों को भेज दिया। दूसरी एंबुलेस बुढ़पुर महिला आश्रम से जिसे ड्राइवर कुलदीप महिला सहयोगी के साथ सदर थाने में पहुंचा। इसी दौरान सदर थाने के एसएचओ सेठी मलिक ने एंबुलेंस को हरी झंडी दिखाकर कर रवाना किया। इस अवसर पर समाज कल्याण शिक्षा समिति के प्रधान आनंद कुमार ने बताया कि उनकी टीम पूरे शहर में घूमती रहती है।

पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन प्रतियोगिता में अक्षिता प्रथम

कैथल। इंदिरा गांधी पीजी महिला महाविद्यालय कैथल में अंतर्राष्ट्रीय गणित दिवस के अवसर पर आईजी कॉलेज और सीआईएसकेएम वी ढांड के गणित विभाग के संयुक्त तत्वाधान में पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन प्रतियोगिता करवाई गई। पीपीटी के माध्यम से ओरिजन और हिस्ट्री ऑफ पाई, नंबर थ्योरी इन डेली लाइफ और एप्लीकेशन ऑफ मैथमेटिक्स इन डेली लाइफ विषयों पर अपनी प्रस्तुतियां पेश की। प्रबंधक समिति के प्रधान, राम बहादुर खुरानिया ने विजेता छात्राओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया और गणित विषय को रोजमर्रा की जिंदगी में अत्यंत उपयोगी बताया। कॉलेज की प्राचार्या डॉ. आरती गर्ग ने कहा कि किसी भी प्रतियोगिता में भाग लेना और जीत की भावना रखना अत्यंत जरूरी है। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर अक्षिता आईजी कॉलेज, अंजू सीआईएसकेएमवी और तृतीय स्थान पर मुस्कान आईजी कॉलेज रही। सभी विजेता छात्राओं को शील्ड देकर पुरस्कृत किया गया। मौके पर आईजी कॉलेज के गणित विभाग से अंकिता गोयल, साक्षी, निर्मल, निशा, ललिशा और सीआईएसकेएमवी ढांड से डॉ. सुनीता व पिंकी उपस्थित रहे।

आरकेएसडी कॉलेज ने बास्केट बॉल में हांसी को 8-0 से हराया

कैथल। आरकेएसडी बास्केट बॉल व गारमेंट हांसी के बीच इटंर बैडमिंटन फुटबॉल महिलाओं का मैच डीजीएचई द्वारा गारमेंट मियामी कालका में आयोजित किया गया। इस मैच में आरकेएसडी मियामी ने 8 गोल दागे। इसके एसोसिएट्स गवर्नमेंट एसोसिएट्स हांसी की टीम एक भी गोल नहीं कर पाई और आरकेएसडी कॉलेज ने इस मैच को 8-0 से जीतकर इस जीत के साथ ही पूरे हरियाणा में अपने नाम की तीसरी टीम बन गई। संस्था के प्रधान साकेत मंगल ने प्रिंसीपल डॉ. संजय गोयल को इस मौके पर बधाई दी। मौके पर डॉ. गुरदीप भोला, प्रो. उर्मिल टेलन, दीपक कंडोला और देव कुमार उपस्थित रहे।

आईएलपी परमिट न होने के कारण 1000 से अधिक लोग गिरफ्तार

एजेंसी। आइजोल

मिजोरम में इनर लाइन परमिट (आईएलपी) के बिना अवैध रूप से राज्य में प्रवेश करने के आरोप में 1000 से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस और प्रभावशाली नागरिक समाज संगठन यंग मिजो एसोसिएशन के स्वयंसेवकों द्वारा मंगलवार की रात संयुक्त रूप से चलाए गए विशेष अभियान के दौरान 1000 से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया गया। बंगाल ईस्टर्न फ्रंटियर रेगुलेशन, 1873 के प्रावधानों के अनुसार, अन्य राज्यों के लोगों को एक निर्दिष्ट अवधि के लिए मिजोरम में प्रवेश करने और रहने के लिए आईएलपी की आवश्यकता होती है। एक पुलिस अधिकारी ने कहा कि अन्य राज्यों के छह नाबालिगों सहित कुल 1187 लोगों के पास आईएलपी नहीं था।

उन्होंने बताया कि सबसे ज्यादा 1065 गिरफ्तारियां आइजोल में की गईं, जबकि लुंगलेई, चम्फाई, सैतुअल और सेरछिप समेत अन्य जिलों में 122 लोगों को गिरफ्तार किया गया। अधिकारी ने कहा कि उल्लंघनकर्ताओं को आगे की कार्रवाई के लिए संबंधित पुलिस थानों में भेज दिया गया है।

ईश्वरप्पा ने बेटे को टिकट न मिलने के लिए एदियुरप्पा को जिम्मेदार ठहराया

एजेंसी। शिवमोगा

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता केएस ईश्वरप्पा ने अपने बेटे केई कांतेश को हावेरी सीट से आगामी लोकसभा चुनाव के लिए पार्टी का टिकट नहीं दिए जाने के लिए पूर्व मुख्यमंत्री बी एस एदियुरप्पा को जिम्मेदार ठहराया है।

पूर्व उपमुख्यमंत्री ईश्वरप्पा (75) ने आरोप लगाया कि भाजपा संसदीय बोर्ड के सदस्य एदियुरप्पा ने उनके बेटे को टिकट का आश्वासन और उनके लिए चुनाव प्रचार का वादा किया था, लेकिन, एदियुरप्पा ने उन्हें धोखा दिया है। भाजपा ने बुधवार को हावेरी सीट से पूर्व मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई को उम्मीदवार बनाने की घोषणा की थी। ईश्वरप्पा ने कहा कि एदियुरप्पा ने सुनिश्चित किया कि बोम्मई और केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री शोभा करंदलाजे को चुनाव लड़ने के लिए भाजपा का टिकट मिले, न कि उनके बेटे को।

भाजपा की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष रह चुके ईश्वरप्पा ने कहा कि उनके समर्थक और शुभचिंतक उन पर शिवमोगा निर्वाचन क्षेत्र से निर्दलीय चुनाव लड़ने का दबाव बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि शुक्रवार को यहां अपने समर्थकों के साथ एक बैठक बुलाई है, जिसके बाद वह अपने अगले कदम पर फैसला करेंगे। भाजपा ने एदियुरप्पा के बेटे और मौजूदा सांसद बी वाई राघवेंद्र को फिर से शिवमोगा से मैदान में उतारा है। ईश्वरप्पा ने कहा कि वह पिछले 40 वर्षों से भाजपा से जुड़े हुए हैं और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कट्टर समर्थक हैं।

अगर इंडिया गठबंधन सत्ता में आया तो यह किसानों की आवाज बनेगा : राहुल

रैली में किसानों के लिए ऋण माफी, फसल बीमा योजना के पुनर्गठन का वादा किया

एजेंसी। नासिक

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बृहस्पतिवार को कहा कि विपक्षी दलों का गठबंधन इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस (इंडिया) यदि सत्ता में आता है तो वह किसानों की आवाज बनेगा और ऐसी नीतियां बनाएगा जो उनकी सुरक्षा कर सके। उन्होंने किसानों को वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) से बाहर करने का वादा किया।

गांधी कांग्रेस की भारत जोड़ो न्याय यात्रा के तहत राकांपा (एसपी) प्रमुख शरद पवार और शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत के साथ महाराष्ट्र के नासिक जिले के चंदवाड में एक किसान रैली को संबोधित कर रहे थे। गांधी ने कहा, विपक्षी गठबंधन इंडिया की सरकार किसानों की आवाज बनेगी और उनके हितों की रक्षा के लिए काम करेगी। मेरी और हमारी (इंडिया गठबंधन की) सरकार के दरवाजे किसानों के लिए हमेशा खुले रहेंगे।

उन्होंने किसानों के लिए ऋण माफी, किसानों को लाभ पहुंचाने के लिए फसल बीमा योजना के पुनर्गठन, निर्यात आयात नीतियों के निर्माण में फसल की कीमतों की रक्षा करने और कृषि को जीएसटी से बाहर करने की कोशिश करने तथा सिर्फ एक कर पर काम करने वादा किया। वायनाड से लोकसभा सदस्य राहुल गांधी ने स्वामीनाथन समिति की रिपोर्ट के अनुसार, न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) को कानूनी गारंटी देने के कांग्रेस के वादे को भी दोहराया। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने दावा किया कि देश में 20-25 लोगों के पास उतनी संपत्ति है जितनी देश की 70 करोड़ आबादी के पास है।

उन्होंने दावा किया कि नरेन्द्र मोदी सरकार ने उद्योगपतियों का 16 लाख करोड़ रुपए का कर्ज माफ किया है। गांधी ने कहा, यह राशि महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के 24 वर्षों के (बजट के) बराबर है जिसके तहत गरीब लोगों को रोजगार देने के लिए हर साल 35 हजार करोड़ रुपए खर्च किए जाते हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की अगुवाई वाले संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) की पिछली सरकार ने किसानों का 70 हजार करोड़ रुपए का कर्ज माफ किया था। उन्होंने कहा अगर अमीर लोगों का कर्ज माफ किया जा सकता है तो किसानों को भी लाभ मिलना चाहिए।

रक्षा बलों में भर्ती की अग्निपथ योजना की आलोचना करते हुए कांग्रेस नेता ने कहा कि अग्निवीरों को न पेंशन मिलेगी और न शहीद का दर्जा। गांधी ने कहा कि उन्हें सिर्फ छह महीने का प्रशिक्षण दिया जाता है। उन्होंने कहा, जैसे सैनिक हमारे देश की सीमाओं की रक्षा करते हैं, वैसे ही किसान देश में नागरिकों की रक्षा करते हैं। अगर हम अपने जवानों और किसानों की रक्षा नहीं करेंगे, तो देश प्रगति नहीं कर सकता है।

राकांपा (एसपी) नेता शरद पवार ने किसान और कृषि क्षेत्र की दशा को लेकर केंद्र सरकार पर उदासीन रवैया अपनाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, किसानों को उनकी फसल की उचित कीमत नहीं मिलती है जिस वजह से वे कर्जे में डूब जाते हैं और आत्महत्या करते हैं। संप्रग सरकार ने किसानों का 70 हजार करोड़ रुपए का कर्ज माफ किया था।

पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा, यह हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है कि हम किसान विरोधी, युवा विरोधी सरकार को हराएं जो महंगाई लाती है। शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने कहा कि महा विकास आघाडी (एमवीए) लोगों के हितों के लिए संघर्ष में राहुल गांधी के साथ हैं। एमवीए में कांग्रेस, शिवसेना (यूबीटी) और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) शामिल हैं। यह राष्ट्रीय स्तर विपक्षी दलों के गठबंधन इंडिया का हिस्सा है। बाद में कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने पत्रकारों से कहा कि लोकसभा चुनाव के बाद अगर विपक्षी गठबंधन सत्ता में आता है तो कितना कर्ज माफ किया जाएगा इसके लिए एक अलग आयोग का गठन किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि नई फसल बीमा योजना बनाई जाएगी जो किसानों के हित में होगी, न कि निजी कंपनियों के हित में। रमेश ने कहा कि कृषि से संबंधित वस्तुओं को जीएसटी के दायरे से बाहर करने के लिए जीएसटी अधिनियम में संशोधन किया जाएगा। उन्होंने कहा, मोदी सरकार की नीति चंदा देने वालों का सम्मान और किसानों का अपमान करने की है। लेकिन किसान हमारी नीति निर्धारण का केंद्र बिंदु होंगे।

किसानों की महापंचायत के कारण मध्य दिल्ली में यातायात का फूला दम

एजेंसी। नई दिल्ली

केंद्र की कृषि क्षेत्र संबंधी नीतियों के विरोध में किसानों ने राष्ट्रीय राजधानी के रामलीला मैदान में बृहस्पतिवार को किसान मजदूर महापंचायत का आयोजन किया, जिसके मद्देनजर मध्य दिल्ली और सराय काले खां में यातयात का बुरा हाल रहा। राजधानी में वाहनों की रफ्तार बेहद धीमी हो गई, जिसके परिणामस्वरूप आईटीओ, दिल्ली गेट, दरियागंज और सराय काले खां के पास राष्ट्रीय राजमार्ग-24 समेत विभिन्न स्थानों पर ट्रैफिक जाम हो गया। सराय काले खां में भारी ट्रैफिक जाम देखा गया। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा कि यात्रियों को कुछ परेशानी का सामना करना पड़ सकता है लेकिन वाहनों की आवाजाही जारी है। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने एक परामर्श जारी किया है, जिसमें यात्रियों को यातायात नियमों और मार्ग परिवर्तन के बारे में सचेत किया गया है।

परामर्श में कहा गया है कि जवाहरलाल नेहरू मार्ग, बाराखंभा रोड, बहादुर शाह जफर मार्ग, टॉलस्टॉय मार्ग, आसफ अली रोड, जय सिंह रोड, स्वामी विवेकानंद मार्ग, संसद मार्ग, नेताजी सुभाष मार्ग, बाबा खड़क सिंह मार्ग,मिंटो मार्ग, अशोक मार्ग, महाराजा रणजीत सिंह फ्लाईओवर, कनॉट सर्कस, भवभूति मार्ग, डीडीयू मार्ग और चमन लाल मार्ग सुबह छह बजे से शाम चार बजे तक यातायात नियंत्रित किया जाएगा। यातायात पुलिस ने यात्रियों से अनुरोध किया है कि यदि संभव हो तो उपरोक्त सड़कों से जाने से बचें और सार्वजनिक परिवहन, विशेषकर मेट्रो सेवाओं का ज्यादा उपयोग करें।

राजग 400 से अधिक सीटें जीतकर सत्ता में लौटेगा : राजनाथ सिंह

एजेंसी। कोकराझार

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बृहस्पतिवार को दावा किया कि यह तय है कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) आगामी लोकसभा चुनाव में 400 से अधिक सीटें जीतकर सत्ता में लौटेगा।

असम में राजग के तीन सहयोगी दलों-भारतीय जनता पार्टी (भाजपा), असम गण परिषद (अगप) और यूनाइटेड पीपुल्स पार्टी लिबरेशन (यूपीपीएल) के कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए सिंह ने कहा कि यदि नरेन्द्र मोदी की अगुवाई वाली सरकार तीसरे कार्यकाल के लिए सत्ता में लौटती है तो राज्य में एक भी कच्चा मकान नहीं होगा तथा सभी के पास पक्के मकान होंगे। उन्होंने कहा, इस बात में रत्ती भर संदेह नहीं है कि केंद्र में हमारी ही सरकार बनेगी। मुझे विश्वास है कि राजग 400 से अधिक सीटें जीतेगा। सिंह ने यह भी दावा किया कि न केवल भारत, बल्कि समूची दुनिया लोकसभा चुनाव के संभावित परिणाम के बारे में जानती है और उन्होंने पहले ही मान लिया है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एक बार फिर सरकार बनाएंगे।

स्वच्छता दूसरों को गुलामी में धकेल कर हासिल नहीं की जा सकती : उच्च न्यायालय

एजेंसी। मुंबई

बंबई उच्च न्यायालय ने कहा है कि किसी कल्याणकारी राज्य में नागरिकों के एक वर्ग के लिए स्वच्छता दूसरों को गुलामी में धकेल कर हासिल नहीं की जा सकती। उच्च न्यायालय ने ग्रेटर मुंबई नगर निगम (एमसीजीएम) को उसके 580 कर्मचारियों को स्थाई कर्मचारी घोषित करने और उन्हें सभी लाभ देने का निर्देश देते हुए यह टिप्पणी की। न्यायमूर्ति मिलिंद जाधव की एकल पीठ ने नवंबर 2023 में एक फैसले में कहा कि नागरिकों के स्वच्छ पर्यावरण के मौलिक अधिकार को श्रमिकों के मौलिक अधिकार बुनियादी मानवीय गरिमा के अधीन रखकर प्राप्त नहीं किया जा सकता है। इस फैसले की प्रति बृहस्पतिवार को उपलब्ध हुई।

अदालत ने एमसीजीएम की ओर से दायर एक याचिका पर सुनवाई के दौरान यह टिप्पणी की, जिसमें औद्योगिक न्यायाधिकरण द्वारा पारित एक आदेश को चुनौती दी गई थी। औद्योगिक न्यायाधिकरण ने एमसीजीएम को 580 अस्थाई कर्मचारियों के लिए पद का सृजन करने का निर्देश दिया गया था। न्यायाधिकरण ने नगर निगम को 580 कर्मचारियों को स्थाई घोषित करने और उन्हें सभी लाभ देने का निर्देश दिया था। श्रमिक संघ, कचरा वाहतुक श्रमिक संघ ने नगर निगम से अपने 580 सदस्यों को स्थाई कर्मचारी बनाने की मांग की थी। ये कर्मचारी सड़कों की सफाई और कूड़ा-कचरा इकट्ठा करने का काम करते हैं।

नाबालिग के कार चलाने से एक महिला की मौत, नौ अन्य घायल

एजेंसी। नई दिल्ली

पूर्वी दिल्ली के भीड़ वाले गाजीपुर बाजार में एक कार के दुकानों में घुस जाने से एक महिला की मौत हो गई जबकि अन्य नौ लोग घायल हो गए हैं। पुलिस ने सड़क दुर्घटना के एक दिन बाद बृहस्पतिवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि पॉलिटेक्निक का 17 वर्षीय एक छात्र कार चला रहा था। अधिकारी ने बताया कि यह दुर्घटना बुधवार की रात हुई। उस दौरान हुंडई ऑरा कार भीड़भाड़ वाले गाजीपुर बाजार में स्थित दुकानों में घुस गई, जिससे 22 वर्षीय सीता देवी की मौत हो गई। इस घटना के बाद कार में सवार एक अन्य किशोर फरार हो गया। पुलिस ने पॉलिटेक्निक के छात्र को हिरासत में ले लिया है और कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

अधिकारी ने बताया कि यह घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। वाहन चालक ने भागने की कोशिश की थी, लेकिन स्थानीय लोगों ने उसे पकड़ा, उसकी पिटाई की और फिर उसे पुलिस को सौंप दिया। गुस्साई भीड़ ने वाहन की विंडस्क्रीन और खिड़कियां तोड़ीं और उसे पलटने से पहले उसके दरवाजे तोड़ने की कोशिश की। अधिकारी ने कहा, हम जांच कर रहे हैं कि किस आधार पर दोनों नाबालिगों को कार चलाने दी गई थी।

हिंदू शरणार्थियों को 19 मार्च से पंजीकरण कराने के लिए कहा गया

नई दिल्ली। पाकिस्तानी हिंदू शरणार्थी धर्मवीर सोलंकी ने बृहस्पतिवार को बताया कि मजनू का टीला इलाके में रहने वाले शरणार्थियों को नागरिकता की पंजीकरण प्रक्रिया के लिए 19 मार्च या उसके बाद दिल्ली उच्च न्यायालय जाने के लिए कहा गया है।

सोलंकी ने कहा कि अगले सप्ताह अदालत में जाने के बाद उन्हें भारतीय नागरिक के रूप में पंजीकृत करने की प्रक्रिया के बारे में सूचित किया जाएगा। सोलंकी ने बताया, हमें पंजीकरण प्रक्रिया के लिए 19 मार्च या उसके बाद उच्च न्यायालय जाने के लिए कहा गया है। हमारे एक परिचित वकील ने कल रात हमसे मुलाकात की और इसकी जानकारी दी। खुद को पंजीकृत करने की बाकी प्रक्रिया के बारे में हमें अदालत जाने के बाद सूचित किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि मजनू का टीला इलाके में रहने वाले शरणार्थियों को सूचित किया गया है कि उन्हें हटाया नहीं जाएगा। सोलंकी ने कहा, हमें बताया गया है कि हमें मजनू का टीला इलाके से हटाया नहीं जाएगा।

चप्पल चाटने के लिए मजबूर करने के आरोप में दो किन्नर गिरफ्तार

एजेंसी। बलिया

बलिया में दो किन्नरों को चप्पल चाटने के लिए कथित रूप से बाध्य करने का एक वीडियो सोशल मीडिया पर प्रसारित होने के बाद मामले में दो किन्नर आरोपियों को बृहस्पतिवार को गिरफ्तार कर लिया गया।

पुलिस के एक अधिकारी के मुताबिक एक वीडियो वायरल हुआ है, जिसमें जिले के उभांव थाना क्षेत्र में दो किन्नरों के बाल काटने के बाद उन्हें कथित तौर पर चप्पल चाटने के लिए मजबूर करते देखा जा सकता है।

पुलिस उपाधीक्षक मोहम्मद फहीम कुरैशी ने बृहस्पतिवार को बताया कि दोनों किन्नरों को अगवा किया गया था। पुलिस अधिकारी ने बताया कि एक किन्नर को बरामद कर लिया है और दो आरोपियों को बृहस्पतिवार को गिरफ्तार कर लिया। उन्होंने बताया कि बीबीपुर गांव की किन्नर पूजा की तहरीर पर पांच अन्य किन्नरों के खिलाफ बुधवार को भारतीय दंड संहिता की प्रासंगिक धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है। उन्होंने बताया कि पुलिस में दर्ज कराई गई शिकायत में किन्नर पूजा ने कहा कि 10 मार्च को बहोरवा गांव में अपने साथियों के साथ नृत्य-गाने का कार्यक्रम कर रही थीं। इस बीच, वाहन से आए लोगों ने उनकी साथी नैना और पायल से मारपीट की और उन्हें जबरन वाहन में बैठाकर ले गए।

पुलिस ने किन्नर पायल उर्फ राजकुमार किन्नर को पड़ोस के देवरिया जिले के लार थाना क्षेत्र से बरामद कर लिया है। इसके साथ ही दो आरोपियों मनीषा किन्नर व राहुल सिंह को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। तीन अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस प्रयास कर रही है।

ओडिशा सरकार ने न्यूनतम मजदूरी बढ़ाई

भुवनेश्वर। लोकसभा और ओडिशा विधानसभा चुनाव से पहले राज्य सरकार ने बृहस्पतिवार को कामगारों की दैनिक न्यूनतम मजदूरी बढ़ाने की घोषणा की। मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने कहा कि इस वृद्धि से अकुशल, अर्धकुशल, कुशल और उच्च कुशल श्रेणियों के लाखों श्रमिकों को लाभ मिलेगा। अकुशल मजदूरों के लिए न्यूनतम मजदूरी 352 रुपए से बढ़ाकर 450 रुपए तथा अर्धकुशल मजदूरों की न्यूनतम मजदूरी 392 रुपये से बढ़ाकर 500 रुपए कर दी गई है। अब कुशल श्रमिकों को न्यूनतम मजदूरी के रूप में 442 रुपये के बजाय 550 रुपए मिलेंगे।

टिकट मिलने के बाद मथुरा पहुंची हेमा मालिनी

मथुरा। भारतीय जनता पार्टी के लोकसभा उम्मीदवारों की सूची में एक बार फिर शामिल किए जाने के बाद स्थानीय सांसद हेमा मालिनी के मथुरा पहुंचने पर कार्यकर्ताओं ने उनका बड़े उत्साह के साथ स्वागत किया। हेमा मालिनी ने खुद को कार्यकर्ताओं के प्रति समर्पित बताते हुए ब्रजवासियों की इच्छा के अनुसार मथुरा में हर अपेक्षित विकास कार्य कराने का वादा किया। इसके लिए उन्होंने कार्यकर्ता सम्मेलन के दौरान उन्हें हर क्षेत्र से लिखित प्रस्ताव देने के लिए भी कहा। इस अवसर पर उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत संकल्प पत्र के लिए सुझाव अभियान की भी शुरूआत की।

लोकसभा चुनाव भारत के भविष्य के लिए महत्वपूर्ण : डी राजा

एजेंसी। नई दिल्ली

भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) के महासचिव डी. राजा ने बृहस्पतिवार को कहा कि आगामी लोकसभा चुनाव भारत के भविष्य के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं क्योंकि धर्मनिरपेक्ष लोकतंत्र पर हमला हो रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि संविधान और लोकतंत्र को बचाने के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को पराजित किया जाना जरूरी है। राजा ने साक्षात्कार में इस सुझाव को खारिज कर दिया कि राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम का आगामी आम चुनाव पर निर्णायक प्रभाव पड़ेगा। उन्होंने कहा कि भाजपा की भगवान राम के बारे में समझ लोगों की समझ से अलग है। उन्होंने भाजपा के मोदी की गारंटी नारे को भी खारिज कर दिया और इसे चुनाव से पहले चुनावी लाभ के लिए तैयार किया गया नारा और जुमला करार दिया। राजा ने दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी युवाओं को नौकरियां देने, कालाधन वापस लाने और महंगाई से निपटने के अपने वादों को पूरा करने में विफल रहे हैं।

उन्होंने कहा, 2024 का लोकसभा चुनाव देश और उसके भविष्य के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं। पिछले 10 वर्षों में हमने जो देखा वह एक विनाशकारी शासन रहा है। मोदी ने अधिकतम शासन, न्यूनतम सरकार का दावा किया था।

देश के 32 दलों ने एक राष्ट्र, एक चुनाव का समर्थन किया, 15 ने विरोध किया

एजेंसी। नई दिल्ली

पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता वाली समिति ने एक राष्ट्र, एक चुनाव के मुद्दे पर 62 पार्टियों से संपर्क किया था और इस पर जवाब देने वाले 47 राजनीतिक दलों में से 32 ने एक साथ चुनाव कराने के विचार का समर्थन किया, जबकि 15 दलों ने इसका विरोध किया। समिति ने अपनी रिपोर्ट बृहस्पतिवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को सौंप दी।

इस रिपोर्ट के अनुसार, कुल 15 पार्टियों ने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। राष्ट्रीय दलों में कांग्रेस, आम आदमी पार्टी (आप), बहुजन समाज पार्टी (बसपा) और मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) ने देश में एक साथ चुनाव कराने के प्रस्ताव का विरोध किया, जबकि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और नेशनल पीपुल्स पार्टी (एनपीपी) ने इसका समर्थन किया। रिपोर्ट में कहा गया है, 47 राजनीतिक दलों से प्रतिक्रियाएं प्राप्त हुईं। 15 राजनीतिक दलों को छोड़कर, शेष 32 राजनीतिक दलों ने न केवल एक साथ चुनाव कराए जाने की व्यवस्था का समर्थन किया, बल्कि संसाधनों को बचाने, सामाजिक सद्भाव की रक्षा करने और आर्थिक विकास को प्रोत्साहित करने के लिए इस विचार पर अमल करने की पैरवी भी की।

समिति की रिपोर्ट के अनुसार, जिन राजनीतिक दलों ने एक साथ चुनाव कराए जाने का विरोध किया, उन्होंने आशंका जताई कि इसे अपनाने से संविधान की मूल संरचना का उल्लंघन हो सकता है, यह अलोकतांत्रिक और संघवाद विरोधी हो सकता है, क्षेत्रीय दलों को हाशिए पर धकेल सकता है, राष्ट्रीय दलों के प्रभुत्व को प्रोत्साहित कर सकता है और इसका परिणाम देश में शासन की राष्ट्रपति प्रणाली के तौर पर सामने आ सकता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि आप, कांग्रेस और माकपा ने प्रस्ताव को यह कहते हुए खारिज कर दिया कि यह लोकतंत्र और संविधान की बुनियादी संरचना को कमजोर करता है। इस रिपोर्ट के मुताबिक, बसपा ने स्पष्ट रूप से इसका विरोध नहीं किया, लेकिन देश की बड़ी क्षेत्रीय सीमा और जनसंख्या के संबंध में उन चिंताओं को उजागर किया, जो इसके क्रियान्वयन को चुनौतीपूर्ण बना सकते हैं। समाजवादी पार्टी ने अपने जवाब में कहा कि यदि एक साथ चुनाव कराए जाते हैं, तो राज्य-स्तरीय पार्टियां चुनावी रणनीति और खर्च में राष्ट्रीय पार्टियों के साथ प्रतिस्पर्धा नहीं कर पाएंगी, जिससे इन दो समूहों के बीच कलह बढ़ जाएगी।

क्षेत्रीय पार्टियों में ऑल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (एआईयूडीएफ), तृणमूल कांग्रेस, ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम), भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा), द्रमुक, नागा पीपुल्स फ्रंट और समाजवादी पार्टी ने एक साथ चुनाव कराने के प्रस्ताव का विरोध किया। अन्नाद्रमुक, ऑल झारखंड स्टूडेंट्स यूनियन, अपना दल (सोनेलाल), असम गण परिषद, बीजू जनता दल, लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास), मिजो नेशनल फ्रंट, नेशनलिस्ट डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव पार्टी, शिव सेना, जनता दल (यूनाइटेड), सिक्किम क्रांतिकारी मोर्चा, शिरोमणि अकाली दल और यूनाइटेड पीपुल्स पार्टी लिबरल ने प्रस्ताव का समर्थन किया।

भारत राष्ट्र समिति, इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग, जम्मू- कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस, जनता दल (सेक्युलर), झारखंड मुक्ति मोर्चा, केरल कांग्रेस (एम), राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार), राष्ट्रीय जनता दल, राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी, रिवोल्यूशनरी सोशलिस्ट पार्टी, सिक्किम डेमोक्रेटिक फ्रंट, तेलुगु देसम पार्टी और वाईएसआर कांग्रेस पार्टी ने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी।

अन्य दलों में भाकपा (माले) लिबरेशन, सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया ने इसका विरोध किया। राष्ट्रीय लोक जनता दल, भारतीय समाज पार्टी, गोरखा नेशनल लिबरल फ्रंट, हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा, राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (अजित पवार) भी विरोध करने वाले राजनीतिक दलों में शामिल हैं। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि 2019 में एक सर्वदलीय बैठक हुई थी, जिसमें शामिल 19 दलों में से 16 ने एक साथ चुनाव के विचार का समर्थन किया था, जबकि सिर्फ तीन दलों ने विरोध किया था।

आग लगने से दो बच्चियों समेत चार की मौत

पार्किंग में शुरू हुई आग का धुआं पूरी बिल्डिंग में फैला, पांच लोगों को चल रहा इलाज

गीता कॉलोनी के शास्त्री नगर में 111 गज के मकान में फ्लैट बने हैं

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली के शाहदरा के शास्त्री नगर इलाके में स्थित एक रिहायशी इमारत में बृहस्पतिवार तड़के भीषण आग लगने के बाद दो बच्चियों और एक दंपति की दम घुटने से मौत हो गई। आग इतनी भीषण थी कि कई लोग फंस गए और घर में धुंआ भरने से बेहोश होकर गिर गए। पुलिस ने यह जानकारी दी।

अस्पताल में चार लोगों की मौत की खबर के बाद कोहराम मच गया, वहीं भीषण आग के हादसे चार लोगों की मौत से पूरी गली में मातम का माहौल है। पुलिस ने बताया कि मृतकों की पहचान मनोज (30), उसकी पत्नी सुमन (28), पांच वर्षीय बच्ची, पुत्री राकेश और साढ़े तीन वर्षीय बच्ची, पुत्री राकेश के रूप में हुई है।

पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, हमें अस्पताल से सूचना मिली कि चार लोगों- दो बच्चियों और एक दंपति की दम घुटने से मौत हो गई है। मामले की जांच जारी है। पुलिस ने बताया कि सुबह पांच बजकर करीब 20 मिनट पर गीता कॉलोनी के पास शास्त्री नगर में भीषण आग लगने की सूचना मिली जिसके बाद तुरंत दिल्ली अग्निशमन सेवा को सूचित किया गया। अधिकारी ने बताया कि स्थानीय पुलिस की

एक टीम, दमकल की चार गाड़ियां, एम्बुलेंस और पीसीआर वैन को घटनास्थल पर भेजा गया। पुलिस ने बताया कि जिस इमारत में आग लगी, उसमें चार मंजिल हैं और भूतल पर कार पार्किंग है।

उन्होंने बताया कि आग पार्किंग स्थल से शुरू हुई और धुआं पूरी इमारत में फैल गया। अधिकारी ने बताया, गली संकरी होने के बावजूद अग्निशमन अधिकारी मौके पर पहुंचने और आग पर काबू पाने में कामयाब रहे। हरेक मंजिल की तलाशी ली गई। तीन पुरुषों, चार महिलाओं और दो बच्चियों को वहां से निकालकर हेडगेवार अस्पताल भेजा गया। अस्पताल में शोकाकुल परिवार मौजूद है। मनोज अपने परिवार के साथ भूतल पर रहते थे। आग की शुरुआत यही से हुई थी। आग लगने की सूचना मिलते ही दमकल व पुलिस की टीमें मौके पर पहुंची। आग लगने से पार्किंग में खड़े चार वाहन जल गए। पुलिस ने किसी तरह से आग पर काबू पाया। जिला

पुलिस उपायुक्त सुरेंद्र चौधरी ने बताया कि सुबह 5:22 बजे शास्त्री नगर की गली नम्बर 22 में आग लगने की सूचना मिली थी। गली संकरी थी, ऐसे में दमकल की गाड़ियों को मौके पर पहुंचने में काफी मशक्कत हुई। यहां 111 गज के मकान में फ्लैट बने हैं। हादसे के वक्त लोग सो रहे थे। कुछ लोगों ने छत पर भाग कर जान बचाई, जो लोग फंस गए थे उन्हें रेस्क्यू किया गया। आग लगने के कारणों का पता नहीं चल पाया है।

नागरिकता संशोधन कानून पर सियासत

गृहमंत्री शाह के हमलों का मुख्यमंत्री ने दिया जवाब

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

नागरिकता संशोधन कानून को लेकर बयानबाजी और सियासी घमासान जारी है। दिल्ली सरकार केंद्र द्वारा लाए गए सीएए का विरोध कर रही है। इसे लेकर गृहमंत्री अमित शाह ने एक साक्षात्कार में कहा था कि यह कानून आकर ही रहेगा। इसके जवाब में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि उन्हें यह कानून बिल्कुल भी स्वीकार नहीं है और न ही ये देश हित में है।

केजरीवाल ने कहा कि सीएए को लेकर बुधवार को उन्होंने जो सवाल उठाए थे। केंद्र सरकार से उन सवालों का जवाब नहीं दिया है। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के जवाब में केजरीवाल ने कहा कि आज सारी सरकारें मिलकर युवाओं को रोजगार देने में असमर्थ हैं, ऐसे पाकिस्तान, बांग्लादेश, अफगानिस्तान से आए लोगों के लिए घर और रोजगार कहां से लाएंगे।

उन्होंने कहा कि दिल्ली में राशन कार्ड कम पड़ रहे हैं। केंद्र सरकार इसकी संख्या बढ़ाने की इजाजत नहीं दे रही है, लेकिन पाकिस्तानियों का राशन कार्ड बनाना चाहती है।

केजरीवाल को सिर्फ धर्म की राजनीति करनी है : सचदेवा

नई दिल्ली। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा ने अरविंद केजरीवाल के बयान पर पलटवार करते हुए आम आदमी पार्टी के संयोजक को एक धर्म विशेष की राजनीति से ग्रसित बताया। केजरीवाल को सिर्फ धर्म की राजनीति करनी है क्योंकि उनके अंदर मानवीय संवेदना खत्म हो चुकी है।

रामलीला मैदान पहुंचे किसान, केंद्र सरकार के खिलाफ की नारेबाजी

बोलेः एमएसपी का कानून बनाने के लिए जारी रहेगा संघर्ष

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

बड़ी संख्या में किसान बृहस्पतिवार को किसान मजदूर महापंचायत के लिए राष्ट्रीय राजधानी के रामलीला मैदान में इकट्ठा हुए और उन्होंने केन्द्र की नीतियों के खिलाफ नारेबाजी की। तीन केंद्रीय कृषि कानूनों (अब रद्द किए जा चुके) के खिलाफ दिल्ली की सीमाओं पर 2020-21 में हुए किसान आंदोलन का नेतृत्व करने वाले संयुक्त किसान मोर्चा (एसकेएम) ने कहा है कि सरकार की नीतियों के खिलाफ लड़ाई तेज करने के लिए किसान मजदूर महापंचायत में एक प्रस्ताव पारित किया जाएगा।

भाकियू के राकेश टिकैत ने किसान मजदूर महापंचायत में कहा कि देश में सब जगह आंदोलन चल रहे हैं। बहुत से आंदोलन दिखाई नहीं दे रहे, क्योंकि कर्नाटक का आंदोलन होगा और बिहार का आंदोलन होगा तो दिखाई नहीं देगा बिल्कुल भी। ये विचारधाओं के आंदोलन है। जो भी सरकार किसानों के विरुद्ध फैसलें लेगी उसके विरोध में आंदोलन जारी रहेगा। चाहे वह कोई सी भी सरकार (प्रदेश सरकार) हो, किसी भी पार्टी की सरकार हो उसके खिलाफ आंदोलन जारी

रहेगा। हमें किसी पार्टी से कोई लगाव नहीं है। किसानों ने महापंचायत में किसान नेताओं ने अपनी एमएसपी, ऋण माफी की मांग को दोहराया। महापंचायत में किसान नेताओं ने साफ किया कि एमएसपी की उनकी लड़ाई जारी रहेगी। किसान नेता गुरनाम सिंह चढ़ूनी ने हरियाणा कृषि विवि की एक रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि हर साल एक किसान पर 21376 रुपये का कर्जा चढ़ता है। 2000 से 2015 तक किसानों को एमएसपी से 45 लाख करोड़ रुपये कम मिले अपनी फसलों पर।

किसानों ने धरना स्थल पर केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। पंजाब के पटियाला के किसान हरमन सिंह ने बताया कि वह बुधवार रात राजधानी पहुंचे थे।

सीएम आवास के पास हिंदू, सिख शरणार्थियों का प्रदर्शन

प्रदर्शनकारियों ने केजरीवाल से नागरिकता सीएए को लागू करने के खिलाफ की गई टिप्पणियों के लिए माफी की मांग की

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली के विभिन्न हिस्सों में रहने वाले हिंदू और सिख शरणार्थियों ने बृहस्पतिवार को यहां मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के सिविल लाइंस स्थित आवास के पास विरोध-प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने केजरीवाल से नागरिकता अधिनियम (सीएए) को लागू करने के खिलाफ की गई उनकी टिप्पणियों के लिए माफी की मांग की।

प्रदर्शनकारी चंदगीराम अखाड़े के पास एकत्र हुए और केजरीवाल के बंगले की ओर मार्च करने का प्रयास किया, लेकिन पुलिस ने उन्हें रोक दिया। प्रदर्शनकारियों में शामिल पंजूराम ने कहा, नरेन्द्र मोदी सरकार हमें नागरिकता दे रही है जबकि केजरीवाल पूछ रहे हैं कि हमें नौकरी और घर कौन देगा।

वह हमारा दर्द नहीं समझते। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि केजरीवाल को सीएए और शरणार्थियों के खिलाफ अपने बयान वापस लेने चाहिए और माफी मांगनी चाहिए। विरोध-प्रदर्शन में रोहिणी, आदर्श नगर, सिग्नेचर ब्रिज के नजदीक और मंजनू का टीला में रहने वाले हिंदू और सिख शरणार्थियों ने हिस्सा लिया।

वहीं मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने इसको लेकर सोशल मीडिया एक्स पर कहा कि पाकिस्तानियों को तो पूरा सम्मान दिया जा रहा है लेकिन भारत के ही

किसानों के साथ नाइंसाफी की जा रही। पाकिस्तानियों को पूरी पुलिस सुरक्षा और सम्मान के साथ मेरे घर के बाहर प्रदर्शन करने की इजाजत और इस देश के किसानों को दिल्ली में आने की भी इजाजत नहीं।

भारत के किसानों पर आंसू गैस के गोले, लाठियाँ, डंडे और गोलियाँ और पाकिस्तानियों को इतना सम्मान। एक अन्य ट्विट में केजरीवाल ने कहा कि आज कुछ पाकिस्तानियों ने मेरे घर के सामने प्रदर्शन और हुड़दंग किया। दिल्ली पुलिस ने उन्हें पूरा सम्मान और संरक्षण दिया। भाजपा ने इनका पूरा समर्थन किया। इनकी इतनी हिम्मत हो गई कि भारी बहुमत से चुने गए सीएम को हमारे मुल्क में घुसकर माफी माँगने को कह रहे है और भाजपा इनका समर्थन कर रही है।

पंजीकरण कराने के लिए कहा गया : शरणार्थी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली के विभिन्न हिस्सों में रहने वाले हिंदू और सिख शरणार्थियों ने बृहस्पतिवार को यहां मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के सिविल लाइंस स्थित आवास के पास विरोध-प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने केजरीवाल से नागरिकता अधिनियम (सीएए) को लागू करने के खिलाफ की गई उनकी टिप्पणियों के लिए माफी की मांग की। प्रदर्शनकारी चंदगीराम अखाड़े के पास एकत्र हुए और केजरीवाल के बंगले की ओर मार्च करने का प्रयास किया, लेकिन पुलिस ने उन्हें रोक दिया। प्रदर्शनकारियों में शामिल पंजूराम ने कहा, नरेन्द्र मोदी सरकार हमें नागरिकता दे रही है

जबकि केजरीवाल पूछ रहे हैं कि हमें नौकरी और घर कौन देगा। वह हमारा दर्द नहीं समझते। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि केजरीवाल को सीएए और शरणार्थियों के खिलाफ अपने बयान वापस लेने चाहिए और माफी मांगनी चाहिए। विरोध-प्रदर्शन में रोहिणी, आदर्श नगर, सिग्नेचर ब्रिज के नजदीक और मंजनू का टीला में रहने वाले हिंदू और सिख शरणार्थियों ने हिस्सा लिया। केजरीवाल ने बुधवार को संवाददाता सम्मेलन में आरोप लगाया था कि लोकसभा चुनाव से पहले सीएए को लागू करना भाजपा की वोट बैंक की गंदी राजनीति है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि पाकिस्तान और बांग्लादेश से आकर यहां बसने वालों को नौकरियां और घर दिए जाएंगे, जिसका असर स्थानीय लोगों पर पड़ेगा। केंद्र सरकार द्वारा सीएए के अधिसूचित नियमों के तहत बांग्लादेश, पाकिस्तान और अफगानिस्तान से 31 दिसंबर 2014 से पहले भारत आए हिंदू, सिख, जैन, बौद्ध, पारसी और ईसाई समुदाय के लोगों को भारत की नागरिकता दी जाएगी।

द्वारका एक्सप्रेसवे पर सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए किए गए उपाय

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने द्वारका एक्सप्रेसवे पर यातायात को दुरुसत करने के लिए यात्रियों से जिम्मेदारी से वाहन चलाने का अनुरोध किया है। साथ ही कहा कि यातायात नियमों का उल्लंघन कम करने तथा यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में मदद के लिए विभिन्न उपाय किए हैं। एनएचएआई ने एक्सप्रेसवे पर यात्रियों की सहायता के लिए प्रमुख जंक्शनों और प्रवेश निकास बिंदुओं पर मार्गदर्शन और दिशा-निर्देश प्रदान करने के लिए मार्शल तैनात किए हैं। साथ ही यात्रियों की सुविधा के लिए अतिरिक्त सड़क संकेतक लगाए गए हैं। इसके अतिरिक्त, जैसा कि द्वारका एक्सप्रेसवे को हाई-स्पीड कॉरिडोर के रूप में विकसित किया गया है, उच्च गति वाले वाहनों की आवाजाही तुलनात्मक रूप से धीमी गति से चलने वाले वाहनों की सुरक्षा के लिए जोखिम पैदा कर सकती है। इसलिए, दो, तीन पहिया वाहनों और गैर-मोटर चालित वाहनों जैसे वाहनों के एक्सप्रेस वे पर चलने के लिए प्रतिबंधित किया गया है। ऐसे वाहन एक्सप्रेसवे के दोनों ओर बनाई गई सर्विस लेन का उपयोग कर सकते हैं। प्रौद्योगिकी का लाभ उठाते हुए, उन्नत सीसीटीवी कैमरे भी तैनात किए गए हैं ताकि यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जा सके और सड़क सुरक्षा बढ़ाई जा सके। इसके अतिरिक्त मजबूत दुर्घटना प्रबंधन प्रणाली प्रदान करने के लिए समर्पित एक्सप्रेसवे गश्ती वाहन और एम्बुलेंस को एक्सप्रेस वे पर तैनात किया गया है। इसके अतिरिक्त किसी भी आपातकालीन गैर-आपात स्थितियों में यात्रियों की सहायता के लिए टोल-फ्री राष्ट्रीय राजमार्ग हेल्पलाइन नंबर 1033 की सेवाएं भी उपलब्ध हैं। एनएचएआई ने यात्रियों से जिम्मेदारी से वाहन चलाने, गलत दिशा में वाहन चलाने से बचने, लेन अनुशासन का पालन करने तथा हाई-स्पीड कॉरिडोर में सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए गति सीमा के भीतर वाहन चलाने का करने का आग्रह किया है।

केजरीवाल ने समन को सत्र न्यायालय में चुनौती दी

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कथित आबकारी घोटाले से संबंधित धनशोधन मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की ओर से दर्ज कराई गई दो शिकायतों पर निचली अदालत द्वारा उन्हें जारी किए गए समन को यहां एक सत्र अदालत में चुनौती दी है। ईडी ने उसके समन को नज़रअंदाज़ करने पर निचली अदालत का रुख किया था। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश राकेश सयाल आज केजरीवाल के आवेदनों पर सुनवाई कर सकते हैं। केजरीवाल ने अतिरिक्त मुख्य मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट (एसीएमएम) दिव्या मल्होत्रा के आदेशों के खिलाफ सत्र अदालत का रुख किया, जिन्होंने केजरीवाल को 16 मार्च को अदालत में पेश होने का निर्देश दिया था। ईडी ने मजिस्ट्रेट अदालत के समक्ष दो शिकायतें दायर कर, मामले में केजरीवाल को जारी किए गए कई समन को नजरअंदाज करने के लिए उनके खिलाफ मुकदमा चलाने की मांग की थी।

संक्षिप्त समाचार

सिनेमा में स्त्री की भूमिका और योगदान पर परिचर्चा

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस सप्ताह के अवसर पर इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र (आईजीएनसीए) 'भारतीय सिनेमा में महिलाएं' विषय पर एक विचार मंथन का आयोजन किया गया। पैनल परिचर्चा में स्पिक मैके की डायरेक्टर रश्मि मलिक, प्रख्यात ओडिसी नृत्यांगना रीला होता, वरिष्ठ पत्रकार व लेखक जयंती रंगनाथन और फिल्म विशेषज्ञ व लेखक इकबाल रिजवी शामिल रहे। चर्चा का संचालन मीडिया सेंटर के नियंत्रक अनुराग पुनेठा ने किया। इस मौके पर आईजीएनसीए के सदस्य सचिव, डॉ. सच्चिदानन्द जोशी भी मौजूद थे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. श्रुति नागपाल ने किया। वहीं माधवेंद्र कुमार ने आईजीएनसीए की पत्रिका 'विहंगम' के 'सिनेमा में महिला' विशेषांक के बारे में बताया। इस अवसर पर आयोजित प्रदर्शनी में कई नई और पुरानी फिल्मों के पोस्टर और फिल्म पत्रिकाओं के दुर्लभ अंक का प्रदर्शन किया गया। फिल्मों में महिलाओं की कुछ सशक्त भूमिकाओं पर आधारित एक शॉर्ट फिल्म दिखाई गई।

क्रूरता के कारण बुजुर्ग दंपति विवाह हुआ खत्म

नई दिल्ली । दिल्ली उच्च न्यायालय ने पिछले कई वर्षों से अलग रह रहे एक बुजुर्ग दंपति की शादी को खत्म करने के कुटुंब अदालत के फैसले को बरकरार रखा और क्रूरता के आधार पर पति को दिए गए तलाक के फैसले के खिलाफ पत्नी की अपील को खारिज कर दिया। उच्च न्यायालय ने कहा कि अपने विवादों को शांत करने के बजाय महिला ने निराधार आरोप लगाकर तलाक की कार्यवाही जारी रखने का विकल्प चुना है। पुरुष ने दावा किया कि वह 1980 से अपनी पत्नी से अलग रह रहा है तो वहीं महिला का कहना है कि वे जनवरी 2013 से अलग रह रहे हैं। न्यायमूर्ति सुरेश कुमार कैत और न्यायमूर्ति नीना बंसल कृष्ण ने अपने हालिया आदेश में कहा, दोनों पक्षकारों की उम्र 70 साल से अधिक है और जीवन की इस उम्र में भी, अपीलकर्ता (पत्नी) ने अपने विवादों को शांत करने के बजाय निराधार आरोप लगाकर तलाक की कार्यवाही जारी रखने का विकल्प चुना है। पीठ ने कहा, हमारी राय में यह स्पष्ट रूप से साफ है कि अपीलकर्ता को प्रतिवादी (पति) में कोई भी अच्छाई नजर नहीं आती है और उसके और उसकी बहन के खिलाफ कई मुकदमे चलाकर उसने यह स्पष्ट कर दिया है कि उनके पुनर्मिलन की कोई गुंजाइश नहीं है।

विश्व निद्रा दिवस

शारीरिक-मानसिक स्वास्थ्य के लिए नींद है जरूरी

कम सोने से जीवन का हर क्षेत्र हो सकता है प्रभावित, विशेष रूप से युवा वर्ग को बना रहा आसान शिकार

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

नींद की कमी आपके दिनचर्या को प्रभावित करने के साथ शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकती है। यह कहना है दिल्ली नगर निगम के मुख्य चिकित्सा अधिकारी (आयुर्वेद) डॉक्टर आरपी पाराशर का। डॉ. पराशर के अनुसार लोगों में नींद में कमी कई तरह की समस्या का कारण बन सकती है।

डॉ. आरपी पाराशर

वर्तमान भागदौड़ के जीवन में पर्याप्त नींद नहीं लेना जीवन के हर क्षेत्र को प्रभावित कर सकती है। डॉ. पराशर ने कहा, पर्याप्त नींद हमारी शारीरिक ही नहीं, मानसिक गतिविधियों और क्रियाओं के लिए भी अति आवश्यक है।

डॉ. पराशर ने कहा कि युवा वर्ग विशेष रूप से अनिद्रा का शिकार बन रहा है। दुनिया भर में 30 से 40 फीसदी जनसंख्या को कभी न कभी नींद की समस्या का सामना करना पड़ता है जबकि 10 से 15 फीसदी लोग रोज नींद न आने की समस्या से परेशान है। हालांकि विटामिन बी-6 और विटामिन डी की कमी भी नींद न आने के कारणों में शामिल है, लेकिन नींद न आने के मुख्य कारण मानसिक ही हैं। इसका कारण करियर, नौकरी, काम धंधा और व्यक्तिगत संबंधों में उतार चढ़ाव तनाव के मुख्य कारणों में से हैं जो नींद के समय और गुणवत्ता को प्रभावित करते हैं। डॉ. पराशर ने कहा कि अच्छी नींद के

आयुर्वेद में है अनिद्रा का निदान

डॉ. पराशर ने कहा कि अश्वगंधा, तगर, अर्जुनारिष्ट एवं सारस्वतारिष्ट जैसी आयुर्वेदिक दवाएं अनिद्रा दूर करने में सहायक है। उन्होंने कहा, लैवेंडर, कैमोमाइल और पुदीना भी उपस्थित रासायनिक तत्व तनाव को दूर कर अच्छी नींद लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। शिरोधारा नामक पंचकर्म चिकित्सा अनिद्रा, चिंता, तनाव, डिप्रेशन, आदि रोगों के मामले में तुरंत प्रभाव दिखाती है।

लिए आयुर्वेद के मूलभूत सिद्धांतों का पालन कर अनिद्रा की समस्या से छुटकारा पाया जा सकता है।

इन नियमों के पालन से होगा लाभ

- स्वस्थ रहने के लिए जल्दी सोना और जल्दी उठना जरूरी है
- रात खाना का जल्दी खाएं और सोने से पहले कुछ देर अवश्य टहलें।
- सोने से पहले नहाने से शारीरिक और मानसिक थकावट दूर होती है
- गुनगुने या गर्म पानी से पैरों की सिकाई कर तलवों में तेल की मालिश करें
- सोने के स्थान पर अंधेरा होना चाहिए ताकि अच्छी नींद के लिए पर्याप्त मैलेटोनिन हार्मोन का स्राव हो
- डिजिटल गैजेट्स की आदत छोड़ें और परिवार के साथ समय बिताने से मानसिक राहत।

यशोदा अस्पताल में किडनी दिवस मनाया गया

गाजियाबाद। विश्व किडनी दिवस के उपलक्ष्य में यशोदा सुपर स्पेशयलिटी हॉस्पिटल, कौशाम्बी में 'किडनी हेल्थ फॉर ऑल' नाम से एक सेमिनार का आयोजन किया गया। इसमें किडनी का उपचार एवं किडनी प्रत्यारोपण से लाभान्वित रोगियों (जिनमें प्रथम किडनी प्रत्यारोपित मरीज कुमारी नाजिस भी सम्मिलित हुई) को सम्मानित किया गया। सेमीनार के मुख्य अतिथि यशोदा सुपर स्पेशयलिटी हॉस्पिटल, कौशाम्बी के वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. आरके मनी (क्लीनिकल डॉयरेक्टर), डॉ. अनुज अग्रवाल (मुख्य चिकित्सा अधिकारी), डॉ. सुनील डागर (सी.ओ.ओ) उपस्थित थे। सेमिनार में वर्तमान में डायलसिस प्रक्रिया से लाभान्वित राम नरेश, सरिता जग्गा, सैय्यद अतर हसन, अनिल दिवाकर एवं संजय राय के साथ किडनी दानकर्ता शबिला, उपेन्द्र कुमार, रचना, सुनीता, शान्ति देवी एवं शन्नो को सम्मानित किया गया।

डिजाइन करें भविष्य का रास्ता

डिजाइनरों की मांग बढ़ने से, अनेक छात्र इस क्षेत्र में करियर बनाना चाहते हैं। **ए बालाकृष्णन** ऐसे तरीके बताते हैं जो दूरगामी तौर पर सहायता कर सकते हैं–

बीते कुछ अर्से में, डिजाइन अनेक उम्मीदवारों के लिए पसंदीदा विकल्प बन गया है। डिजाइन एजूकेशन सभी प्रकार के छात्रों के लिए एक रोमांचकारी नवीन अवसर प्रस्तावित करता है। क्योंकि यह समान अनुपात में विज्ञान, तकनीकी, कला व सौंदर्यबोध पर टिका होता है।

भारत में डिजाइन एक बहुत पुरानी गतिविधि मगर एक बहुत नया पेशा है। इसके अलावा, सभी नयी चीजों की तरह, पेशे ने विभिन्न चेहरे अख्तियार किए हैं। प्रोफेशनल प्रोडक्ट डिजाइनर का चेहरा है जो बेहतर कारों, घड़ियों व फोन बनाने में विकासशील वैश्विक बाजारों में वैश्विक डिजाइनरों से प्रतिस्पर्धारत है। फिर भारतीय व्यापारों को विजुअल पहचान देकर ब्रांड इंडिया गढ़ने वाला एक ग्राफिक डिजाइनर का चेहरा होता है। क्राफ्ट डिजाइनर है जो पारंपरिक हथकरघों व हस्तकला उत्पादों की पुनर्व्याख्या कर रहा है तथा उन्हें शहरी स्थानों व अंतर्राष्ट्रीय बाजारों के अनुकूल तैयार करता है।

इंटरेक्शन डिजाइनर यूजर केन्द्रित डिजीटल उत्पाद विकसित करके आईटी क्रांति की पीठ पर सवार है। फिर ब्रांड बन रहे डिजाइनर भी हैं जो धीरे धीरे उत्पादों व सेवाओं पर अपने नाम की मार्केटिंग में प्रगति कर रहे हैं।

क्षितिज पर उभर रहा है चिंतक-डिजाइनर जिसे धीरे धीरे अस्पताल प्रशासन को सुधारने तथा पेयजल को सुरक्षित बनाने की प्रक्रिया लागू करते देखा जाता है। इसके अलावा, स्ट्रेटजिक डिजाइन मैनेजर है, जो बोर्ड कक्षों में बैठ रहा है और रचनात्मक ढंग से व्यापारों को एक साथ संभाल रहा है। भारत में डिजाइन एजूकेशन का परिणाम है जो अनुवांशिक रूप से जेनेरिक तथा बोर्ड आधारित रहा है। इसका अधिकांश अब बदल रहा है। ऐसा नहीं कि सभी संस्थान इन विकल्पों को प्रस्तावित करते हैं। इसीलिए, यह काम का वो क्षेत्र चुनना समझदारी है जो आपको रोमांचित करता है और संस्थान का चुनाव ऐसा हो जो इस रोमांच की पूर्ति करेगा।

n जानें कि आप क्या चाहते हैं:

यह जरूरी है कि अपनी गहरी पड़ताल करें, यह समझने के लिए कि आप क्या चाहते हैं। क्या आप तकनीकी टिंकरर हैं? क्या आप उत्पाद संबंधी समस्याएं हल का आनंद लेते हैं? क्या आप ऐसे हैं जो प्रत्यक्षतया अनपढ़ है? क्या आप अच्छी बेवसाइटों या एप्स पर सहज प्रतिक्रिया करते हैं? क्या आप काम के विभिन्न क्षेत्रों में आराम से खुद को स्थापित कर लेते हैं? क्या आप डिजीटल जीवन बिताते हैं? ये सभी पहलू डिजाइन के विभिन्न श्रेणियों को इंगित कर सकते हैं।

n अपने संस्थान को जानें:

अनेक डिजाइन संस्थान डिजाइन के पारंपरिक अनुशासन प्रस्तावित करते हैं जो आपको पूर्वनिर्धारित दायरों में जाने के लिए प्रेरित करते हैं। इनमें से कुछ संस्थान ऐसे कार्यक्रम प्रस्तावित कर सकते हैं जो 50 वर्ष पहले प्रासंगिक थे।

पाठयक्रम बदलते समयों के अनुरूप होना चाहिए और उसे इंडस्ट्री की आवश्यकता के अनुसार समकालीन होना चाहिए। हालांकि शुरुआत में डिजाइनरों के लिए बहुत सारे कोर्स उपलब्ध नहीं थे, मगर शिक्षा ने लंबा रास्ता तय किया है। आज अनेक नामचीन विश्वविद्यालय उच्च स्तरीय शिक्षा प्रस्तावित करते हैं, इंडस्ट्री की विविधतापूर्ण प्रकृति के अनुकूल प्रशिक्षित। यह गहन व नवोन्मेषी कार्यक्रम है, जिसमें प्रोडक्ट डिजाइन, इंटरेक्शन डिजाइन और बहुविषयक डिजाइन शामिल हैं।

n कथ्यों को जानें :

डिजाइन प्रोग्राम के कथ्यों का जानना अत्यावश्यक है ताकि सुनिश्चित हों कि यह कोर्स आज के समय में कितना प्रासंगिक है। क्या कोर्स उच्चस्तरीय हैं? क्या उनमें त्वरित तकनीकी बदलाव सम्मिलित हैं? क्या वहां प्रयोगशालाएं व कार्यशालाएं हैं जो आपको सीखने में सहायता कर सकें? क्या वे आजीविका केन्द्रित हैं? क्या वे आपको वास्तविक जीवनानुभवों के लिए तैयार करते हैं? क्या कोर्स इंडस्ट्री की आवश्यकताओं से जुड़े हुए हैं? क्या प्रोग्राम आपकी अपनी रुचियों को समझने में सहायता करते हैं या वे आपको ऐसे दायरों में डाल रहे है जिनकी आप परवाह नहीं करते हैं।

> भारत में डिजाइन एजूकेशन का परिणाम है जो अनुवांशिक रूप से जेनेरिक तथा बोर्ड आधारित रहा है। इसका अधिकांश अब बदल रहा है। ऐसा नहीं कि सभी संस्थान इन विकल्पों को प्रस्तावित करते हैं। इसीलिए, यह काम का वो क्षेत्र चुनना समझदारी है जो आपको रोमांचित करता है और संस्थान का चुनाव ऐसा हो जो इस रोमांच की पूर्ति करेगा।

n डिजाइन करियर की तैयारी:

यदि आप सोचते हैं कि डिजाइन आपकी पसंद है, तो उसके लिए तैयारी करना शुरू करें। स्केचिंग, फोटोग्राफी या आलेखों के जरिए संप्रेषित करना सीखें। चीजों को व अपने आसपास के लोगों को देखना शुरू करें।

n जानकार व्यक्ति बनें:

वस्तुओं व स्थानों की जटिलताओं को समझें। जो कुछ भी करें, उसमें रचनात्मक हों। अपने समस्त रचनात्मक प्रयासों के नमूने एक साथ रखना शुरू करें। पेशे की जानकारी से खुद को लैस करें। क्षेत्र में डिजाइनरों से मिलें। देखें कि वे किस प्रकार काम करते हैं। अपने करियर की परिकल्पना करें।

संभावनाएं तलाशें:

डिजाइनरों के पास उत्कृष्ट करियर विकल्प होते हैं जो आपको सफलता की चोटियों पर ले जा सकते हैं। अत्याधुनिक पेशेवरों में शामिल हैं:

n प्रोडक्ट डिजाइनर: यह डिजाइनर लोगों के लिए नए उत्पाद बनाने के लिए नयी सामग्रियों, प्रक्रियाओं व तकनीकों के साथ काम करता है। चाहे यह फोल्डेबल स्क्रीन वाला फोन हो या बेहतर सफाई करने वाला वैक्यूम क्लीनर हो, यह डिजाइन पुनर्कल्पित उत्पादों के साथ यूजर को आनंदित करता है।

n इंटरेक्शन डिजाइनर: यह नया पेशा है जो मजेदार डिजीटल अनुभव एवं उत्पाद बनाता है। यह रोबोटिक्स या फिटनेस एप्प जैसी डिजीटल सामग्री के रूप्स में प्रत्यक्ष अनुभव हो सकता है।

n बहुविषयक डिजाइनर: टी आकारनुमा प्रोफेशनल जो दायरों का चौड़ाई तलाशता है और एक विशेषज्ञता हासिल करता है। अधिकांश स्टार्ट-अप्स व छोटे व्यापार में पाए गए, ये डिजाइनर ब्रांड डिजाइन कर सकते हैं, किताब प्रकाशित कर सकते हैं, शुरुआती कार्यक्रम डिजाइन कर सकते हैं और प्रदर्शनी लगा सकते हैं और उसकी वेबसाइट बना सकते हैं।

n डिजाइन आंत्रप्योनोर: रचनात्मक डिजाइनर, जिसके पास बिजनेस का विचार है, ब्रांड बन सकता है। वे स्टार्टअप्स बन सकते हैं और उद्यमशील भावना व व्यापार सूझबूझ से लैस होते हैं।

n डिजाइन का भविष्य: डिजाइन अपने आपमें भी 1960 दशक की महज आकारप्रदत्त गतिविधि से आगे उभर रहा है। डिजाइन का भविष्य चौतरफा व्याप्त है। डिजाइनरों से नेतृत्वकारी भूमिकाएं संभालने की अपेक्षा रहेगी और उन्हें अधिक विध्वंसकारी, जिम्मेदार व समावेशी बनना पड़ेगा। स्थायीत्व डिजाइन के भविष्य का मंत्र बनेगा। कल्पनाशीलता उच्चकोटि की बनेगी और रचनात्मकता दुनिया की समस्याएं सुलझाने की कुंजी बनेगी।

भविष्य में विशिष्ट बने रहने के लिए, शैक्षणिक संस्थानों को इस प्रतिभा के सृजन पर ध्यान देना होगा। प्रस्तुति के नए तरीके तलाशें। ऑनलाइन हों। छात्रों को साझा उद्यमी बनाएं। भूगोल- संशयवादी बनें।

-(लेखक जेके लक्ष्मीपत युनिवर्सिटी, जयपुर में इंस्टीट्यूट आफ डिजाइन के डीन हैं।)

माइंड इट

मोहित अग्रवाल

भारत में ऑनलाइन गेमिंग इंडस्ट्री तेज गति से प्रगति कर रही है। देश भर में लाखों लोग विभिन्न कारणों से ऑनलाइन गेम्स खेलते हैं- कुछ समय बिताने के लिए, कुछ खुद को चुनौती देने के लिए, कुछ नए पैंतरे सीखने के लिए, तो कुछ इसे गंभीर करियर के रूप में अपनाने के लिए, आदि। आनलाईन गेमिंग बाजार में यह तेजी कई कारणों से प्रेरित है, मसलन सहज भुगतानों, उच्च युवा आबादी, सस्ती नयी तकनीकियां, विशाल इंटरनेट पहुंच और बढ़ती स्थानीयविकासकारी पारिस्थितिकी। दुनिया में जितने ऑनलाइन खिलाड़ी हैं उनका दसवां हिस्सा केवल भारत में है और अनेक गेम विकसित करने वाली कंपनियां, जो यहां 2010 में सिर्फ 25 थीं, आज बढ़कर 250 हैं। इस गति से, केपीएमजी रिपोर्ट कहती है कि इस उद्योग के गति पकड़ने तथा साल 2021 तक इसका बाजार मूल्य 1 अरब डॉलर तथा ऑनलाइन खिलाड़ियों की संख्या 310 मिलियन हो जाने की संभावना है।

केपीएमजी रिपोर्ट यह भी कहती है कि पहेलियां व एक्शन गेम्स आनलाईन गेम्स में सर्वाधिक लोकप्रिय हैं। कंपनियां और उद्यमी लोगों द्वारा खेलों के प्रति ऐसे शौक को देख रहे हैं और इसीलिए उनके द्वारा नए खेल विकसित करने तथा मौजूदा खेलों को अद्यतन करने के अनेक प्रयास किए जा रहे हैं। इसने स्वाभाविक तौर पर गेमिंग इंडस्ट्री में भी नए रोजगार अवसरों की उपलब्धता तक पहुंचाया है। गेम आर्ट प्रोफेशनलों की दुनिया भर में भारी मांग है, जिसके कारण भारत में युवा आकांक्षियों के लिए भारी रोजगार संभावना बनी है। रोजगार अवसर निरंतर विकसित होंगे, जैसे भारत अंतर्राष्ट्रीय गेमिंग कंपनियों के लिए एक आऊटसोर्सिंग गढ़ बनकर उभरता है।

इस इंडस्ट्री में भी अनेक करियर विकल्प हैं। इनमें से कुछ विकल्प इस प्रकार हैं:

गेम डेवलेपर: जैसा कि नाम से स्पष्ट है वे प्रोफेशनल जो गेमिंग इंटरफेस निर्मित करते हैं, उन्हें गेम डेवलेपर के रूप में जाना जाता है। प्रोफेशनल खेल के क्रियान्वयन समेत उसकी अवधारणा में शामिल होता है और उससे जावा या सी प्लस प्लस जैसी प्रोग्रामिंग भाषा में दक्ष होने की अपेक्षा होती है। कोडिंग, प्रोग्रामिंग और डिजाइनिंग गेम डेवलेपर के लिए प्रमुख कार्य क्षेत्र हैं। प्रोफेशनल गेम डेवलेपर बनने के लिए कंप्यूटर साइंस में बीटेक की डिग्री अनिवार्य है।

n डिजाइनर: गेम डिजाइनर के रूप में यह एक और नया करियर अवसर है। गेम डिजाइनर निम्न क्षेत्रों- गेम, नेरेशन, तथा या साऊंड में से किसी एक में विशेषज्ञता रखता है। डिजाइनर बनने के लिए एनिमेशन या ग्राफिक डिजाइनिंग में डिग्री आवश्यक है।

n गेम डिजाइनर: गेम डिजाइनर बाजार में खेलों की स्वीकार्यता व उपयोगिता का आंकलन करने के लिए बाजार शोध कराता है। वह खेलों के चरित्रों, अवधारणा, नियमों व अन्य तत्वों की भी सूची बनाता है। विशेष रूप से, वह गेम को डिजाइन करने के लिए टीम के साथ काम करता है।

n नेरेटिव डिजाइनर- नेरेटिव डिजाइनर गेम को नेरेशन प्रदान करता है और उन तत्वों को जोड़ता है जो गेम को अधिक वास्तविक प्रस्तुति बनाते हैं।

n साउंड डिजाइनर- नाम के अनुसार, साऊंड डिजाइनर गेम को साऊंड इफेक्ट्स प्रदान करता है मसलन गनशॉट, करेक्टर का कूदना, हंसना, लड़ना, पोकर गेम में कार्ड वितरण करना, बैकग्राऊंड स्कारे आदि।

n ऐनिमेटर: यह व्यक्ति एक तरफ गेम के लिए कल्पित चरित्र रचता है, और दूसरी तरफ, गेम में परिकल्पनाएं रचता है मसलन खेल वातावरण, बाधाएं, यात्रा आदि।

n गेम टेस्टर: एक पेशेवर गेम को जारी करने से पहले उसे जांचता है। इसमें गेम को बार बार खेलना शामिल है ताकि सुनिश्चित हों कि गेम सहज व धन मुक्त है। यह हालांकि थकाऊ मगर मजेदार काम है।

n गेम क्रिटिक या खेल के आलोचक : किन्हीं भी अन्य आलोचकों की तरह गेम क्रिटिक खेल की समीक्षा करता है। यह व्यक्ति खिलाड़ी और लेखक के बीच एक क्रास है, और इसे खेल की गहरी समझदारी है। गेमिंग इंडस्ट्री का व्यापक अनुभव इस रोजगार के लिए अहम आवश्यकता है। विभिन्न अन्य करियर परिप्रेक्ष्य हैं। विभिन्न खिलाड़ी ईस्पोर्ट्स टूर्नामेंट्स के जरिए पब्जी टूर्नामेंट, पोकर टूर्नामेंट आदि के रूप में, बतौर खिलाड़ी या कंपनी द्वारा संविदा आधारित खिलाड़ी के रूप में इंडस्ट्री का हिस्सा बनते हैं। टूर्नामेंट राष्ट्रीय या अंतर्राष्ट्रीय दायरे में स्वयं को प्रस्तुत करने तथा पुरस्कार राशि के लिए अन्य खिलाड़ियों के साथ प्रतिस्पर्धा करने का एक शानदार अवसर है। एक और करियर विकल्प के रूप में प्रशिक्षक बनना तथा खेल के शौकीनों को खेल की योग्यताएं सिखाना भी है।

(लेखक अड्डा 52 डाट काम, के सीईओ व सहसंस्थापक हैं।)

डायबिटीज रोगियों में क्यों बढ़ जाती है किडनी की बीमारी? ऐसे करें बचाव

लाइफस्टाइल और आहार में गड़बड़ी के कारण पिछले कुछ वर्षों में किडनी की बीमारियों का खतरा काफी तेजी से बढ़ता हुआ देखा गया है। सभी उम्र के लोग इसके शिकार हो रहे हैं, पर कुछ शारीरिक स्थितियां आपमें इसके जोखिमों को और भी बढ़ाने वाली हो सकती है। डायबिटीज की समस्या उनमें से एक है। डॉक्टर कहते हैं, जिन लोगों को डायबिटीज होता है उनमें किडनी की बीमारियां और गंभीर स्थितियों में किडनी फेलियर होने तक का खतरा बढ़ जाता है। जिस तरह से किडनी की दिक्कतें बढ़ती जा रही हैं, सभी लोगों को इसके लेकर सावधान रहने की आवश्यकता है।

किडनी को स्वस्थ रखने के तरीकों को बढ़ावा देने, इसके उचित देखभाल को लेकर लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष मार्च माह के दूसरे गुरुवार को विश्व किडनी दिवस मनाया जाता है। क्रोनिक किडनी रोग (सीकेडी) अक्सर धीरे-धीरे और कुछ लक्षणों के साथ विकसित होता है। बहुत से लोगों को तब तक इसका एहसास नहीं होता जब तक कि यह गंभीर न हो जाए। यदि आपको मधुमेह है, तो नियमित रूप से अपनी किडनी की जांच जरूर करवाएं।

आंकड़े बताते हैं, मधुमेह से पीड़ित लगभग तीन में से एक वयस्क को किडनी की समस्या हो सकती है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ बताते हैं, हमारी किडनी लाखों छोटे फिल्टरों से बनी होती है जिन्हें नेफ्रॉन कहा जाता है। समय के साथ, मधुमेह के कारण शुगर का बढ़ा हुआ स्तर इन नफ्रोन में रक्त वाहिकाओं को नुकसान पहुंचाने लगता है। इसलिए वे उतना अच्छा काम नहीं कर पाती हैं। मधुमेह से पीड़ित कई लोगों में उच्च रक्तचाप भी विकसित हो जाता है, जिससे भी किडनी को भी नुकसान पहुंचता है। इसके अलावा डायबिटीज की स्थिति ब्लड में क्रिएटिनिन बढ़ने का कारण भी बन सकती है। हाई क्रिएटिनिन लेवल के कारण भी किडनी को गंभीर क्षति हो सकता है।

शुगर को कंट्रोल रखना जरूरी: डॉक्टर कहते हैं, अपने शुगर लेवल को कंट्रोल में रखना सभी के लिए जरूरी है। डायबिटीज रोगियों के लिए ये और भी आवश्यक हो जाता है, क्योंकि बढ़े हुए शुगर के कारण न सिर्फ किडनी बल्कि हार्ट, आंखों और लिवर की भी दिक्कतें बढ़ सकती है। आप रक्त शर्करा, रक्तचाप और कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कंट्रोल में रखने के लिए प्रयास करके किडनी को स्वस्थ रखसकते हैं।

खानपान का रखें ध्यान : डायबिटीज की समस्या है तो कुछ बातों का ध्यान रखना आपके संपूर्ण स्वास्थ्य को ठीक रखने के लिए जरूरी है। इन उपायों की मदद से आप किडनी को भी स्वस्थ रख सकते हैं। जितना संभव हो सके अपने रक्त शर्करा के स्तर को कंट्रोल रखें। वर्ष में कम से कम दो बार शुगर परीक्षण करवाएं।

युवा अपनी छिपी प्रतिभा को तलाशें

शालिनी सक्सेना डॉ प्रीति अडानी से बात करती हैं जो कहती हैं कि एक ऐसा मंच बनाने की आवश्यकता है जहां आकांक्षियों को रोजगार प्रशिक्षण प्राप्त हो सके।

-आज योग्यता कार्यक्रम की ओर कदम बढ़ाना कितना अनिवार्य है?

आज शिक्षा व्यवस्था एक निर्धारित प्रक्रिया है जो अधिकांश व्यवहारिक सत्रों को सम्मिलित नहीं करती है। बहरहाल युवा योग्यताओं व व्यवहारिक ज्ञान की महत्ता समझता है, स्कूल का समय बीत गया और नौजवान या नवयुवती कालेज में दाखिला लेता है और इस समय उनके पास चुनींदा विषय होना चाहिए जहां वे सभी स्नातक होंगे। रोजगार अयोग्यता बेरोजगारी से बड़ी समस्या है। अपने अकादमिक शिक्षण के दौरान जो हम सीखते हैं उसका नब्बे फीसदी ज्ञान है, जबकि आज नौकरियों के लिए नब्बे फीसदी कुशलताओं की आवश्यकता है। भारत का 58 फीसदी युवा कुशलताओं की कमी का सामना करता है। कुशलताओं के लिए आवश्यक क्षेत्र बहुत बड़ा नहीं है। युवा किसी भी व्यवहारिक कौशल के बारे में जानने के लिए कौशल कोर्स का हिस्सा बन सकते हैं तथा अपनी निहित प्रतिभा को पहचान सकते हैं।

-युवाओं को प्रशिक्षित करने के विभिन्न कार्यक्रम हैं। फिर भी एक फासला है। क्यों?

- यह ऐसा क्षेत्र है जहां युवा नौकरी पाने के लिए माड्यूलर शार्ट-टर्म स्किल ट्रेनिंग चाहता है और उसके लिए तयशुदा कोर्स हैं। विभिन्न सरकारी योजनाओं के तहत प्रस्तावित ये कार्यक्रम पूर्वनिर्धारित पाठ्यक्रमों के साथ हैं और प्रशिक्षण केन्द्र को इस हद तक उनका आदी होने की आवश्यकता है कि इंडस्ट्री उस प्रतिभा को अपने साथ शामिल कर सके। खुद को टिकाए रखने के लिए हरसंभव ढंग से प्रशिक्षण केन्द्र वित्तीय सहायता तलाशते हैं और अनुकूलन बहुत कठिन हो जाता है क्योंकि उनमें से अधिकांश उसी दौरान मुनाफाकेन्द्रित होते हैं, इंडस्ट्री के विशेषज्ञों के अतिथि व्याख्यान, पाठ्यक्रम अनुकूलन तथा औद्योगिक आवश्यकताओं के लिए समय विस्तारण समय मांगता है और यही कुछ ऐसा है जो अक्सर अल्पकालिक पाठ्यक्रमों से गायब रहता है जिसे मन में एकाग्रता अवधि के दौरान क्रियान्वित किया जाता है। उद्योगों की भी कौशल कार्यक्रम आयोजित करने में सीमित रुचि होती है।

-मौजूदा कौशल कार्यक्रमों को सुधारने के लिए और क्या कुछ करने की आवश्यकता है?

- जहां तक कोर्स के कंटेंट के अनुकूलन तथा समयसीमा के मामला है, प्रशिक्षण भागीदारों को थोड़ा लचीलापन प्रदान करें। एक सामान्य मंच बनाने की आवश्यकता है जहां इच्छुक उद्योगों की सूची को कोर्स के अनुसार जोड़ा जा सके ताकि योग्यता आकांक्षी रोजगार प्रशिक्षण प्राप्त कर सकें।

-एएसडीसी द्वारा प्रस्तावित विशिष्ट कोर्स कौन से हैं?

- वर्चुअल सिमुलेटर के जरिए वेल्डिंग ट्रेनिंग, वर्चुअल सिमुलेटर के जरिए क्रेन आपरेटर ट्रेनिंग तथा इन विशिष्ट कार्यक्रमों के अलावा थ्रीडी प्रिंटिंग वाले हमारे कोर्स जो युवाओं के लिए रुचि व रोजगार दोनों उत्पन्न करते हैं, वे हैं - सिलाईमशीन आपरेशन, ब्यूटी थेरेपिस्ट, जनरल ड्यूटी असिस्टेंट, डिजीटल लिटरेसी।

- क्या कारण है कि 12 मिलियन में से केवल 3.1 मिलियन ही योग्य या प्रशिक्षित हैं?

- पुन:, प्रशिक्षण के बारे में बोलना और युवा को आकर्षित करने के लिए योग्यता प्रशिक्षण के तहत दूरदराज इलाकों में योग्यता केन्द्र खोलना दो अलग बातें हैं॥ भारत में, हालांकि, बहुत सारे योग्यता केन्द्र देश भर में मौजूद हैं, मगर इंडस्ट्री की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए मल्टी स्किलिंग सेंटर्स खोलना की भारी आवश्यकता है।

-मुख्य दावेदारों को किस प्रकार के प्रयास करने की आवश्यकता है?

- उन्हें उद्योगों की आवश्यकताओं तथा बदलावों पर निरंतर नजर रखनी चाहिए और उनके अनुरूप प्रशिक्षण केन्द्रों को उन्नत करना चाहिए। नवोन्मेषी तथा नवोन्मेषन को क्रियान्वयन को लेकर गाइड टीम, करियर का चुनाव करने में युवा की कौंसिलिंग हो। उम्मीदवारों को कि स प्रकार नौकरियों के लिए प्रशिक्षित किया जाए इसका फैसला करने में नियोक्ताओं को सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए।

- विस्तार से बताएं कि एएसडीसी के जरिए योग्यता अंतराल को भरने में आप किस प्रकार सहायता कर रही हैं?

- केन्द्र व राज्य सरकारें युवा को योग्य बनाने के प्रयास कर रही हैं लेकिन और काफी कुछ किया जाना चाहिए, बड़े नियोक्ता अपने कर्मचारियों के स्तरोन्नयन व पुनर्कौशल के लिए अनेक कदम उठा रहे हैं, पूर्व शिक्षण की मान्यता एक ऐसा ही तरीका है। योग्यता विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय तथा राष्ट्रीय कौशल विकास कार्पोरेशन, अपने स्किल इंडिया प्रोग्राम के जरिए युवा को इंडस्ट्री की आवश्यकता के अनुसार व्यापक प्रशिक्षण दे रहे हैं। हम भी कोशिश कर रहे हैं और हमने अपने सभी कौशल विकास केन्द्रों पर प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाने के लिए एनएसडीसी के साथ साझीदारी की है।

संक्षिप्त समाचार

पाक का कोच बनने पर वाटसन ने अभी नहीं लिया फैसला

कराची। आस्ट्रेलिया के पूर्व हरफनमौला शेन वाटसन ने अभी तक पाकिस्तान का मुख्य कोच बनने के बारे में फैसला नहीं लिया है हालांकि पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने उनकी फीस की मांग स्वीकार कर ली है। बोर्ड के सूत्रों के अनुसार वाटसन ने सालाना 20 लाख डॉलर मांगे हैं जो प्रतिमाह करीब सो चार करोड़ रूपए होते हैं। यह पाकिस्तान में किसी विदेशी कोच की सबसे ज्यादा फीस होगी। पाकिस्तान के पूर्व विदेशी कोच रिचर्ड पायबस, बॉब वूल्मर, ज्यौफ लॉसन, डेव वाटमोर, ग्रांट ब्राडबर्न और मिकी आर्थर को इससे काफी कम फीस दी गई थी। सूत्र ने कहा , आस्ट्रेलिया में वाटसन का परिवार है और अमेरिकी मेजर लीग से भी उसका करार है। वह सारे विकल्पों पर विचार कर रहा है क्योंकि बोर्ड चाहता है कि वह अधिकतम समय पाकिस्तान में बिताए और घरेलू स्तर पर खिलाड़ियों को तैयार करे। उन्होंने कहा कि वाटसन अनुबंध पर हस्ताक्षर करने में समय ले रहे हैं क्योंकि पीसीबी में और कोचिंग स्टाफ में लगातार बदलाव हो रहे हैं। वाटसन इस समय पाकिस्तान सुपर लीग में क्वेटा ग्लेडिएटर्स के कोच हैं। वह इंडियन प्रीमियर लीग में भी कोचिंग कर चुके हैं लेकिन अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उन्हें इसका अनुभव नहीं है।

सीएसके में मालिकों का दबाव नहीं: ब्रावो

चेन्नई। आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स की अप्रतिम सफलता के पीछे सिर्फ महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी या खिलाड़ियों में झलकता इत्मीनान ही नहीं है बल्कि गेंदबाजी कोच ड्वेन ब्रावो का कहना है कि टीम में बाहरी दखल नहीं होना भी लगातार मिल रही कामयाबी का राज है। लीग के इतिहास में चेन्नई सुपर किंग्स सबसे कामयाब टीम है और इसने पांच बार खिताब जीतने के अलावा सबसे ज्यादा बार प्लेआफ में जगह बनाई है। ब्रावो ने कहा, टीम में कोई बाहरी दखल या मालिकों की ओर से दबाव नहीं है। वे खिलाड़ियों को खुलकर खेलने देते हैं। यही इस टीम की खूबसूरती है। आईपीएल से पहले टीम संयोजन के बारे में उन्होंने कहा , हमारे पास अच्छी टीम है। हम वहीं से शुरूआत करेंगे जहां पिछले सत्र में छोड़ा था। हमने युवा गेंदबाजी आक्रमण के साथ पिछली बार बेहतरीन प्रदर्शन किया। यहां अविरा डायमंड्स के स्टोर लांच के मौके पर उन्होंने कहा , इस बार हमारे पास शार्दुल ठाकुर है जो बोनस होगा। मुस्ताफिजूर रहमान भी काफी अनुभवी है जबकि मथीषा मथिराना भी उपयोगी गेंदबाज है।

ऋषभ पंत की मानसिक दृढता, इच्छाशक्ति जबर्दस्त

विकेटकीपर बल्लेबाज के साथ काम कर चुके मेडिकल स्टाफ ने कहा

एजेंसी। बेंगलुरु

ऋषभ पंत को 2022 में हुई भयावह कार दुर्घटना के बाद पूरी तरह फिट होने में मदद करने वाले मेडिकल स्टाफ ने उनकी इच्छाशक्ति और मानसिक दृढता का तारीफ करते हुए कहा है कि थकाऊरिकवरी प्रक्रिया के बावजूद उन्होंने हार नहीं मानी।

पंत 23 मार्च को आईपीएल के जरिए क्रिकट के मैदान पर वापसी करेंगे जिसमें वह मोहाली में पंजाब किंग्स के खिलाफ दिल्ली कैपिटल्स की कप्तानी करेंगे। पंत ने कहा , मैं सामान्य होने के करीब महसूस कर रहा हूं। 15 महीने पहले हुई कार दुर्घटना को देखकर यह असंभव लग रहा था कि वह वापसी कर सकेंगे। मुंबई के कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी अस्पताल के खेल मेडिसिन सेंटर के निदेशक डॉक्टर दिनशॉ पर्डीवाला और बेंगलुरु के राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी के स्टाफ ने उनकी मदद की। पर्डीवाला ने कहा , एक सर्जन होने के नाते हमारा काम मरीज, उसके परिवार और सभी संबंधित पक्षों को चोट के बारे में वास्तविक जानकारी देना है। ऋषभ की मां उसके साथ थी और बहुत चिंतित थी कि वह दोबारा चल सकेगा कि नहीं। उन्होंने कहा , मैने उनसे कहा कि चोट बहुत गंभीर है लेकिन हम कोशिश करेंगे कि वह फिर खेल सके। लेकिन यह बहुत लंबी प्रक्रिया होगी। पर्डीवाला ने कहा कि वह रिकवरी प्रक्रिया के दौरान पंत का आत्मविश्वास देखकर हैरान रह गए। उन्होंने कहा , मैने उससे कहा कि 18 महीने लगेंगे तो उसने कहा कि वह 12 महीने में कर दिखाएगा। और ऐसा ही हुआ भी। पंत ने कहा , मैने जब बैसाखियों के बिना चलना शुरू किया तो वह निर्णायक मोड़ था। उसके बाद जॉगिंग शुरू की और फिर बल्लेबाजी। इसके बाद विकेटकीपिंग और सबका मजा लिया।

पर्डीवाला ने कहा कि घुटने की पेचीदा चोट, हादसे को लेकर दहशत और क्रिकेट से दूर रहने की पंत की अपनी हताशा, इन सबसे प्रभावी तरीके से निपटना था। उन्होंने कहा , किसी भी सर्जन के लिए घुटने की हड्डी खिसकने की चोट सबसे खराब होती है क्योंकि सब कुछ टूट जाता है। मरीज दहशत में रहता है।

पंत का रवैया देख एनसीए फिजियो कौशिक रह गए दंग

एनसीए के फिजियो धनंजय कौशिक ने कहा कि पंत का सकारात्मक रवैया देखकर वह दंग रह गए। उन्होंने कहा , हादसे में उसका कोई लिगामेंट साबूत नहीं बचा था। मुझे लगता है कि अगर कोई इस हादसे के बाद वापसी कर सकता था तो ऋषभ पंत ही था क्योंकि उसका रवैया इतना सकारात्मक था। एनसीए पर स्ट्रेंथ और कंडिशनिंग कोच निशांता बारडोलोइ ने कहा कि पूरे घटनाक्रम में पंत एक बेहतर इंसान बनकर निकला है। उन्होंने कहा , वह एक बेहतर इंसान बना है। अब वह जिंदगी की कद्र ज्यादा करता है। पहले से अधिक दृढ हुआ है। वह पहले भी अच्छा इंसान था लेकिन अब और बेहतर हो गया है।

मुंबई ने रिकॉर्ड 42वीं बार रणजी ट्रॉफी खिताब जीता

फाइनल में विदर्भ को 169 रन से दी हराकर आठ साल का सूखा खत्म किया

368 रन सिमटी विदर्भ की पारी

एजेंसी। मुंबई

घरेलू क्रिकेट की दिग्गज मुंबई ने आठ साल का इंतजार खत्म करते हुए अपना ही रिकॉर्ड बेहतर करके 42वीं बार रणजी ट्रॉफी खिताब जीता। फाइनल के पांचवें और आखिरी दिन मेजबान ने विदर्भ को 169 रन से हराया। टूर्नामेंट के इतिहास में 90 में से 48वीं बार मुंबई फाइनल में पहुंची थी। वानखेड़े स्टेडियम पर खेले गए फाइनल का नतीजा लगभग उसी समय तय हो गया था जब विदर्भ को 538 रन का लगभग नामुमकिन सा लक्ष्य मिला था।

विदर्भ के कप्तान अक्षय वाडकर (102) और हर्ष दुबे (65) ने हालांकि पूरे पहले सत्र में मुंबई के गेंदबाजों को परेशान किया। विदर्भ ने पांच विकेट पर 248 रन से आगे खेलना शुरू किया था और उसे 290 रन और चाहिए थे। विदर्भ की टीम 368 रन पर आउट हो गई। वाडकर ने इस साल पहला शतक जड़ने के साथ ही सत्र में 600 रन का आंकड़ा भी पार किया। वहीं दुबे ने प्रथम श्रेणी कैरियर में दूसरा अर्धशतक जमाया। दोनों ने 194 मिनट और 255 गेंद तक चली साझेदारी निभाई।

दूसरे सत्र का खेल शुरू होने के कुछ देर बाद ही वाडकर को तनुष कोटियान ने आउट किया। कोटियान ने 95 रन देकर चार विकेट लिए। यह साझेदारी टूटने के बाद विदर्भ की हार पर लगभग मुहर लग गई। विदर्भ दो बार खिताब जीतने के बाद तीन बार फाइनल हार गया है। तुषार देशपांडे ने शॉर्ट गेंद पर दुबे को आउट किया। दुबे ने 128 गेंद में पांच चौकों और दो छक्कों की मदद से 65 रन बनाए। देशपांडे ने ही आदित्य सरवटे को भी पवेलियन भेजा। कोटियान ने यश ठाकुर (छह) के रूप में चौथा विकट लिया। वहीं अपने कैरियर का आखिरी मैच खेल रहे धवल कुलकर्णी ने उमेश यादव का विकेट लेकर विदर्भ की पारी का पटाक्षेप किया।

टीम में सबसे कम रन बनाने के बावजूद आज मैं सबसे ज्यादा खुश हूं: रहाणे

मुंबई। अजिंक्य रहाणे के लिए बल्ले से रणजी ट्रॉफी का यह सत्र बेहद ही खराब रहा लेकिन वह गुरुवार को यहां वानखेड़े स्टेडियम में वह सबसे खुश खिलाड़ी थे, जिनकी कप्तानी में टीम 42वीं बार इस शीर्ष घरेलू टूर्नामेंट की चैम्पियन बनीं। मुंबई ने विदर्भ को 169 रनों से हराकर खिताब अपने नाम किया।

रहाणे ने इस दौरान सत्र में महज 214 रन बनाए। वह मुंबई के लिए इस सत्र में सबसे ज्यादा रन बनाने वालों की तालिका में नौवें स्थान पर रहे। उन्होंने हालांकि फाइनल की दूसरी पारी में 73 रन बनाने के साथ 130 रन की साझेदारी कर मैच को विदर्भ की पहुंच से दूर कर दिया। रहाणे ने मैच के बाद पुरस्कार समारोह में कहा, मैं अपनी टीम के लिए सबसे कम रन बनाने वाले खिलाड़ियों में से एक हूं, लेकिन आज मैं सबसे ज्यादा खुश हूं। एक खिलाड़ी के तौर पर आपको अच्छे और बुरे समय का सामना करना पड़ता है। यह ड्रेसिंग रूम में सकारात्मक माहौल बनाने और एक दूसरे की सफलता का लुत्फ उठाने के बारे में है। यह मेरे लिए विशेष क्षण है। उन्होंने कहा, पिछले सत्र में हम एक रन से नॉकआउट चरण के लिए क्वालीफाई करने से चूक गए थे। हमें टीम में सही माहौल तैयार करना था। हम टीम में फिटनेस संस्कृति बनाने में सफल रहे। मैं हर तरह का समर्थन करने के लिए एमसीए का शुक्रिया करना चाहूंगा।

रहाणे ने इस दौरान मैच के चौथे और पांचवें दिन शानदार जज्बा दिखाने के लिए विदर्भ की तारीफ की। उन्होंने कहा, मैं विदर्भ के संघर्ष की तारीफ करना चाहूंगा। जीत के लिए 538 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए हार मानना आसान है लेकिन उन्होंने संघर्ष करने का जज्बा दिखाया। मैन ऑफ द मैच मुशीर खान और मैन ऑफ द टूर्नामेंट तनुश कोटियान अपने कप्तान के मार्गदर्शन के लिए आभारी थे।

हारे के हरि

मेरिटोक्रेसी आदमी को उसके फटेहाली के लिए जिम्मेवार ठहराने की साजिश है। यथार्थ में जीवन अनिश्चितताओं का किसी भी दिन खत्म हो जाने वाला खेल है।

ओपी सिंह, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक हरियाणा

रोको बेलिक नाम के एक फिल्मकार हैं। उन्होंने 'हैप्पी' नाम की एक डॉक्युमेंट्री बनाई है। दुनियां भर घूमे, बड़ी जगहें देखी, नामी लोगों से मिले। पाया कि प्वेर्टो रीको जैसा छोटा देश अमेरिका से ज्यादा 'खुशहाल' है। उनका कहना है कि रोटी, कपड़ा और एक मकान के बाद माल-पानी का आपकी खुशी से कुछ लेना-देना नहीं है। आपके खुशी में सौ में पचास आपके जीन, दस सोशल स्टेट्स, आय, स्वास्थ्य और उम्र और चालीस आपके विचार-व्यवहार का हाथ है। पॉजिटिव सायकोलोजी के जनक मार्टिन सेलिजमेन का कहना है कि खुश रहने के लिए जरूरी है कि हम अपने निहित स्वार्थों से ऊपर उठें, किसी बड़े मकसद के लिए जीएं और किसी अनंत की सम्भावना से स्वयं को जुड़ा समझें।

वैसे खुशी रेत की तरह है। जितना कस के इसे पकड़ते हैं, ये उतनी ही तेजी से फिसलती जाती है। एक अध्ययन के मुताबिक पिछले चार सौ साल के क्रमिक विकास में भगवान कहीं बीच रास्ते में छूट गया है। आदमी अपनी ही पूजा करने लगा है। एक आरामदायक जिंदगी हासिल करना इतना आसान कभी नहीं था। लेकिन इसे विडम्बना नहीं तो और क्या कहें कि आत्महत्या और अवसाद की समस्या इतनी विकट पहले कभी नहीं थी। विकसित देशों में ये विकराल रूप ले चुकी है।

सारा बखेड़ा तथाकथित मेरिटक्रेसी - योग्यता आधारित व्यवस्था - का खड़ा किया लगता है। इसके अनुसार सारे बराबर है। अगर आप में जोश है, आपके पास कोई आइडिया है और आप कमरतोड़ मेहनत कर सकते हैं तो आपको शीर्ष पर जाने से कोई नहीं रोक सकता। आप कुछ भी कर सकते हैं। सुनने में ये बड़ा अच्छा लगता है। लेकिन यही अच्छी बात सारे फसाद की जड़ है। अगर सारे बराबर हैं तो इसका मतलब ये निकलता है कि जो मेहनती और काबिल थे वे ऊपर चले गए हैं और जो नीचे रह गए हैं वे निकम्मे-नालायक हैं। पहले गरीब और पिटे हुए भी खेप लेते थे। अपने को बदकिस्मत मान तसल्ली कर लेते थे। दूसरे इन्हें सहानुभूति का पात्र समझते थे। अब तो ये डूब मरने वाली बात हो गई है। प्रसिद्ध समाजशास्त्री एमिल दरखेम इसे बढ़ती आत्महत्या से जोड़ कर देखते हैं।

नजदीक से देखें तो मेरिटोक्रेसी वाले मॉडल के साथ कई समस्यायें है। एक, ये संयोग की भूमिका को नकारता है। जिंदगी में सहसा घटित होने वाली बातें जैसे कि बीमारी, दुर्घटना, लोगों से होने वाली अनायास मुलाक़ातें हमारे जीवन की दिशा बदलती रहती है। चाहे हम कितना भी हाथ-पैर मार लें, अनदेखा-अनसोचा होता रहता है और हमारा खेल बनाता-बिगाड़ता रहता है। दो, लड़ाई होगी तो कोई हारेगा और कोई जीतेगा। इसका मतलब ये थोड़े ही है कि दुनियां जीतने वालों की होकर रह जाए। तीसरे, एक मोर्चा फतह कर लेने से कोई विजेता नहीं हो जाता। हाल ही में दुनियां के सबसे अमीर आदमी के तलाक की खबरें अखबारों की सुर्खियां बनीं। उसे क्या समझें? अरबों-खरबों का मालिक या एक पत्नी को भी नहीं संभाल पाने वाला व्यवहार-पंगु व्यक्ति। चौथे, ये आश्वासन कि हम सब बराबर हैं और हम जो चाहें वो हासिल कर सकते हैं, ईर्ष्या पैदा करती है। जितना हम दूसरों को अपने जैसा या बराबर का समझते हैं, ईर्ष्या उतनी अधिक होती है।

हम कितने भी चतुर-सुजान हों, कहीं ना कही हमारी उम्मीदों और उपलब्धियों में फ़ासला रह ही जाता है। मेरिटोक्रेसी का तुगलकी फरमान कि हारने वाले निकृष्ट हैं, हमें चैन से जीने नहीं देता। सबसे बड़ी समस्या है कि लोग हमें तौलने में लगे रहते और हम प्रसिद्धि, पैसे और बल की तलाश में भटकते रहते हैं जिससे कि इन तौलनेवालों को हम वजनदार लगें। लेकिन जैसा कि कामयाबी की फितरत है, थोड़े लोगों को थोड़े समय के लिए संकुचित मायने में हासिल ही सकती हैं। बाकी अपने-आप या किसी और से उलझे रहते हैं। लाइब्रेरी-दुकानें सेल्फ-हेल्प की किताबों से भरी है। भिड़े को जीतने के गुर बेचती है। हारे को हरि दिखाती है। लगता नहीं कि इससे कोई बहुत ज्यादा फर्क पड़ रहा है।

स्पष्ट है कि 21वीं शताब्दी में सम्मान और समय आपको हैसियत के मुताबिक़ ही मिलेगा। इसीलिए बिजनेस कार्ड रखने और लेने-देने का रिवाज है। उस पर लिखे मजमून के हिसाब से ही लोग आपसे चिपकेंगे या कन्नी काटेंगे। इसमें कोई शक और इस बात से कोई शिकायत नहीं होनी चाहिए। सवाल है कि क्या कोई दूसरा रास्ता भी है? एक तबके की राय ये है कि खुशी के मकड़जाले से निकलकर हमें एक अर्थपूर्ण जिंदगी जीने की कोशिश करनी चाहिए। इसका मतलब हुआ कि आप जिस चीज में अच्छे हों और उससे कुछ अच्छा होता हो तो उसी में श्रेष्ठ बनने पर जोर लगाएं। दूसरों के तोल-मोल में ना लगें। निजी स्वार्थों से ऊपर उठें। देना सीखें। अगर अहं इजाजत दे तो अपने को किसी बड़ी वास्तविकता से जुड़ा समझें। और सबसे बड़ी बात कि अपनी एक सकारात्मक कहानी बनाएं जिसमें पटकथा ही आपके सतत उत्थान और अविरल आनंद की हो। सरल भाषा में, दूध अगर फट भी गया हो तो कहानी रसगुल्ला बनाने की गढ़ें।

नवारो ने सबालेंका को हराया कोको क्वार्टर फाइनल में

एजेंसी। इंडियन वेल्स

एम्मा नवारो ने बीएनपी परीबस ओपन के चौथे दौर में दूसरी वरीयता प्राप्त आस्ट्रेलियाई ओपन चैम्पियन एरिना सबालेंका को 6-3, 3-6, 6-2 से हराकर अपने कैरियर की सबसे बड़ी जीत दर्ज की।

वह अपने कैरियर में चौथी बार क्वार्टर फाइनल में पहुंची है और 1000 श्रेणी के टूर्नामेंट में पहली बार वह अंतिम आठ में खेलेगी।वहीं कोको गॉ ने अपने 20वें जन्मदिन पर एलिसे मर्टेंस को 6-0, 6-2 से हराकर लगातार दूसरी बार क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। तीसरे दौर में मर्टेंस ने नाओमी ओसाका को हराया था। पुरुष वर्ग में चौथी वरीयता प्राप्त दानिल मेदवेदेव ने 13वीं वरीयता प्राप्त ग्रिगोर दिमित्रोव को 6-4, 6-4 से हराया। वहीं नौवीं वरीयता प्राप्त कैस्पर रूड ने गाएल मॉफिल्स को 3-6, 7-6, 6-4 से शिकस्त दी। वहीं नोवाक जोकोविच को हराने वाले इटली के लुका नारडी को 17वीं वरीयता प्राप्त टॉमी पॉल ने 6-4, 6-3 से हराया।

सिंधू ऑल इंग्लैंड चैंपियनशिप में यंग से हारीं

42 मिनट तक चले मुकाबले में यंग के खिलाफ 7वीं पराजय

एजेंसी। बर्मिंघम

भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधू को ऑल इंग्लैंड चैम्पियनशिप में गुरुवार को यहां महिला एकल के दूसरे दौर में अपनी प्रतिद्वंदी कोरिया की एन से यंग से सीधे गेम में हार का सामना करना पड़ा।

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता सिंधू मैच के दौरान एक समय अच्छी लय में दिख रही थीं और उन्होंने शीर्ष रैंकिंग की खिलाड़ी के खिलाफ कड़ा संघर्ष किया, लेकिन वह अपनी गलतियों पर अंकुश लगाने में असफल रहीं और 42 मिनट तक चले मुकाबले को 19-21, 11-21 से हार गईं।

पिछले साल महिला एकल विश्व चैम्पियनशिप जीतने वाली कोरिया की पहली खिलाड़ी बनी यंग के खिलाफ सिंधू की यह लगातार सातवीं हार है। सिंधू ने हाल ही में चोट से वापसी की है जबकि कोरिया की खिलाड़ी ने इस सत्र में मलेशिया और फ्रांस ओपन के खिताब अपने नाम किए हैं। सिंधू ने 22 साल की खिलाड़ी के खिलाफ आक्रामक रूख अपनाने की कोशिश की लेकिन यंग ने अपनी रैलियों की गति और स्मैश का शानदार इस्तेमाल कर मैच अपने नाम किया। सिंधू ने पहले गेम में प्रतिद्वंद्वी खिलाड़ी को कड़ी टक्कर दी लेकिन दूसरे गेम में वह लगातार गलती करती रही। सिंधू शुरुआती गेम में 4-1 से आगे थी। यंग ने इस समय ज्यादा प्रयास किए बिना सिंधू के गलती करने का इंतजार किया। भारतीय खिलाड़ी की गलतियों का फायदा उठाकर उन्होंने 9-6 की बढ़त बनाई। सिंधू इसके बाद शटल को नेट पर खेल गई।

हिताक्षी ने तीसरे दिन 10 शॉट की बढ़त बनाई

एजेंसी। गुरुग्राम

हिताक्षी बख्शी हीरो महिला प्रो गोल्फ टूर में गुरुवार को यहां तीसरे दौर में तीन ओवर का कार्ड खेलने के बावजूद 10 शॉट की बड़ी बढ़त बनाने में सफल रही।

शुरुआती दो दौर में 64 और 66 का शानदार कार्ड खेलने वाली हिताक्षी तीसरे दिन अपनी लय बरकरार नहीं रख सकी। उनका कुल स्कोर 11 अंडर 205 है। तीसरे दौर में गौरिका बिश्नोई (70) अंडर पार का स्कोर बनाने वाली इकलौती खिलाड़ी रही। वह कुल एक अंडर 215 के स्कोर से वाणी कपूर (75) के साथ संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर हैं। अमनदीप (76) चौथे स्थान जबकि विधात्री उर्स (73) और जारा आनंद (74)पांचवें स्थान पर हैं।

भारतीय मुक्केबाजी के एचपीडी डुने ने दिया इस्तीफा, विदेशी कोच होंगे बर्खास्त

चार महीने पहले हुई थी नियुक्ति, ओलंपिक क्वालीफायर में बॉक्सरों ने किया था निराशाजनक प्रदर्शन

एजेंसी। नई दिल्ली

ओलंपिक क्वालीफायर में भारतीय मुक्केबाजों के निराशाजनक प्रदर्शन के बाद पेरिस खेलों से चार महीने पहले हाई परफार्मेंस निदेशक (एचपीडी) बर्नार्ड डुने ने इस्तीफा दे दिया है जबकि विदेशी कोच दिमित्री दिमित्रुक को जल्द ही पद से हटाए जाने की संभावना है।

आयरलैंड के पूर्व मुक्केबाज डुने को अक्टूबर 2022 में एचपीडी के रूप में नियुक्त किया गया था। उन्होंने इटली से अपना इस्तीफा भेज दिया, जहां वह पहले विश्व ओलंपिक मुक्केबाजी क्वालीफायर के लिए भारतीय टीम के साथ थे।दो क्वालिफिकेशन स्पर्धाओं (एशियाई खेलों और पहले विश्व ओलंपिक मुक्केबाजी क्वालीफायर) के बाद एक भी भारतीय पुरुष मुक्केबाज ओलंपिक के लिए जगह पक्की नहीं कर पाया है। भारतीय मुक्केबाजी महासंघ (बीएफआई) ने स्थिति का आकलन करने के लिए शुक्रवार को कार्यकारी समिति की बैठक बुलाई है। बीएफआई के महासचिव हेमंत कलिता ने बताया, बर्नार्ड अब टीम के साथ नहीं है। हमने कल एक कार्यकारी बैठक बुलाई है, जहां हम हर चीज का आकलन करेंगे। कल की बैठक में दिमित्री के भविष्य पर भी फैसला लिया जाएगा। दिमित्री ने पिछले साल महिला विश्व चैम्पियनशिप से पहले फरवरी में कोच का कार्यभार संभाला था।

भारत के लिए अभी तक चार महिला मुक्केबाजों ने ओलंपिक कोटा हासिल किए है। इसमें दो बार की विश्व चैंपियन निकहत जरीन (50 किग्रा), प्रीति पवार (54 किग्रा), परवीन हुडा (57 किग्रा) और तोक्यो ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता लवलीना बोरगोहेन (75 किग्रा) शामिल है। भारतीय मुक्केबाजों के पास ओलंपिक टिकट हासिल करने का आखिरी मौका दूसरे क्वालीफायर में होगा। इसका आयोजन बैंकॉक में 23 मई से होगा।

बीएफआई हालांकि इतने कम समय में टीम में चयन के लिए डुने द्वारा तैयार की गई नीति में कोई बदलाव नहीं करेगा। डुने ने टीम में जगह के लिए चयन ट्रायल की जगह एक लंबे समय तक चलने वाले मूल्यांकन प्रक्रिया को शुरू किया था। कई अनुभवी मुक्केबाजों ने हालांकि इस प्रक्रिया का विरोध किया था जिसमें विश्व चैम्पियनशिप के रजत पदक विजेता अमित पंघाल (51 किग्रा) सबसे प्रमुख है। इस प्रक्रिया में शिविर में बेहद कम संख्या में मुक्केबाज रहते थे जिससे उन्हें अभ्यास करने में परेशानी का सामना करना पड़ता था।

भारतीय कोच नियुक्त करने पर विचार कर रहा महासंघ: कलिका

महासंघ अब पुरुष और महिला टीमों के लिए भारतीय कोच को नियुक्त करने पर विचार कर रहा है, क्योंकि ओलंपिक का आखिरी क्वालीफायर मई में होगा जिसमें दो महीने का समय बचा है। कलिता ने कहा, टीम के लिए फिलहाल कोई विदेशी कोच नहीं होगा। हम भारतीय कोचों पर विचार करेंगे। इस समय पुरुष टीम के साथ अनुभवी सीए कुट्टप्पा कोचिंग सदस्यों में एकमात्र भारतीय हैं। पिछले साल जून में भास्कर भट्ट ने महिला टीम का साथ छोड़ दिया। भारतीय मुक्केबाजों ने हाल ही में इटली विश्व ओलंपिक मुक्केबाजी के पहले क्वालीफायर में निराशाजनक प्रदर्शन किया। इस प्रतियोगिता से सभी नौ मुक्केबाज खाली हाथ लौटे। इसमें निशांत देव (71 किग्रा) कोटा हासिल करने से एक जीत दूर थे लेकिन अन्य मुक्केबाज शुरुआती चरणों में हार कर बाहर हो गए थे।

आरसीबी का शिविर शुरू, कुछ दिन में जुड़ेंगे विराट कोहली

बेंगलुरु। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर ने इंडियन प्रीमियर लीग से पहले अपने शिविर की शुरूआत की लेकिन उसके स्टार बल्लेबाज विराट कोहली अगले कुछ दिन में टीम से जुड़ेंगे।

आरसीबी को आईपीएल में गत चैम्पियन चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ 22 मार्च को पहला मैच खेलना है। अधिकांश घरेलू खिलाड़ी नए मुख्य कोच एंडी फ्लावर और क्रिकेट निदेशक मो बबाट के मार्गदर्शन में शिविर में पहुंच गए हैं। कप्तान फाफ डु प्लेसी और वेस्टइंडीज के तेज गेंदबाज अलजारी जोसेफ भी शिविर में पहुंच गए हैं। कोहली पितृत्व अवकाश के कारण इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट श्रृंखला भी नहीं खेले थे। बीसीसीआई के एक सूत्र ने कहा , कोहली अगले कुछ दिन में पहुंचेंगे।